दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 273/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, बुधवार 15 मई 2024 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

शुरुआती बढ़त के बाद फिसला बाजार.. सेंसेक्स 179 अंक टूटा, निफ्टी 22200 से फिसला

सांध्य प्रकाश विशेष

जयशंकर ने पश्चिमी मीडिया पर किया पलटवार, बोले- 'जो देश चुनाव के फैसले के लिए अदालत जाते हैं वे हमें ज्ञान देते हैं'

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारतीय चुनावों के नकारात्मक चित्रण के लिए पश्चिमी मीडिया की आलोचना की है और उन देशों की सलाह की विडंबना को उजागर किया है जिन्हें चुनाव परिणामों पर निर्णय लेने के लिए अदालत जाना पड़ता है। जयशंकर ने अपनी पुस्तक व्हाई भारत मैटर्स के बांग्ला संस्करण के लॉन्च के दौरान कोलकाता में ऐसे देशों द्वारा दी जाने वाली चुनावी प्रक्रियाओं पर मार्गदर्शन, या ज्ञान के प्रति अपनी अस्वीकृति व्यक्त की। मुद्दे के ऐतिहासिक संदर्भ पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा, पश्चिमी देश हमें प्रभावित करना चाहते हैं क्योंकि इनमें से कई देशों को लगता है कि उन्होंने पिछले 70-80 वर्षों से इस दुनिया को प्रभावित किया हैज्पश्चिमी देशों को वास्तव में लगता है कि वे पिछले 200 वर्षों से दुनिया को प्रभावित किया है, आप उस व्यक्ति से कैसे उम्मीद करते हैं कि वह उन पुरानी आदतों को इतनी आसानी से छोड़ देगा?

'भारत कैसा होना चाहिए' जयशंकर ने शासन में कुछ वर्गों और विचारधाराओं के लिए पश्चिमी मीडिया की प्राथमिकता की ओर भी इशारा किया, जो भारतीय मतदाताओं की पसंद के विपरीत है। ये समाचार पत्र भारत के प्रति इतने नकारात्मक क्यों हैं? क्योंकि वे एक ऐसा भारत देख रहे हैं जो एक तरह से उनकी छवि के अनुरूप नहीं है कि भारत कैसा होना चाहिए। वे लोग, विचारधारा या जीवन जीने का एक तरीका चाहते हैंज्वे उस वर्ग को चाहते हैं इस देश पर शासन करने वाले लोग, और जब भारतीय आबादी अन्यथा महसूस करती है तो वे परेशान हो जाते है।

'पश्चिमी प्रेस पर पक्षपातपूर्ण प्रथाओं का आरोप': जयशंकर ने पश्चिमी प्रेस पर पक्षपातपूर्ण प्रथाओं का आरोप लगाते हुए कहा, पश्चिमी मीडिया ने कुछ मामलों में उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों का खुले तौर पर समर्थन किया है, वे अपनी प्राथमिकता नहीं छिपाते हैं। वे बहुत चतुर हैं, कोई 300 वर्षों से इस वर्चस्व का खेल कर रहा है, वे सीखते हैं बहुत सारे, अनुभवी लोग हैं, चतुर लोग हैं।

12 वीं पास कंगना रनौत के पास है 91 करोड़ की संपत्ति, 2 मर्सिडीज और बीएमडब्ल्यू कारों की मालिक

मंडी (हिमाचल प्रदेश)। हिमाचल प्रदेश के संसदीय क्षेत्र मंडी से 12वीं पास भाजपा प्रत्याशी और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत मर्सिडीज कार और करोड़ों रुपए के हीरे-जेवरात समेत अन्य संपत्ति की मालकिन है।। मंडी संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी के रूप में कंगना ने कल मंगलवार को नामाकंन पत्र दाखिल किया, जिसमें उसने कुल 91.50 करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्ति बताई है। इसमें कुल 28.73 करोड़ की चल संपत्ति और 62.92 करोड़ की अचल संपत्ति है। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना के पास दो मर्सिडीज कारे हैं।

कंगना मुंबई में 58 लाख की मर्सिडीज बेंज और 3.91 करोड़ की मर्सिडीज मेबैक में घूमती हैं। कंगना के पास 98 लाख रुपए की बीएमडब्ल्यू कार और 53 हजार रुपए का एक वेस्पा स्कूटर भी है।

कंगना के पास सोने-चांदी के गहनों व अन्य सामान की भी भरमार है। उनके पास इस समय 6.700 किलोग्राम सोने के गहने हैं, जिसकी कीमत पांच करोड़ रुपए बनती है, जबकि 50 लाख मूल्य की साठ किलो चांदी भी कंगना के पास है। कंगना के पास तीन करोड़ रुपए के हीरे भी हैं। कंगना के पास दो लाख रुपए इस समय नकद हैं, जबकि कंगना ने 17.38 करोड़ रुपए का कर्ज भी चुकता करना है। कंगना के पास मुंबई में वर्तमान मूल्य में 23 करोड़ रुपए का घर, मुंबई के खार में 15 करोड़ रुपए से अधिक फ्लैट और मनाली में वर्तमान कीमत में 4.97 करोड़ का आवास है। कंगना ने पंजाब के जीरकपुर में 2.43 करोड़ की कॉर्मिशयल संपत्ति ले रखी है।

कुल्लू में कंगना के पास 1.30 करोड़ और 95 लाख के दो खसरा नंबर हैं। कंगना के खिलाफ आठ आपराधिक मामले भी चल रहे हैं। यही नहीं, कंगना ने अपने सगे संबंधियों को भी करोड़ों रुपए ऋण के रूप में दे रखे हैं।

व्हाइट हाउस में बजा सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा..

मेहमानों को परोसी गई पानी पुरी, जो बाइडन भी मौजूद रहे

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की मौजूदगी में व्हाइट हाउस में एशियन अमेरिकन, नेटिव हवाईयन और पैसिफिक आइलैंड विरासत माह मनाया गया। यह कार्यक्रम अमेरिका में रहने वाले अल्पसंख्यकों के सम्मान में मनाया जाता है। इस कार्यक्रम में सारे जहां से अच्छा गीत बजाया गया। कार्यक्रम में लोगों को पानी पुरी भी परोसी गई। अजय जैन भुतोरिया ने ट्विटर पर यह वीडियो शेयर किया। वह भारतीय अमेरिकी कम्युनिटी के नेता हैं। इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस भी मौजूद रहीं।

नड्डा बोले- राजद का फुल फॉर्म रिश्वतखोरी, जंगलराज, दलदल है

पाताल, समुद्र, अंतरिक्ष, जमीन में कांग्रेस ने घोटाले किए लालू जी तो चारा तक

मोतिहारी। मोतिहारी में बुधवार को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने इस दौरान इंडी गठबंधन पर जमकर निशाना साधा साथी ही मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाई।

नड्डा ने राजद का फूल फॉर्म बताते हुए कहा कि ये रिश्वतखोरी, जंगलराज, दलदल है। पाताल, समुद्र, अंतरिक्ष, जमीन में कांग्रेस ने घोटाले किए। इन्होंने ऐसी कोई जगह नहीं छोड़ी जहां घोटाला ना किया हो। लालू जी चारा तक खा गए। नौकरी के नाम पर जमीन ली। उन्होंने ने कहा कि ये लोग मुसलमानों को आपका आरक्षण देना चाहते हैं। संविधान बदलना चाहते हैं। राहुल जी को संविधान की समझ नहीं है। वो पढ़े-लिखे नहीं है। लालू जी भी मुसलमानों को आरक्षण देना चाहते हैं। उन्होंने इंडी गठबंधन को सनातन विरोधी बताया। उदयनिधि, ए राजा के बयान का जिक्र करते हुए नड्डा ने कहा कि उनके बयान पर राहुल, सोनिया और प्रियंका गांधी आंखें बंद कर लेते हैं। नड्डा ने कहा कि ये लोग राष्ट्र विरोधी भी हैं। जो जेएनयू में देश विरोध नारे लगते हैं। ये लोग उनसे मिलते हैं। सांसद बनाना चाहते थे।

राहुल गांधी ने ओडिशा में संविधान की कॉपी लहराई

बोले- भाजपा के नेता कहते हैं, चुनाव जीते तो इसे फाड़ कर फेंक देंगे

भुवनेश्वर। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को ओडिशा के बलांगीर में एक रैली में कहा- भाजपा के नेता कहते हैं, अगर वे लोकसभा का चुनाव जीतते हैं तो इस किताब (संविधान) को फाड़ कर फेंक देंगे। मैं भाजपा के नेताओं से कहना चाहता हूं कि भाजपा या नरेंद्र मोदी तो दूर दुनिया की कोई भी शक्ति संविधान को नहीं छू सकती।

राहुल ने कहा- अगर वे संविधान को फाड़ने की कोशिश करेंगे तो ये देखना ये देश और कांग्रेस पार्टी उनके साथ क्या करती है। हिंदुस्तान के गरीबों, पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों को जो भी दिया है वह इसी संविधान ने दिया है। 2024 की चुनावी लड़ाई दो विचारधाराओं के बीच की है।

राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के बीच गठबंधन है। पीएम मोदी ने केंद्र में 22-25 अरबपतियों की सरकार चलाई। वही काम ओडिशा में नवीन बाबू कर रहे हैं। इसका पूरा का पूरा फायदा मुट्ठी भर लोगों को होता है और बाकी जनता देखती रह जाती है।

चारधाम यात्रा : गंगोत्री में 2 दिन फंसे रहे यात्री, केदारनाथ के दर्शन में लगे 5 घंटे

भोपाल। चारधाम यात्रा पर मध्य प्रदेश के तीर्थ यात्री भी फंसे हुए हैं। कोई केदारनाथ में हैं तो कोई गंगोत्री-बद्रीनाथ के रूट पर। इससे खाने-पीने की दिक्कतें भी खड़ी हो गई हैं। गंगोत्री के रास्ते पर भोपाल-टीकमगढ़ के कुछ यात्री 2 दिन तक फंसे रहे। जैसे-तैसे आगे बढ़े तो केदारनाथ और तोंगनाथ के रास्ते पर जाम में फंस गए। भोपाल के एक यात्री मनोज पांडे ने बताया, जाम की वजह से अब गंगोत्री की भीड़ केदारनाथ-बद्रीनाथ की तरफ डायवर्ट हो गई है, लेकिन यहां भी दर्शन करने में 5 से 6 घंटे लग रहे हैं।

ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां माधवी राजे का निधन

दिल्ली एम्स में सुबह 9.28 बजे ली अंतिम सांस, कल ग्वालियर में होगा अंतिम संस्कार

ग्वालियर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां राजमाता माधवी राजे सिंधिया का निधन हो गया है। वे 70 साल की थीं। पिछले तीन महीने से बीमार होने से दिल्ली एम्स में भर्ती थीं। उन्होंने बुधवार सुबह 9.28 बजे अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार ग्वालियर में गुरुवार सुबह 11 बजे किया जाएगा। माधवी राजे के निधन पर पीएम नरेंद्र मोदी, सीएम डॉ. मोहन यादव, पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह एवं कमलनाथ, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा, उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, खाद्यमंत्री गोविंद सिंह राजपूत समेत कई नेताओं ने शोक व्यक्त किया है।

राजमाता माधवी राजे मूलतः नेपाल की रहने वाली थीं। वे नेपाल राजघराने से संबंध रखती थीं। उनके दादा जुद्ध शमशेर बहादुर नेपाल के प्रधानमंत्री थे। राणा वंश के मुखिया भी रहे थे। 1966 में माधवराव सिंधिया के साथ उनका विवाह हुआ था। माधवी राजे को सांस में तकलीफ होने पर 15 फरवरी को दिल्ली के एम्स में भर्ती किया गया था। वह लाइफ सपोर्ट सिस्टम (वेंटिलेटर) पर थीं। खुद ज्योतिरादित्य ने गुना में चुनाव प्रचार के दौरान राजमाता के बीमार होने की जानकारी दी थी। दो मार्च को 195 प्रत्याशियों की सूची में भाजपा ने सिंधिया को गुना-शिवपुरी से उम्मीदवार बनाया था। इसके तीन दिन बाद सिंधिया ने अपने क्षेत्र में पहला कार्यक्रम किया था। इस दौरान उन्होंने बताया था कि राजमाता पिछले कुछ दिनों से बीमार है। आप लोगों में भी तो मेरा भाई, बहन, मां-पिता हैं। मैं परिवार को परेशानी में नहीं देख सकता। ओलावृष्टि ने फसलों को बर्बाद किया है। ऐसे दुख के समय में मुझे भी आपसे मिलने आना ही था।

मां के करीब थे ज्योतिरादित्य

ज्योतिरादित्य को अपनी मां के काफी करीब माना जाता है। मां की तबियत ठीक नहीं होने की वजह से ज्योतिरादित्य भी भाजपा के कार्यक्रमों से दूर ही रहे। सिर्फ केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इसके बाद से वे लगातार दिल्ली में ही बने हुए थे। चुनाव प्रचार के दौरान भी बीच-बीच में दिल्ली दौरा करते रहे। चुनाव प्रचार थमते ही ज्योतिरादित्य का पूरा परिवार दिल्ली आ गया था।

सिंधिया कार्यालय से बयान जारी किया गया

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के कार्यालय से जारी बयान में कहा गया है कि बड़े दुःख के साथ ये साझा करना चाहते हैं कि राजमाता साहब नहीं रहीं। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की माता व ग्वालियर राज घराने की राजमाता माधवी राजे सिंधिया जी का इलाज पिछले दो महीनों से दिल्ली के एम्स अस्पताल में चल रहा था। पिछले दो सप्ताह स्थिति बेहद क्रिटिकल थी। आज सुबह 9.28 बजे उन्होंने दिल्ली के एम्स अस्पताल में आखिरी सांस ली।

कल ग्वालियर में होगा अंतिम संस्कार

राजमाता माधवी राजे सिंधिया का अंतिम संस्कार ग्वालियर में होगा। इससे पहले आज दोपहर तीन बजे से शाम सात बजे तक उनका पार्थिव शरीर नई दिल्ली स्थित आवास 27 सफदरजंग रोड पर अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। इसके बाद उन्हें अंतिम संस्कार के लिए ग्वालियर लाया जाएगा।

सीएम यादव बोले- मां जीवन का आधार होती है

मध्य प्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर की राजमाता के निधन पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने एक्स कर लिखा- भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधया की पूज्य माता जी माधवी राजे सिंधिया जी के निधन का हृदय विदारक समाचार प्राप्त हुआ। मां जीवन का आधार होती हैं, इनका जाना जीवन की अपूरणीय क्षति है। बाबा महाकाल से दिवंगत पुण्य आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान और परिजनों को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं।

भोजशाला मुद्दे पर हिंदूवादी नेताओं में टकराव, ज्ञापन देकर सवाल उठाए

धार। विवादास्पद भोजशाला मुद्दे पर हिंदूवादी नेताओं में आपसी तनाव उभरता दिखाई दे रहा है। एक हिंदूवादी नेता सोनू गायकवाड़ ने भोज उत्सव समिति के अध्यक्ष सुरेश चंद्र जलोदिया को ज्ञापन देकर कई मुद्दों पर सवाल खड़े किए। उन्होंने यह पूछा कि भोजशाला के संबंध में जारी न्यायालयीन प्रक्रिया में हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की भूमिका क्या है? इसके अलावा उन्होंने धार के कुछ नेताओं पर भी उंगली उठाई। उन्होंने अपना ज्ञापन और अपना पक्ष सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है।

उन्होंने ज्ञापन में लिखा कि मेरी आस्था सदैव भोजशाला रही हैं। मेरा समर्पण भोजशाला के लिए रहा। गत 25 वर्षों से में इस भोजशाला के हर संघर्ष में सक्रिय रहकर काम करता रहा हूं। परंतु वर्तमान स्थिति में जिस प्रकार के घटनाक्रम चल रहे हैं, उनसे मेरा मन बहुत आहत हुआ। इसलिए वर्तमान की भोज उत्सव समिति से कुछ प्रश्न पूछे हैं। इन प्रश्नों को पूछने के साथ मुझे यह पूरा विश्वास था कि यह मुझे मारेंगे और मै पूरी मन स्थिति से गया था। मुझे वहां मार खाना है। आगे भी मैं प्रश्न पूछता रहूंगा और मार खाता रहूंगा। क्योंकि, मेरा कमिटमेंट हिंदू समाज से है। जो प्रश्न हिंदू समाज के हित में रहेंगे वह मैं बार-बार पूछता रहूंगा चाहे में अपनी जान भी क्यों दे दूं।

भोजशाला मुक्ति के संघर्ष में मैंने पहले भी तत्कालीन शासन के द्वारा मार खाई है और 302 जैसे झूठे प्रकरण भी झेले हैं आज भी जो सत्ता के मद में चूर होकर मुझे मारना चाहते हैं। मैं प्रस्तुत हूं, परंतु में हिंदू समाज की और से सदैव प्रश्न लेकर भोज उत्सव समिति के सामने खड़ा होता रहूंगा। उन्होंने कुछ सवाल पूछे हैं जो इस प्रकार हैं।

(1) वर्तमान में हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस द्वारा लगाई गई याचिका पर आपकी सहमति है क्या?

(2) हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस के पदाधिकारी, जिन्होंने धार की जनता जानती नहीं भोजशाला आंदोलन में सहभागी हुए हजारों हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस के साथ खड़ी हैं, कार्यकर्ता जिन्हें जानते नहीं फिर क्यों भोज उत्सव समिति उनके साथ है?(3) हिन्दू फ्रंट फॉर जस्टिस के कोर्ट में केस करने से पहले आंदोलन से जुड़े कार्यकर्ताओं एवं हिंदू समाज से सहमति क्यों नहीं ली गई?

(4) भोज उत्सव समिति भोजशाला मुक्ति के लिए संघर्षरत है समिति द्वारा यह याचिका क्यों नहीं लगाई गई? यदि वर्तमान समिति याचिका लगाने में सक्षम नहीं थी तो पूर्व में अनेक कार्यकर्ता जो आंदोलन में संघर्षशील थे उन्हें यह याचिका लगाने के लिए आग्रह करते?

(5) हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस ने कोर्ट में जिस स्थानीय व्यक्ति आशीष गोयल को याचिकाकर्ता बनाया। उनके चयन पर हिंदू समाज संशय कर रहा है। क्योंकि यह एक राजनीतिक व्यक्ति है। समिति सदैव दावा करती है कि यह संघर्ष गैर राजनीतिक है, फिर आशीष गोयल क्यों?

(6) पूर्व में भी यह व्यक्ति भोजशाला आंदोलन में संदिग्ध था इसने पूर्व सरकार में एवं उसे समय के कांग्रेसी विधायक को आंदोलन संबंधित जानकारी दी एवं आंदोलन को कमजोर करने के षड्यंत्र में अपनी भूमिका निभाई इसके एवज में इसने स्वयं को एवं परिवार को लाभ पहुंचाया। इस कारण समिति के कार्यकर्ताओं ने 2006 में इसकी सार्वजनिक पिटाई की थी। आज भी यह व्यक्ति संदिग्ध है। विधानसभा चुनाव में पार्टी के विरुद्ध निर्दलीय के समर्थन के कारण निष्कासित किया गया है। अतः यह व्यक्ति कभी भी हिंदू समाज के लिए विश्वसनीय नहीं हो सकता। समिति आखिरकार क्यों इसे मान्यता दे रही है यह स्पष्ट करें?

(7) पूर्व में जब पूर्व जिला प्रचारक नवल किशोर शर्मा एवं उनके सहयोगियों ने इस आंदोलन को पुनर्गति देने के लिए प्रयास किया था तो भोज उत्सव समिति ने उसका विरोध किया था। परंतु एक बाहरी संस्था इसका इस संघर्ष से कोई लेना-देना नहीं उसे क्यों स्वीकार किया? क्या समिति को धार नगर के हिंदू समाज पर भरोसा नहीं है? कोर्ट में याचिका कर्ता के रूप में समिति का कोई सदस्य या आशीष गोयल के अलावा धार नगर के हिंदू समाज का कोई व्यक्ति क्यों नहीं लिया गया?

(8) यह सत्याग्रह गैर राजनीतिक रूप से माँ सरस्वती मंदिर भोजशाला की मुक्ति एवं उसके गौरव की पुनर्स्थापना हेतु सत्याग्रहों द्वारा प्रारंभ किया गया था। परंतु, समय-समय पर इस सत्याग्रह का राजनीतिक लाभ लेने के लिए राजनेता सम्मिलित होते रहे एवं इसके उद्देश्यों को भटकाने का प्रयत्न करते रहे इससे सत्याग्रह की विश्वसनीयता पर प्रश्न चिन्ह खड़ा हो रहा है या फिर भोज उत्सव समिती स्वयं इसका राजनीतिक लाभ लेना चाहती है यह स्पष्ट करें एवं ऐसे स्वार्थी तत्वों को रोकने के लिए भोज उत्सव समिति स्पष्ट नीति बनाएं।

दुष्कर्म का आरोपी भाजपा से जुड़ा: पटवारी

भोपाल। राजधानी भोपाल में स्कूल संचालक द्वारा मासूम से दुष्कर्म मामले में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बड़ा आरोप लगाया है। पटवारी ने दावा किया है कि आरोपी भाजपा से जुड़ा हुआ है और इसीलिए इसलिए बुलडोजर की बात नहीं की जा रही। और कोई होता तो अब तक उसका घर टूट चुका होता।

मप्र की 29 लोकसभा सीटों पर मतदान खत्म होने के बाद पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने भोपाल में प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पटवारी ने कहा कि 3 महीने पहले विधानसभा मे बड़ी हार के बाद पूरी कांग्रेस ने एकजुटता से चुनाव लड़ा। नतीजे डबल डिजिट में सीटें आ जाएं तो आश्चर्य मत करना। अब हमारा काम संगठन को मजबूत करना है। हमारी जो कमियां हैं उनमें सुधार करेंगे।

भाजपा के दावों की हवा निकली

पटवारी ने कहा कि प्रदेश में चौथे चरण के चुनाव आते-आते भाजपा का 29 पार का नारा गायब हो गया। इसी तरह भाजपा ने हर पोलिंग पर 375 मत बढ़ाने की जो बात की थी। मतदान के पहले चरण में ही 35 फीसदी बूथों पर इसकी हवा निकल गई।

प्रदेश में माफिया राज का आरोप: जीतू पटवारी ने कहा कि मोहन यादव को 5 महीने में 5 पत्र लिखे। उनसे पूछा कि आपके पास क्या क्राइम रोकने की कोई योजना है? आप गृहमंत्री का पद छोड़ दो, आपसे जिम्मेदारी नहीं संभल रही। जहां से मुख्यमंत्री आते हैं वहां छोटी-बड़ी 13 घटनाएं हो चुकी हैं। शहडोल में माफिया लगातार हमारे जांबाज अधिकारी कर्मचारियों की हत्या कर रहे है। लेकिन, सरकार चुप है। व्योहारी में वन विभाग की टीम पर पेट्रोल बम फेंक दिया गया।

जय श्रीराम के नारों के बीच 151 श्रद्धालुओं का जत्था राम मंदिर अयोध्या के लिए रवाना

संत हिरदाराम नगर। अयोध्या में भगवान रामलला के दर्शन के लिए 151 श्रद्धालुओ का जत्था 4 बसों से गणेश मंदिर टीला रामपुरा से मंत्रोंचारों के बीच रवाना हुआ। मुरली डाबी के नेतृत्व में पार्षद और बीसीएल एल अध्यक्ष मनोज राठौर, अभय पंडित और पंकज चैकसे ने संबोधित कर भगवा झंडा दिखाकर बसों को रवाना किया। जीनगर समाज के संरक्षक भगवान दास ढालिया ने बताया 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद राम मंदिर निर्माण से श्रद्धालु गण हर्षित है और पांच दिवसीय इस यात्रा में श्रद्धालुओं को अयोध्या के रामलला के दर्शन के साथ ही काशी और प्रयागराज जैसे तीर्थ स्थलों का भ्रमण भी यात्रा समिति द्वारा कराया जाएगा। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद शैलेश साहू, सुरेंद्र चैहान, हरिओम आसेरी, घनश्याम कुशवाह, महेश मकवाना, देवेंद्र चैहान, रवि सूर्यवंशी,पवन चैहान, गोवर्धन परिहार, राजेश आसेरी, घनश्याम पवार, किशोर सोनगरा, प्रवीण गुप्ता, शुभम कुशवाह, हुकुमचंद चैहान, इमरत पवार, सोनू पवार, रमेश निर्वाण, संतोष पवार वकील, महेश डाबी सहित काफी संख्या में महिलाओं ने गगनभेदी जय श्री राम के नारे लगाए।

सीबीएसई बोर्ड कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम में मिठी स्कूल के छात्रों ने लहराया परचम

संत हिरदाराम नगर। शहीद हेमू कालानी एजूकेशनल सोसायटी द्वारा संचालित मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों सीबीएसई की 10वीं की बोर्ड परीक्षाओं में अपनी अकादमिक उत्कृष्टता का एक बार पुन: श्रेष्ठ प्रदर्शन कर संस?था को गौरवान्वित किया है। मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल के छात्र हिमांशु लखवानी ने 97.6: अंक हासिल कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार आदित्य पेसवानी ने 95.8: अंक हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया। कुनाल ज्ञानचंदानी ने 95: अंक हासिल कर तीसरा, हर्षित साहू ने 94.8: प्राप्त कर चैथा, वैभव लखानी ने 94.6: अंक प्राप्त कर पांचवाँ एवं मोहित डे ने 94.6: अंक हासिल कर छंठवां स्थान प्राप्त कर विद्यालय परिवार का गौरव बढ़ाया।

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स?कूल के प्राचार्य अजय बहादुर सिंह ने बताया कि इस वर्ष कुल 130 विद्यार्थी 10वीं की परीक्षा में शामिल हुए, जिसमें 90: से अधिक अंक प्राप?त करने वाले विद्यार्थियों की संख?या 13, 80: से अधिक अंक हासिल करने वाले छात्रों की संख्या 44 रही। वहीं कुल 101 विद्यार्थियों ने 60: से अधिक अंक हासिल किए। आपने बताया कि विद्यालय का कक्षा 10वीं का परिणाम शतप्रतिशत रहा।

फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल के जरिए अश्लील चैटिंग

भोपाल। राजधानी के गोविंदपुरा इलाके में एक व्यक्ति द्वारा अपनी पत्नी के नाम से फेसबुक पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर अश्लील चैटिंग करने की घटना सामने आई है। पुलिस के अनुसार, 25 वर्षीय महिला ने अपने पति पर आरोप लगाया है कि उसने उसकी फोटो का इस्तेमाल करते हुए फर्जी आईडी बनाई और लोगों से अश्लील चैटिंग की। यह घटना उस समय सामने आई जब दंपत्ति के बीच चल रहे विवाद के चलते दोनों अलग-अलग रह रहे थे। महिला ने बताया कि उसकी शादी साल 2021 में सतीश कुमार से हुई थी, जो एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं। शादी के कुछ समय बाद ही दोनों के बीच पारिवारिक विवाद शुरू हो गए, जिसके बाद साल 2022 में उन्होंने अलग रहना शुरू कर दिया। महिला ने अपने पति के खिलाफ दहेज प्रताड़ना की शिकायत भी दर्ज कराई थी, जो अभी कोर्ट में विचाराधीन है। आरोपी पति के खिलाफ जांच के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है और उसकी तलाश जारी है। इस मामले ने सोशल मीडिया के दुरुपयोग और ऑनलाइन सुरक्षा के महत्व को उजागर किया है।

भोपाल में ऑटो पार्ट्स स्टोर में शार्ट सर्किट से लगी आग

भोपालः भोपाल के प्रमुख हमीदिया रोड पर स्थित एक ऑटो पार्ट्स स्टोर में बीती रात एक भयानक आग ने अपना कहर बरपाया। इस्लामी गेट के निकट एक शार्ट सर्किट की घटना के कारण उत्पन्न हुई इस आग ने दुकान में रखे गए लाखों रुपए के सामान को नष्ट कर दिया। सोमवार-मंगलवार की देर रात को अचानक उत्पन्न हुई इस आग की सूचना मिलते ही फतेहगढ़ और कबाड़खाना फायर स्टेशनों से दमकल की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंची। दुकान में रखे गए रेगजीन, लेदर के सीट कवर, और फॉम सामग्री के कारण आग ने भीषण रूप ले लिया और उच्च तापमान पर लपटें आसमान तक पहुंचने लगीं। फायर फाइटर्स ने दुकान के बंद शटर को खोलने के बाद, लगभग एक घंटे की कठिनाई भरी मेहनत के बाद आग पर पूर्ण नियंत्रण पा लिया। शुरुआती जांच में आग के उद्गम के रूप में शार्ट सर्किट की पहचान की गई है।

आज से पुनः आरंभ होंगी नर्सिंग परीक्षाएं, 30 हजार छात्र होंगे शामिल

भोपाल। मध्य प्रदेश में नर्सिंग छात्रों के लिए एक बड़ी राहत की खबर है। तीन वर्षों के अंतराल के बाद, नर्सिंग परीक्षाएं 15 मई से फिर से शुरू होंगी, जिसमें 30,000 से अधिक छात्र भाग लेंगे। इस बीच, 2021-22 और 2022-23 सत्र के 50,000 से अधिक छात्रों को अभी भी अपनी परीक्षा की प्रतीक्षा करनी होगी। एनएसयूआई ने उच्च न्यायालय के निर्णय का स्वागत किया है और छात्रों को उनकी परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं दी हैं। एनएसयूआई नेता रवि परमार, जिन्होंने लंबे समय से परीक्षा करवाने की मांग की थी और इसके लिए जेल भी गए थे, ने इसे छात्रों की बड़ी जीत बताया है। नर्सिंग घोटाले की जांच में लगी सीबीआई की रिपोर्ट पर सवाल उठाते हुए, परमार ने कहा कि जब तक इस महाघोटाले में शामिल दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनकी लड़ाई जारी रहेगी।

मानसिक विक्षिप्त महिला को पुलिस ने बचाया, स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

मध्यप्रदेश पुलिस ने एक महिला को उसके खेत में बने मकान से रेस्क्यू किया, जहाँ वह डेढ़ साल से कैद थी। गोविंदपुरा थाना पुलिस ने पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्र के निर्देशानुसार इस कार्रवाई को अंजाम दिया। महिला को भूख और प्यास से बेहाल पाया गया और उसे तत्काल हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला के परिजनों ने उसे मानसिक विक्षिप्तता के कारण कमरे में बंद कर दिया था। पुलिस और सामाजिक संस्था लक्ष्मी नारायण आनंदम क्लब के सहयोग से महिला को बचाया गया। उसके परिजनों को महिला की देखभाल करने और उसके उपचार के महत्व को समझाया गया। महिला के पास जाने पर उग्र प्रतिक्रिया देने के कारण, पुलिस और रेस्क्यू टीम को उसे सुरक्षित बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। उसे भोजन और स्नान कराने के बाद उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। इस घटना ने महिलाओं की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति समाज की जागरूकता पर प्रकाश डाला है। पुलिस और समाजसेवी संस्थाओं की यह संयुक्त कार्रवाई अन्य पीड़ितों के लिए एक उम्मीद की किरण है।

श्रीगंगा सप्तमी पर गुफा मंदिर में जल अभिषेक कर पूजन किया

संत हिरदाराम नगर। श्री गंगा सप्तमी पर मंगलवार को श्री रामानन्द आश्रम गुफा मंदिर धाम भोपाल शिवालय में मंहत रामप्रवेश दास महाराज के सानिध्य में वैदिक ब्राह्मणों द्वारा मां गंगा जी पूजन बाद में भगवान भोलेनाथ गुफेश्वर महादेव का गंगा जल से अभिषेक किया गया। इस अवसर पर पंडित लेखराज शर्मा, श्यामवीर शर्मा, देवेन्द्र शर्मा, धर्मेंद्र शर्मा, विवेक शर्मा ने विधि विधान से पूजन सम्पन्न कराई।

शारदा कल्याण समिति ने भजन संध्या एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया

भोपाल। मंडीदीप दीपनगर स्थित शारदा कल्याण समिति द्वारा भजन संध्या एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमे मंडीदीप ओद्योगिक क्षेत्र की तमाम हस्तियाँ मौजूद रही। जिसमे भजन संध्या समिति द्वारा तमाम लोकगीत, भजन गाए गए जिसमे आई हुए अन्य जनता झूम उठी। शारदा कल्याण समिति के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी राममणि द्विवेदी द्वारा उनके पुत्र ऋषभ द्विवेदी के जन्म दिवस के अवसर पर तमाम वरिष्ठजनो ने उन्हें बधाई प्रेषित की एवं आशीर्वाद दिया।

द्विवेदी ने कार्यक्रम में पधारे हुए सभी वरिष्ठजनों का आभार व्यक्त किया और उन्होंने बोला की ऐसे ही समाजसेवी के रूप में आपके आशीर्वाद से जनता की सेवा निरंतर करता रहूंगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप मे के.सी शर्मा एवं समस्त रहवासी मौजूद रहे। अपने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर तमाम लोगो को सम्मानित किया जिसमें मुख्य रुप से कोरोना काल सेवाएं देने वाली

मीडिया कर्मीयों को सम्मानित किया। जिसमें मंडीदीप नगर पालिका उपाध्यक्ष प्रेमशंकर साहू, पत्रकार आशीष द्विवेदी, पत्रकार शमशेर सिंह,पत्रकार पुष्पेन्द्र तिवारी,पत्रकार अमित पाण्डेय,डॉ उमेश पटेल, शैलेन्द्र गिरी महाराज महंत भोजपुर मंदिर,अभिजीत पाटिल, डॉ श्याम सिंह,रज्जू सिंह, अमित जैन, राजेश सोनी, सूर्यकांत तिवारी, डॉ.राजेश मिश्रा,पवन श्रीवास्तव, मंडल अध्यक्ष, विकेश सिंह, सोनल दीक्षित, मैनेजर लुपिन श्रीसंत, मुकेश द्विवेदी एवं तमाम वरिष्ठजनो को सम्मानित किया गया।

विद्यार्थियों को किया सम्मानित

भोपाल। होली हार्ट कॉन्वेंट हायर सेकेण्डरी स्कूल में एमपी बोर्ड परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक नंबर लाने वाले टॉप 10 विद्यार्थियों को सम्मानित

किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कक्षा 5वीं, 8वीं, 10वीं और 12वीं के बच्चे शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शहर काजी मुश्ताक अली नदवी ने बच्चों को अवॉर्ड देकर पुरस्कृत किया। इस दौरान मस्जिद इब्राहिमपुरा के हाफिज इशाक, शाला सचिव राशिद अली, प्रिंसिपल शाहाना अली सहित समस्त स्टॉफ ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

केहलील ने 89 प्रतिशत अंक प्राप्त किए

भोपाल। नारायण स्कूल भोपाल के छात्र केहलील खान ने 89.6 प्रतिशत दसवीं में अंक प्राप्त कर समस्त परिवार का गौरव बढ़ाया उनकी इस सफलता पर उन्हें सभी ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हम आपको बता दे गोविंदपुरा के निजामुद्दीन कॉलोनी निवासी हाशिम खान के पुत्र ने केहलील खान ने दसवीं में अच्छी रैंक बनाकर समाज एवं परिवार का गौरव बढ़ाया।

युवा मास्टर स्ट्रोकः पूरे भारत में रचनात्मकता और प्रतिभा का जश्न

भोपाल। हाउस ऑफ नवनीत एजुकेशन से यूवा स्टेशनरी (यूवास्टेशनरी), पूरे भारत के विभिन्न राज्यों में आयोजित यूवा मास्टर स्ट्रोक' प्रतियोगिता के सफल समापन की घोषणा करते हुए गर्व महसूस कर रही है। यूवा मास्टर स्ट्रोक एक विशेष मंच है,जो छात्रों को ड्राइंग के माध्यम से अपनी रचनात्मकता को उजागर करने का अधिका र देता है। दो दशकों की विरासत के साथ, यह वर्ष इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की 20वीं वर्ष गांठ था। 2023 संस्करण में 22 राज्यों के कुल 5251 स्कूलों ने उत्साह पूर्वक प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसमें लगभग 13.6 लाख छात्रों ने अपनी कलात्मक प्रकृति औ र कल्पना का प्रदर्शन किया ।प्रतिभागियों को तीन आयु समूहों में वर्गीकृत किया गया था, प्रत्येक को उनके चित्र के लिए विशिष्ट विषय सौंपे गए थे। यूवा के मुख्य रणनीति अधिकारी अभिजीत सान्याल ने कहा, हम भारत में इतने सारे राज्यों में छात्रों की रचनात्मकता और प्रतिभा का जश्न मनाते हुए यूवा मास्टर स्ट्रोक के एक और सफल संस्करण को देखकर खुश हैं ।यह प्रतियोगिता न केवल युवा कलाकारों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान करती है,बल्कि कलात्मक अभिव्यक्ति और सराहना की संस्कृति को भी बढ़ावा देती है ।मैं सभी विजेताओं को बधाई देता हूं। यूवा का मानना है कि ड्राइंग, अभिव्यक्ति की एक सार्वभौमिक भाषा होने के नाते, छात्रोंको अपने विचारों और भावनाओं को चुपचाप संवाद करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है, उनकी सहज कलात्मक प्रतिभाओं का पोषण करता है ।यूवा मास्ट रस्ट्रोक उसी का एक प्रमाण है।

आबकारी विभाग ने अवैध शराब तस्करी पर कसी नकेल

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर, भोपाल आबकारी विभाग ने अवैध शराब तस्करी पर अपनी पकड़ मजबूत की है। कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह के निर्देशन में, सहायक आबकारी आयुक्त दीपम रायचुरा की अगुवाई में, भोपाल के सुभाष नगर इलाके में एक बड़ी कार्रवाई की गई। आबकारी नियंत्रक रामगोपाल भदौरिया के निर्देश पर, आबकारी टीम ने संवेदनशील क्षेत्र में छापेमारी करते हुए, आदतन अपराधी संतोष यादव उर्फ बल्लू यादव के घर से 12 पेटी विदेशी मदिरा जब्त की। इस कार्रवाई में वृत प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक वर्षा उईके ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) क, 34(2), और धारा 45 के तहत प्रकरण दर्ज करते हुए, आरोपी को गिरफ्तार किया गया। तस्करी के स्रोत की जांच जारी है। भोपाल जिले में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ विभाग द्वारा निगरानी तेज की गई है।

अनिल अहिरवार, हेमवती बाई, अमन चंडालिया, और आशिफ खाँ जैसे तस्कर पहले ही जेल भेजे जा चुके हैं। ईशान शिवहरे, राजू सिंधी, विक्की सरदार सहित अन्य कई तस्करों पर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है। सहायक आबकारी आयुक्त रायचुरा ने बताया कि चुनावी अवधि में तस्करों के खिलाफ निरंतर कार्रवाई से उनमें हड़कंप मचा है। ठेकेदारों पर भी विभाग की नजर है, और नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्ले होटल में मध्यप्रदेश की धरोहर प्रदर्शित होती है: जनरल मैनेजर

भोपाल। हर लोगों की चाहत होती है कि हम ऐसे होटल में जाये, जो काफ़ी आलीशान हो और लाइफ़ की हर सुख सुविधाओं से लैस हो, हम ऐसे ही एक होटल से आपको रूबरू करवा रहे है जो राजधानी भोपाल के लालघाटी स्थित हलालपूरा बस स्टैंड के सपीप प्लेओटेल इन आरिया के नाम से जाना जाता है। इस होटल को तमाम विलासितापूर्ण सुविधाओं के साथ बनाया गया है। गोल्डन कलर की यह खूबसूरत इमारत किसी सोने की परत चड़ी हुई खुबसूरत इमारत की तरह दिखाई देती है। इस होटल के प्रवेश द्वार पर आपको एक प्राकृतिक सौंदर्य का एहसास करवाता हुए झरना दिखाई देगा, इसके साथ ही प्रवेश द्वारा पर एक खूबसूरत एक विशाल प्यानो दिखाई देगा, जिसे गेस्ट सेल्फ़ी पॉइंट की तरह भी

इस्तेमाल करते हैं, यहाँ आने वाले मेहमान को एक वेलकम ड्रिंक सर्व की जाती है, होटल में और आगे चलने पर एक सुंदर सा रिसेप्शन काउंटर बनाया गया है, और इसके ठीक सामने मेहमानों के बैठने के लिए वेटिंग हाल बनाया गया जिसके ठीक सामने एक बड़ा टीवी दिखाई देता है जिसमें राजधानी भोपाल सहित मध्यप्रदेश की तमाम उन धरोवर को दिखाया जाता है जो हमारे प्रदेश के पर्यटन को बढ़ावा देता है। इस प्लेओटेल इन आरिया में एक खूबसूरत प्ले डाइन रेस्टोरेंट भी है, जिसकी खूबसूरती शब्दों में बया नहीं की जा सकती आपकी जानकारी के लिये बता दे की इस रेस्टोरेंट की बनावट में स्टोन विनियर का इस्तेमाल किया गया है जो इस रेस्टोरेंट को और भी आकर्षण बनाता है।

सपा ने डूबते जहाज से गठबंधन किया: डॉ. मोहन यादव

उप्र के महोबा जिले में पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में मुख्यमंत्री और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने की सभाएं

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने उत्तर प्रदेश के हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र के महोबा जिले के चरखारी विधानसभा के पनवाड़ी में भाजपा प्रत्याशी पुष्पेंद्र सिंह चंदेल के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने भगवान श्रीराम और कृष्ण को स्कूल और कॉलेज के पाठ्यक्रम में शामिल कर छात्रों को पढ़ा रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत को वैश्विक स्तर पर मान-सम्मान दिलाने का कार्य किया है। नरेन्द्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए हर बूथ पर कमल खिलाएं। जनसभा को हमीरपुर से सांसद प्रत्याशी पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल ने भी संबोधित किया।

समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि भाई साहब को गठबंधन ही करना था तो डूबते जहाज में क्यों बैठे। जिन्होंने पूरी कांग्रेस को डुबा दिया, उनसे गठबंधन कर रहे हो, गठबंधन करना ही है तो चलती हुई गाडी से करो। हमारी संस्कृति में उगते हुए सूरज को नमस्कार किया जाता है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि मुलायम सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को शुभकामनाएं प्रेषित की थीं और कहा था कि आपकी सरकार बन रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भगवान श्रीराम ने वनवास के 11 वर्ष

मध्यप्रदेश के चित्रकूट में बिताए हैं। कंस का वध करने के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने उज्जैन में सांदीपनि आश्रम में शिक्षा प्राप्त की है। शिक्षा प्राप्त करने के बाद जब भगवान सृष्टि संचालन के लिए वापस जा रहे थे, तब मध्यप्रदेश के जानापाव में जन्म लेने वाले भगवान परशुराम ने उन्हें सुदर्शन चक्र सौंपा। अमीरी और गरीबी भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा जी की दोस्ती में कभी आड़े नहीं आई। वहीं भगवान श्रीराम ने प्रेमभाव देखकर हमारे आदिवासी समाज की माता शबरी के जूठे बेर खाए। मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश दो पड़ोसी राज्य हैं, लेकिन हम सभी का आप लोगों से सदियों पुराना रिश्ता है। मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के रिश्ते भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के काल से है। भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण का मध्यप्रदेश से रिश्ता गौरवशाली पक्ष है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बुंदेलखंड वीरों की भूमि है। जब सनातन की बात होगी तो भगवान श्रीकृष्ण, भगवान श्रीराम के साथ आल्हा-ऊदल के साथ रानी दुर्गावती और रानी अवंतीबाई का जिक्र हमेशा किया जाएगा।

दिसंबर 2023 में मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद मैंने पहली कैबिनेट बैठक जबलपुर में की। जबलपुर में कैबिनेट रानी दुर्गावती को सम्मान देने के लिए पहली कैबिनेट बैठक की गई। सागर में रानी अवंतीबाई के नाम से विश्वविद्यालय स्थापित किया गया है। नई शिक्षा नीति में स्कूली पाठ्यक्रम में भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े प्रसंगों को पाठ्यक्रम में शामिल छात्रों को पढ़ाया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने उत्तर प्रदेश के हमीरपुर लोकसभा के महोबा जिले के चरखारी विधानसभा के पनवारी में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने बीते दस वर्षों में वैश्विक स्तर पर भारत का मान-सम्मान बढ़ाने का कार्य किया है।

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने उत्तर प्रदेश के प्रवास दौरान लालगंज में पूर्व कैबिनेट मंत्री गिरीश पांडेय के निवास पर से उनके निवास स्थान पर शिष्टाचार भेंट की। इस मौक़े पर उनका समसामयिक विषयों पर सार्थक संवाद भी हुआ।

नए बस स्टैंड से बढ़ी शहर की सुंदरता , यातायात व्यवस्था में हुआ सुधार: गोविंद सिंह राजपूत

मंत्री ने विधायक जैन एवं बस आपरेटर एसोसिएशन के सदस्यों व जनप्रतिनिधियों के साथ नवनिर्मित बस स्टैंड का किया निरीक्षण

सागर। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने मंगलवार को सागर विधायक शैलेंद्र जैन बस एसोसिएशन के सदस्यों तथा जनप्रतिनिधियों के साथ आरटीओ कार्यालय के पास बने नवनिर्मित बस स्टैंड क्र. 01 तथा भोपाल रोड स्थित बस स्टैंड क्र. 02 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री राजपूत ने यात्रियों से चर्चा की जहां साफ सफाई की व्यवस्थाओं से प्रसन्न यात्रियों ने बस स्टैंड की सुविधाओं को लेकर कहा कि साफ सफाई एवं अन्य व्यवस्थाएं बस स्टैंड पर बहुत अच्छी है, मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि बस स्टैंड में जल्दी ही वाटर कूलर की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने टिकट काउंटर पर पहुंचकर व्यवस्थाएं देखी तथा उद्घोषक कक्ष में पहुंचकर घोषणा करते हुए यात्रियों को जानकारी दी। साथ ही मंत्री श्री राजपूत कहा कि टिकट काउंटर की दिशा बदली जाएगी बस जहां खड़ी की जा रही है वहां बरसात के समय जल भराव की संभावना है अत: जल्द ही कंक्रीट व सीमेंट से स्थान पर सुधार कार्य कराया जाएगा, ताकि बारिस के समय जल भराव जैंसी स्थिति न हो। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि हमारा दायित्व है कि शहरवासियों के लिए अच्छे से अच्छी व्यवस्था की जाये, जिसको लेकर महानगरों की तर्ज प्रीपेड ऑटो स्टैंड पार्किंग को लेकर अच्छे से अच्छी व्यवस्था की जायेगी। मंत्री श्री राजपूत ने बस मालिकों की मांग पर कहा कि बहुत जल्द बस मालिकों को ऑफिस के संचालन हेतु भूमि लीज पर आवंटित करने की कार्रवाई की जाएगी, आचार संहिता हटने के बाद बस ऑपरेटर, सिटी बस संचालकों, ऑटो यूनियन के पदाधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक कर छोटी-छोटी समस्याओं का निराकरण जल्द ही किया जाएगा। इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार, पार्षद रूपेश यादव सभापति यातायात परिवहन, पार्षद विनोद तिवारी, संजू दुबे पार्षद, पार्षद मनोज चैरसिया, पार्षद धर्मेंद्र खटीक, शैलेष केषरवानी पार्षद, पार्षद गुड्डा खटीक, पार्षद पराग जैन, भाजपा महामंत्री देवेंद्र पप्पू फुसकेले, मंडल अध्यक्ष रीतेष मिश्रा, मंडल अध्यक्ष विक्रम सोनी, अनिल श्रीवास्तव, प्रासुक जैन, अंकू चैरसिया,जिला भाजपा मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन, बस ऐसोसियेशन से संतोष पांडेय, अतुल दुबे, अशोक श्रीवास्तव, छुट्टन तिवारी, राजेंद्रसिंह बरकोटी, जयकुमार जैन सहित अजय तिवारी, समीर कुरैषी, सुधीर गुरहा, सुमित यादव, पुरसोत्तम चैरसिया सहित शहर के गणमान्य नागरिक निरीक्षण के दौरान उपस्थित रहे।

सिंधी साहित्य सभा का कार्यक्रम 19 को इंदौर में

भोपाल। अखिल भारत सिंधी बोली साहित्य सभा,नई दिल्ली का वार्षिक समारोह इस बार इंदौर में हो रहा है। यह कार्यक्रम 19 मई को होने जा रहा है। इंदौर की सिंधू मुहिंजी जीजल संस्था के सहयोग से कार्यक्रम होगा। इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होगी। साहित्य,रंगमंच, चित्रकला के क्षेत्र में अमूल्य योगदान देने वाली दस सिंधी

भाषी विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा। यह जानकारी सभा के क्षेत्रीय सचिव श्री साबू रीझवाणी ने दी। यह निरंतर दूसरा वर्ष है जब कार्यक्रम मध्य प्रदेश में हो रहा है। पूर्व वर्षों में यह कार्यक्रम मुंबई, दिल्ली, जयपुर और अहमदाबाद जैसे बड़े नगरों में ही होते रहे हैं। इस वर्ष साहित्य सभा ने नई श्रेणी सोशल मीडिया में भी अवार्ड देने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही मध्य प्रदेश को इस वर्ष कुल 4 अवार्ड प्राप्त हो रहे हैं। गत वर्ष भी मध्य प्रदेश ने तीन अवार्ड प्राप्त किए थे। सिंधी साहित्य, पत्रकारिता ,मूर्ति कला, चित्रकला, संगीत ,गायन और नाटक के क्षेत्र में अनूठे कामों के लिए सभा सिंधी भाषी प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर वार्षिक पुरस्कार प्रदान करती है। इंदौर में इस वर्ष पुरस्कार समारोह के साथ सिंधी लोक कथा गायन शैली भगत के सिंगर डांसर आर्टिस्ट लवि कमल भगत ,अजमेर की प्रस्तुति के साथ ही सिंधी हास्य नाटक मोबाइल की मार का मंचन इंदौर के नमोश तलरेजा और विनीता मोटलानी ड्रामा टीम द्वारा किया जाएगा।

योग केंद्र पर नियमित योग साधक का जन्मदिन मनाया

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि योग केन्द्र पर नियमित आने वाले योग साधक भाई,बहनों एवं बच्चों का जन्मदिन धूमधाम से मनाया जाता है। आज सुबह 6 बजे सामूहिक योग साधना उच्चारण गायत्री मंत्र जप महामृत्युंजय मंत्र जप के साथ नियमित योग साधिका सारंगा नगरारे का जन्मदिन उपस्थित साधकों द्वारा उनके स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए गुलदस्ता उपहार एवं पुष्प वर्षा के साथ उत्साह पूर्वक मनाया गया। प्रमुख रुप से सुनीता जोशी, परवीन किदवई, लता बंजारी, आशा गजभिये, सुरेखा चावला, भावना शर्मा आदि उपस्थित रहे।

शिविर के पहले दिन 15 सौ से अधिक श्रमिकों को मिली नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं

भोपाल। स्वास्थ्य विभाग भोपाल द्वारा श्रमिकों हेतु आयोजित विशेष स्वास्थ्य शिविर के पहले दिन 1518 श्रमिकों को विभिन्न सेवाएं दी गईं। मजदूरों की आवश्यकताओं को देखते हुए मजदूर पीठों पर पहली बार आयोजित इन शिविरों में 98 आभा आई डी और 39 आयुष्मान कार्ड बनाये गए। 104 लोगों को वयस्क बी सी जी का टीका लगाया गया है। शिविर में असंचारी रोगों की जांच की व्यवस्था भी की गई है, जिसमें 982 लोगों की जांच की गई। जांच में 96 लोगों में डायबिटीज और 88 लोगों में उच्च रक्तचाप पाया गया। इन सभी का पंजीयन कर नियमित फॉलोअप नजदीकी स्वास्थ्य संस्थाओं में किया जाएगा। इन शिविरों में नेत्र रोगों की जाँच (हाइपरटेंसिव एवं डायबिटिक रेटिनोपैथी), मोतियाबिंद की

जाँच भी की जा रही है। इसके लिए शिविर स्थल पर मोबाइल वैन की व्यवस्था की गई है। आज आयोजित शिविर में 74 लोगों का नेत्र परीक्षण किया गया है। इनमें से 4 लोगों में मोतियाबिंद पाया गया है। 50 मरीजों को निशुल्क चश्मे भी दिए गए हैं। मोबाइल वैन के द्वारा 15 मई को बैरागढ़ चौराहा में आयोजित शिविर में निशुल्क जांच की जायेगी। श्रमिकों की सुविधा का ध्यान रखते हुए ये शिविर प्रतिदिन सुबह 7.00 बजे से लगाए जा रहे हैं।

18 मई तक आयोजित इन शिविरों में श्रमिकों के आयुष्मान कार्ड ,आभा आई डी बनाने, क्षय रोग व कुष्ठ रोग की स्क्रीनिंग की जा रही है। वयस्क बीसीजी टीका भी शिविरों में लगाया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि ये शिविर भोपाल के 14 श्रमिक पीठों पर आयोजित किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य जांच के साथ साथ आभा आईडी एवं पात्र परिवारों के आयुष्मान कार्ड बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। शिविरों की जानकारी आशा कार्यकर्ताओं द्वारा श्रमिकों को दी जा रही है, ताकि क्षेत्र के अधिक से अधिक श्रमिक लाभान्वित हो सकें। नगर पालिक निगम द्वारा शिविर स्थल पर बैठक व्यवस्था की गई है तथा निगम कर्मचारियों द्वारा भी इसका प्रचार प्रसार किया जा रहा है।

शिविर स्थल-विश्वकर्मा मंदिर के सामने बागसेवनिया, ललिता नगर कोलार रोड डी मार्ट के सामने, जिंसी चौराहा, लालघाटी चौराहा , करोंद चौराहा, 10 नंबर मार्केट, नेहरू नगर चौराहा, परिहार चौराहा अशोका गार्डन , इतवारा, आनंद नगर चौराहा, इंद्रपुरी, अयोध्या नगर चौराहा।

रवि चौधरी ने चौधराहट पद ग्रहण किया, पगड़ी बांध कर सम्मान किया

भोपाल। सकल वाल्मीकि समाज की परंपरा के अनुरुप खानदानी चौधराहट के 102 वर्ष के उपलक्ष्य मैं शताब्दी उत्सव आयोजित किया गया7 इस शुभ अवसर पर स्व कमरलाल चौधरी के सुपुत्र रवि चौधरी अपनी खानदान की परंपरा की गौरवशाली परंपरा को निभाते हुए चौधराहट पदवी पर पदारोहण किया। साढे बारह मुहाल से पधारे सभी पदाधिकारियों ने रवि चौधरी का पगड़ी बांध कर सम्मान किया।श्री चौधरी के लिये गर्व की विशेष बात यह हैं कि अपने कुटुंब की गौरवशाली परंपरा के 102 साल होने पर चौधरी का पद ग्रहण किया। इस मौके पर वाल्मीकि विभूति श्री से श्री जगन लाल झांझोट , वाल्मीकि रत्न सम्मान से नारायण दास खरे , शान - ए - वाल्मीकि सम्मान से श्री कृष्ण चौहान को सम्मानित किया गया। सदर मजिल स्थित हमीद मंजिल मे इस समारोह में साढे बारह मुहाल से पधारे जगन लाल झांझोट , नारायण दास खरे , चिमन कल्याणे भोपाल ,राजेन्द्र गौहर विदिशा ,प्रहलाद चावला रायसेन , रामभरोसे भगवनिया, अशोक भगवनिया , राजेन्द्र भेरवे चौधरी बैरागढ ,बलराम वाली मुखिया देवास,नितिन घावरी लाम्वाखेडा ,राजेश गोदिया , किरण चावरे, ,राजेश पटरोड खलीफा , आन्नद चावरे इंदौर , दिनेश भैरवे सीहोर , प्रेमचंद चौहान, जयप्रकाश बडगुजर चौधरी, राधेश्याम गुजर, गोपाल धूलिया, राधेश्याम मेहना तथा भारी संख्या मे वाल्मीकि बंधुगण उपस्थित थे ।

भारतीय जनता पार्टी चौक मंडल ने एनडीए की 400 सीटों के लिए 400 आहुतियों का किया हवन

भोपाल। एन.डी.ए की आगामी लोकसभा में 400 सीट आए इसलिए भारतीय जनता पार्टी चौक मंडल के कार्यकर्ता द्वारा शीतल दास की बगिया (बड़े तालाब) पर भगवान श्री राम जी के चरणों में पूजा अर्चना के साथ 400 आहुतियों का हवन किया। भारतीय जनता पार्टी चौक मंडल के अध्यक्ष आशीष सिंह ठाकुर ने कहा कि हम सभी ईश्वर से प्रार्थना करते हुए हर एक सीट के लिए एक आहुति हवन में दी। माननीय नरेंद्र मोदी एक बार फिर प्रधानमंत्री बने एवं एनडीए सरकार 400 सीटें जीते इसलिए 400 आहुतियां का हवन किया। मण्डल अध्यक्ष आशीष सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष विवेक साहू, अवनी शर्मा,महेन्द्र सिंह ठाकुर, मोहन जटिया,महामंत्री मनोज घट,संदीप बाथम,मंत्री राहुल यादव,गंगाराम यादव, सुधीर माने सोनू साहू, मुकेश अवस्थी,तरण प्रजापति सहित अन्य पधारीकारी उपस्थित थे।

एम्स ने औबेदुल्लागंज में प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भोपाल। दूर दराज के ग्रामीण इलाकों में जाकर वहां के निवासियों को समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान करना एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अजय सिंह का एक लक्ष्य है। उनका मानना है कि जब तक हम ग्रामीणों तक नहीं पहुंचेंगे ग्रामीण अंचलों तक नहीं पहुंचेंगे तब तक हम सही रूप में मानव की सेवा नहीं कर सकते। इसी सिलसिले में 13 मई को एम्स भोपाल के फार्माकोलॉजी विभाग द्वारा प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया को लेकर रायसेन जिले के उबैदुल्लाह गंज में स्थित पीएचसी चिकलोद में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया - किसी दवा या दवा लेने के तुरंत बाद होने वाले लक्षण से जुड़े होते हैं। इस कार्यक्रम में दवाओं से संबंधित प्रतिकूल ड्रग रिएक्शन पर गांव वासियों को जानकारी दी गई। यहां यह बताना भी आवश्यक है कि एम्स भोपाल फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया के तहत मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के लिए एक एडवर्स ड्रग रिएक्शन मॉनिटरिंग सेंटर के अलावा क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र भी है, जो एम्स भोपाल के फार्माकोलॉजी विभाग और कम्युनिटी एंड फेमिली मेडिसिन विभाग के सहयोग से कार्य करता है। कार्यक्रम के दौरान इंटरएक्टिव डिस्कशन आयोजित किए गए। जिसमें लोगों को बताया गया कि अगर कोई दवा का रिएक्शन होता है तो किस तरह से उसकी जानकारी देनी चाहिए और साथ ही इसकी रिपोर्टिंग भी किस तरह से करनी चाहिए। इस जागरूकता कार्यक्रम को एम्स भोपाल के सीनियर रेजिडेंट डॉ अभिषेक मिश्रा और उनकी टीम द्वारा आयोजित किया गया।

आनंद प्राप्ति का सबसे प्रभावी माध्यम एकनिष्ठ, एकाग्र प्रयास : मंगुभाई पटेल

राज्यपाल अल्प विराम प्रशिक्षण के समापन समारोह में हुए शामिल

राजभवन में राज्य आनंद संस्थान द्वारा दो सत्रों में आयोजित हुआ कार्यक्रम

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि किसी भी कार्य को एकनिष्ठ और एकाग्र भाव के साथ करना आनंद प्राप्ति का सबसे प्रभावी माध्यम है। अल्प विराम प्रशिक्षण की सीख को 365 दिन याद रखें। प्रतिदिन अपने आचरण में पालन का प्रयास करें। मन प्रफुल्लित रहेगा तो जीवन भी आनंदमय होगा। पटेल आज राज्य आनंद संस्थान द्वारा आयोजित अल्प विराम प्रशिक्षण के समापन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। राजभवन के सांदीपनि सभागार में आयोजित समापन समारोह में राज्यपाल के

प्रमुख सचिव मुकेश चन्द गुप्ता मौजूद थे। राज्यपाल पटेल ने कहा कि जीवन में आत्मिक आनंद का विशेष महत्व है। हमें जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए। उन्होंने एक प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी के साथ अनुचित व्यवहार की आत्म ग्ला?नि सारा जीवन कष्ट देती है। इसलिए कभी भी जाने-अनजाने में ऐसा कार्य नहीं करें जो व्यक्ति को हानि पहुँचाए। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि हम सभी लोग वसुधैव कुटुम्बकम् अर्थात सारा विश्व हमारा परिवार है, इन संस्कारों के साथ पले-बढ़े हैं। अत: हमें छोटे-बड़े, गरीब, वंचित, दुखी सबका मान-सम्मान परिवार की भांति करना चाहिए। उनकी हर सम्भव मदद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों का लालन-पालन उनके माता-पिता अपने सामर्थ्य से आगे जाकर करते हैं। स्वयं कष्ट में रहकर बच्चों को सुविधा देने का प्रयास करते है। सफलता मिलने पर जब बच्चों को अपने माता-पिता को कभी नहीं भूलना चाहिए। मकान के बाहर मातृछाया, पितृछाया लिखने से नहीं बल्कि दिल से उनका सम्मान करना चाहिए। राज्यपाल पटेल ने कहा कि हर व्यक्ति में सद्गुण और दुर्गुण होते हैं। सद्गुणों का सदुपयोग व्यक्ति के हाथ ही में होता है। अल्प विराम का प्रशिक्षण इन सद्गुणों को आचरण में उतारने का प्रशिक्षण है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन में कठिनाईयों से बचा नहीं जा सकता। प्रभु श्रीराम को भी जीवन में कठिनाईयों का सामना करना पड़ा था। इसलिए जरूरी है कि जब सुख की अवस्था हो तो उसमें खोएं नहीं। साथ ही दुख में निराश भी नहीं होना चाहिए।

राज्यपाल पटेल का समापन कार्यक्रम के प्रारम्भ में निदेशक राज्य आनंद संस्थान प्रवीण गंगराड़े ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। पटेल ने दो सत्रों में आयोजित हुए अल्प विराम कार्यक्रम के सभी मास्टर ट्रेनर्स को शॉल और मिठाई प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान अल्प विराम कार्यक्रम में भाग लेने वाले अधिकारी-कर्मचारियों ने अपने अनुभव बताए। कार्यक्रम में राज्यपाल के अपर सचिव उमाकांत भार्गव, विधि अधिकारी उमेश कुमार श्रीवास्तव और राजभवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन और आभार प्रदर्शन राज्य आनंद संस्थान के मनोज दीक्षित ने किया।

सम्पादकीय

सच का सामना करें

कुछ समय पहले ही में खबर आई थी कि विभिन्न देशों में प्रेस स्वतंत्रता के लिए विस्तृत डेटा इकट्ठा करने वाली संस्था 'रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स' ने भारत के प्रेस स्वतंत्रता स्कोर को 2022 में 36.62 से घटाकर 2023 में 31.28 कर दिया है। साथ ही, पूंजीवादी पक्षपात (क्रोनिज्म) में वृद्धि हो रही है, और हम देख रहे हैं कि कुछ बड़े खिलाड़ियों द्वारा व्यापार का अधिग्रहण हो रहा है, जिससे छोटे व्यापारिक प्रतिष्ठान टिक नहीं पा रहे हैं। रोजगार-निर्माण पर असर पड़ रहा है।

इधर, वर्ल्ड बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 2007 में भारत ने प्रति व्यक्ति आय के मामले में पाकिस्तान को पछाड़ दिया था, और तब से दोनों देशों के बीच का अंतर बढ़ता जा रहा है। उसी वर्ल्ड बैंक का आंकड़ा बता रहा है कि 2018 के बाद से बांग्लादेश की प्रति व्यक्ति आय ने भारत की प्रति व्यक्ति आय को पार कर लिया है। वह बांग्लादेश, जो हर मामले में हमसे पीछे है।

हालांकि हमें किसी अन्य विकासशील देश के अच्छा प्रदर्शन करने पर ईर्ष्या नहीं करनी चाहिए और विश्व स्तर की संस्थाओं के आंकड़ों को एकदम से झुठलाना भी नहीं चाहिए। उन्हें देशविरोधी निरूपित नहीं करना चाहिए। अपितु यह पूछना चाहिए कि भारत ने अपनी रैंक क्यों खोई है। भारत में इतनी प्रतिभा है कि ऐसा नहीं होना चाहिए। विश्व के कई शीर्ष व्यावसायिक नेतृत्वकर्ता भारत से ही हैं। लेकिन हम कई मायनों में पिछड़ते जा रहे हैं। अमेरिका और यूरोप में, अग्रणी विश्वविद्यालयों के शीर्ष शोधकर्ता भारत से हैं। भारत के भीतर भी हमें आईआईटी और आईआईएम जैसे उत्कृष्ट शैक्षिक संस्थानों के साथ अधिकारी-वर्ग में भी भारी मात्रा में प्रतिभा दिखाई देती है। फिर यही माना जा सकता है कि हम झूठे आंकड़ों और झूठी वाहवाही के आधार पर ही विश्व गुरू बनने का सपना देख रहे हैं?

आर्थिक विशेषज्ञ मानते हैं कि 2012 से 2014 तक महंगाई को तेजी से कम करने में भारत कामयाब रहा, क्योंकि उस समय हमने किसी विचारधारा विशेष को आधार नहीं माना था। अपितु सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा का उपयोग नीति निर्माण में किया गया था। आज हाल ये है कि हम प्रत्यक्ष तौर पर हो रही मूल्य वृद्धि को स्वीकार भी नहीं कर पा रहे हैं। हम महंगाई को महंगाई मानने तैयार नहीं हैं।

हमें एक राष्ट्र की प्रगति के लिए सिर्फ यह चाहिए कि लोग परिश्रम करें ताकि अधिक पैसा कमा सकें। व्यवसाय चलाएं ताकि मुनाफा कमा सकें, और पैसे खर्च करके अधिक भोजन, कपड़े, कारें, गहने खरीदें, ताकि वे अपनी अधिकतम उपयोगिता को सिद्ध कर सकें। हालांकि, यह सच से काफी दूर है। थोड़ा-सा विश्लेषण और बहुत सारे आंकड़े हमें बताते हैं कि केवल पैसे की होड़ और स्वार्थ लंबे समय तक विकास के लिए पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए लोगों में विश्वास और सहयोग की जरूरत है। इसके लिए यह भी चाहिए कि लोग कुछ नैतिक मूल्यों और सामाजिक नियमों का पालन करें।

सही बात तो यह है कि जब ये बुनियादी मूल्य क्षीण हो जाते हैं, तो हम कुछ समय के लिए तो अच्छा कर सकते हैं, लेकिन फिर अर्थव्यवस्था लड़खड़ाना शुरू हो जाती है। फ्रांसिस फुकुयामा द्वारा किए ऐतिहासिक विश्लेषण से लेकर अनुसंधान अर्थशास्त्रियों द्वारा किए परीक्षणों तक, यह दिखाते हैं कि वे समाज जहां लोगों के बीच सद्भावना होती है, वे बेहतर करते हैं।

लेकिन भारत में हम आर्थिक प्रगति के इन आधारों का क्षरण देख रहे हैं। आज का समाज अत्यधिक ध्रुवीकृत होता जा रहा है और धार्मिक अल्पसंख्यकों की बहुत निंदा की जा रही है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि यह निवेश दर जैसे संकेतकों पर प्रभाव डालना शुरू कर रहा है, जो विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण है, और यह पिछले दस वर्षों से गिर रही है। इतिहास साक्षी है कि जहां धर्मांधता बढ़ती है। या बढ़ाई जाती है, उस देश का पतन बहुत तेजी से होने लगता है।

देश में इस समय आम चुनाव चल रहे हैं। तीन चरणों के चुनावों में मतदाताओं के रुझान ने चिंता बढ़ा दी थी। चौथे चरण में कुछ राहत मिलती दिख रही है। लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। आंकड़ों में हम विश्व की पांचवी अर्थव्यवस्था बन चुके हैं और आंकड़ों में ही हमने औसत आय भी बढ़ा ली है। परंतु अर्थ का असमान वितरण विचलित अवश्य कर रहा है। बीपीएल और बेरोजगारों की बढ़ती संख्या इसका प्रमाण दे रही है, लेकिन हम मानने तैयार नहीं। हम यह भी मानने के लिए तैयार नहीं हो पा रहे हैं कि अर्थव्यवस्था ऐसे शिखर पर है, जिसकी नींव पूरी तरह खोखली है। शेयर बाजार का उठाव अर्थव्यवस्था का संकेतक नहीं होता। यह पूरी तरह से हवाई मामला है। लेकिन किससे कहा जाए? कौन सुनने वाला है? झूठी तारीफों के आदी लोग सच का सामना नहीं कर पाते, आज यही हालात बने हुए हैं। जय हिंद।

घी..चंदा मामा, तू चांदनी दे, और घी में रोटी डुबोकर दे, घी से डर कैसा?

डॉ सुमन चौरे

गाँव बहन का फ़ोन आया, भोपाल आए हैं, मिलने की इच्छा है। मैंने कहा- बहुत दिनों के बाद आई हो, मिलना काफी नहीं होगा। यहाँ रुकना और भोजन करना।

भोजन पर से याद आई कि पूछ लेती हूँ, बच्चों की रुचि क्या है। पूरी-पराठे, दसमी या बाटी-बाफला बनाऊँ? पीछे से उसकी बेटी बोली- अरे, आप तो कह दें, सादी दाल रोटी ही खायँगे। बहन बोली, सुन लिया होगा तुमने कि वो क्या खायेगी। मुझे हँसी आ गई। देखी तो नहीं बेटी, पर सोलह-सत्रह साल की तो हो गई होगी। फिर भी गरिष्ट और घी के भोजने से इतना परहेज़। शायद अपने स्वास्थ्य के प्रति ज्यादा ही जागरूक है।

घी जरूर खाएं, नहीं करता है नुकसान, जानिए इसके बेमिसाल फायदे

भोजन के समय मैंने जैसे ही भोजन परोसा, बेटी बोली, हमें तो सिर्फ फुलका रोटी ही दीजिये मौसी, घी नहीं। मैंने कहा, बेटी, एक कटोरी दाल में एक छोटा चम्मच और थोड़ा-सा फुलका पर लगायगे ही नहीं, तो भोजन का स्वाद कैसे बनेगा। बेटी थोड़ी तिरछी हो गयी। सबके भोजन के बाद हम बहनें भोजन करने बैठे आराम से नीचे और जी भरकर घी खाया भी और घी जैसी बातें भी कीं।

दाल-भात या दाल-रोटी का स्वाद तो घी से ही बनता है। हमारे घरों की रसोई में तो नमक जैसे ही घी की उपस्थिति रहा करती थी। भोजन में घी को लेकर बहुत सारी मान्यताएँ, सूत्र होते थे। खिचड़ी के चार यार ङ्क 'घी-पापड़-दही-अचार', 'घीव बिन चौका, पेट में आग धौका'। घी की इतनी सारी विशेषताएँ तो सूक्ति में थीं ही, पर हमारी आजी माँय कहा करती थीं जितना घीव खाओगे, दिमाग में उतनी तरावट रहेगी और उतनी बुद्धि भी बढ़ेगी। शरीर में ऊर्जा आयेगी वो अलग। अत- हम तो घी के बिना भोजन करते ही नहीं थे। एक आदत-सी हो गयी थी कि रोटी पर से घी बहता दिखे या भात-खिचड़ी में डब-डब दिखाई दे तभी खाते थे। ठंड के दिनों में तो जमें घी के गोले अँगुली से लिए और गटक लेते थे।

छात्र जीवन में तो घी के उपयोग को अनिवार्य बताया गया था। हमारे मोठा भाई परिवार में सबसे पहले पढ़ने ग्राम कालमुखी से खण्डवा गए। सत्यनारायण मन्दिर के पास के भोजनालय में भोजन करते थे। उनकी बैठक के नीचे छोटी-सी अलमारी जैसी जगह थी, उसके अन्दर वे अपनी घी की बरनी रखते थे। लाल श्यापी लपेटे पण्डित उनकी थाली रख कर जाते, तब तक वे नीचे से अपनी बरनी निकाल कर रख लेते थे। यद्यपि उनको भोजनालय के कर्मचारियों पर पूरा विश्वास था कि कोई भी उनके घीव को छुएगा नहीं। मैं भी बाद में आगे पढ़ाई करने के लिए खण्डवा आ गई। हमारी किरायेदार सुशीला की बाई हमारा भोजन बनाती थी। गरम-गरम परोसती थी। बीच में पूछ लिया करती थी कौन-सी बरनी का घी किसको दूँ।

कालमुखी से घर का घी आता था। पीतल की चपटी पेंदी का लोटा था। घीव भरकर उसपर पलाश का पत्ता बाँध देते थे बाबूजी। फिर पलाश के पत्ते पर पीली मिट्टी का लेप कर देते थे। सुतली से लोटे के गले में रस्सी इस प्रकार बाँधते थे कि वह पकड़ की डोर (हेण्डिल) बन जाती थी। पहले एयर-टाइट डिब्बे जैसी कोई वस्तु या धातु के बर्तन नहीं होते थे। अक्सर घीव बैलगाड़ी से आता था। खण्डवा बाज़ार कोई सामान की ख़रीद फ़रोक्त करने आए या घर का लकड़ी, कण्डा, अनाज आये, महीने में दो-तीन बार तो घीव आता ही था। घर में सबका ध्यान रहता था कि 'भणन्या बाळ खस- घीव चायजे' मतलब पढ़ने वाले बच्चों को घी खाना ही चाहिए।

पढ़ने वाले बच्चे ही क्यों घीव तो सबकी ही आवश्यकता और शान हुआ करती थी। हमारे छोटे आजा कहते थे कि घीव तो भोजन का राजा है। भात, खिचड़ी हो, रोटी या फिर ज्वार और मक्का का रोटा और फिर बाटी बाफला तो जब घीव में डुबकी ना लगा ले समझो कुछ खाया ही नहीं। मेरे एक दादा तो आमरस के कटोरे में पीसी हुयी शक्कर डलवाते थे, फिर ऊपर से शक्कर पर एक चम्मच घीव। शक्कर नीचे डूब जाती थी और घीव ऊपर तैरता रहता था। फिर अंगुलियों से घी को रस में डुबो-डुबो कर चाटते थे। वे कहते थे, घीव जैसे भी खाओ, अच्छा ही लगता है।

खाली पेट देसी घी खाने के फायदे

अगर विशेष अतिथि, ब्याही समधी आ जायँ तो फिर क्या कहने। पूरण पोळई तो बनना ही है। पूरण पोळई और घी का तो रिश्ता ही अनन्य है। हमारे घरों में पूरण पोळई के साथ घी परोसने के लिए पीतल की विशेष कटोरियाँ हुआ करती थीं। पूरण पोळई थाली में परोसी कि उसपर कढ़छी से इतना घी परोसते थे कि पूरण पोळइ डबरा जाय। थाली में कटोरी भर घी भी परोसा जाता था। 'घीवस- मंस- डोबीस- डोबीस खायस,' मतलब पूरण पोळई के टुकड़े करके कटोरी के घी में डुबो-डुबोकर खाया जाता था। । कटोरी में घी खतम नहीं होना चाहिये, यही परोसने वाली की कुशलता थी।

निमाड़ में विशेष अवसरों पर पूरण पोळई का भोजन होता था। पंगतों में भी पूरण पोळई पर डाली गई घीव की धार पत्तल पर से घी बह जाये, ऐसा परोसा जाता था घी। लड्डु-बर्फी, जलेबी, गुलाब-जामुन जैसे पकवानों की जगह मीठी थुली (दलिया) या गुड़-घी-भात की पंगतें होती थीं। उसमें छोटी बावड़ी से घी परोसा जाता था। मुट्ठीभर खाण्ड और उसपर कड़छीभर घीव। पंगतों में भात , दाल परोसने वाले चलते थे और फिर साथ में घी परोसने वाला उनके पीछे पीछे चलता था। बिना घी के पंगत की तो कल्पना ही नहीं की जात सकती थी। पक्की पंगत हो गई। पंगत से उठो तो हाथ की चिकनाई को पीली मिट्टी से हाथ धोकर ही छुटा सकते थे। कहाँ होते थे पहले घरों में साबुन-सोडा। सुबह का हमारा नाश्ता (भुमसार्यो) ही घीव से शुरू होता था। पिछली रात बासी दसमी पर घीव चुपड़ा, उसपर शक्कर जीरामण डाला और रोटी की पुंगी बनाई, खाई और सुबह का कोटा पूरा।

ससुराल आई तो यहाँ की एक घटना मैं सबको बड़ी ही रुचि से सुनाती हूँ। घी खाने या कहो कि पीने की। मेरी आजी सास कहा करती थीं, कि मेरे आजा ससुर बड़े ही नियम के पक्के और बात के धनी थे। आजी माय ने बताया कि एक बार दादाजी अपने खेत वाले गाँव से घीव अपने ही घर बैलगाड़ी पर सिवनी बनापुरा ला रहे थे। पीतल के लोटे में घी था। रस्सी से लटका कर ला रहे थे। एक अंग्रेज दरोगा ने सिवनी बनापुरा सीमा पर देखा तो उन्हें रोक दिया। कहने लगा, चुंगी का देढ़ आना दो। उन्होने उससे न्याय संगत बात बोली, पर वह दरोगा नहीं माना और देढ़ आने पर ही अटका रहा। दादाजी को गुस्सा आया। उन्होंने लोटा उठाया और घी पी गए। फिर दरोगा से कहा, ले अब किस चीज का चुंगी कर लेगा। और गाड़ी वाले से कहा, चल दौड़ा गाड़ी। मुझे बहुत खुशी हुई कि मैं ऐसे घी पीने वाले ससुरजी की प्रपौत्र वधु हूँ।

अब लोग क्यों घी नहीं खाते या घी खाने से डरने क्यों लगे हैं? डॉक्टरी सलाह है घी नहीं खाना। या फिर कई लोगों को भ्रांति हो गई है कि घी शरीर के लिए नुकसानदायक है। घी के बिना मुझे भी भोजन नहीं भाता। मुझे तो याद है कि लोरी सुनाते समय झोली में ही बच्चे को 'घी खाना जरूरी है,' ऐसा सिखा दिया जाता था। एक लोरी-

आरे चाँद भसी बाँध, दूधस घी की वावड़ी
नानी म्हारी बणसे रुणझुणस लाड़ी

अर्थात् चंदा मामा आ जा। हमारे घर भैंस बाँध दे। दूध घी की बवड़ी बनेगी, मेरी छोटी रानी दूध-घी आयेगी और रुणझुण दुलहन बनेगी।

चन्दामामा चन्दीस दस,
घीव मंस रोटी बोळई दस,
नानो म्हारो खायस्नी,
नंस-झुम्मक लाड़ी आव नी

अर्थात् चंदा मामा, तू चांदनी दे। और घी में रोटी डूबोकर दे। नन्हा बेटा अगर घी में डुबोई रोटी नहीं खायेगा तो झुम्मक लाड़ी नहीं आयगी।

तब आमतौर पर घी को घरों में ही बनाया जाता था। बाज़ार में घी के पैकेट या डिब्बे आमतौर पर नहीं मिलते थे। घीव मात्र खाने की वस्तु नहीं होती थी। पहले नाते रिश्ते निभाने के काम की वस्तु भी थी। वार-त्योहार किसी के घर घी की आवश्यता हो, तो उसे सहर्ष दिया जाता था। ब्याह शादी हो, किसी के घर कोई बड़ा काम हो, मिलने जाओ तो साथ घी ले जाओ। किसी के घर बहू-बेटी की अबरात हुई तो घी लेकर मिलने गए। बच्चा हुआ तो घी लेकर मिलने गए। बच्चों के दाँत निकलें तो देखने जाओ तो घी ले जाओ। किसी का आँख का ऑपरेशन हुआ तो घी ले जाओ। ऐसी मान्यता थी कि घी निथरता सीरा (हलवा) खाने से आँखें जल्दी अच्छी होती है, और शरीर नरम बना रहता है। न जा पाये रिश्तेदारी में किसी कारण से, औक अगर घी ही भेज दिया तो रिश्ते घी जैसे स्निग्ध बने रहते थे। इतना ही नहीं, मेहमानों की आवभगत भी सीरा से ही होती थी। घी की महिमा ही न्यारी है। सर्दी शुरू हुई कि बहन-बेटियों के घर उड़द-गोंद-बादाम के घी में बने लड्डु भेजो। भगवान के लिए भोग भी घी का ही बनता था।

दादी और नानी माँ की पारम्परिक चिकित्सा पद्धति का ये एक प्रमुख अंग रहा है। कई बार सर्दियों में बच्चों की मालिश भी घी-तुलसीजी, हल्दी मिलाकर की जाती थी। जुखाम होने पर गर्म दूध में हल्दी और घी मिलाकर पिलाया जाता था। त्वचा जलने की जगह पर घी मल दिया जाता था। घी के साथ काली मिर्च, तुलसीजी और हल्दी के कई नुस्खों पर लोगों का पूरा भरोसा था। कब्ज की लंबी शिकायत दूर करने के लिए आधा पाव गर्म दूध में दो चम्मच घी मिलाकर एक सप्ताह तक दिया जाता था। घी की रोगहर शक्ति और ऊर्जा के बारे में कहा जाता था- हर्र, बहेड़ा, आँवला संग घी मिस्त्री जो खाये, काँख में हाथी दबाकर तीन कोस ले जाये।

घी को इसके अनेकों औषधीय गुणों के कारण दैनिक आहार का अनिवार्य अंग माना जाता था। विशेष बात यह है कि इसके औषधीय गुणों का लाभ लेने के लिए इसे किसी औषधी या जड़ी-बूटी के साथ दवा के रूप में खाने की आवश्यता नहीं है, अपितु दैनिक भोजन के साथ ग्रहण करने पर भी इसके चमत्कारिक प्रभाव दीखते हैं। भोजन के दूसरे अवयवों में उपस्थित विटामिनों और खनिजों के शरीर में अवशोषण की प्रक्रिया में भी घी मदद करता है। इससे रोगप्रतिरोधी क्षमता बढ़ती है। स्मरण शक्ति बढ़ाने के लिए भी घी का नियमित उपयोग किया जाता है।

आधुनिक वैज्ञानिक निष्कर्ष भी घी के गुणों को वैज्ञानिक भाषा में बताते हैं। वसा में घुलनशील विटामिन ए, डी और ई घी में प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं। विटामिन के-2 से भी घी समृद्ध रहता है। गर्भ में शिशु की त्वचा और दाड़ के विकास में के-2 की महत्तम भूमिका होती है। घी में ब्युटरिक अम्ल पाया जाता है जो कि आँतों की कोशिकाओं के पोषण और रखरखाव के लिए आवश्यक है। इससे पाचन प्रक्रिया सुचारू रूप से चलती है। घी को आँखों की अच्छी सेहत के लिए वरदान माना जाता है। ये आँखों पर दबाव को नियंत्रित करता है और मोतियाबिंद के मरीजों के लिए लाभकारी है। हाल ही में सामने आए कुछ अध्ययनों के अनुसार कोलेस्ट्रॉल घटाने की दिशा में घी की सहायक भूमिका पर शोध किया जा रहा है।

हमारी घी-वार्ता सुनकर बहन की बेटी बोली, माँ, मौसी अब घी के सरोवर से बाहर निकलो भी, बहुत डुबकियाँ लगा लीं। आप कितने ही घी के गुण गाएँ, हम नहीं खायँगे घी-वी। अब, आपने खाया इतना इतना निखालिस घी है भी क्या? अब आपके जितना घी हम खायें तो दिमाग चले तो नहीं, उल्टा दिमाग में जम जाय। ऐसे घी खाने से तो नहीं खाना ही ठीक है।

पहले घी तो बहुत खाया जाता था, अभी भी प्रचलन में है। किसी भी आहार की अपच हानिकारक है। घी पचाने के लिए मेहनत लगती थी। लेकिन घी को पचाने के लिए पहले जॉगिंग करने या जिम जाने की आवश्यकता नहीं होती थी। दैनिक जीवन कार्यों की पूर्ति के लिए आवश्यक परिश्रम से ही घी पच जाता था। लोगों का पैदल आना जाना बहुत होता था। गाँवों में पानी भरने के लिए कुँए सभी घरों में नहीं होते थे, तब कुँए से पानी भरने की क्रिया में ही अच्छी कसरत हो जाती थी। नहाने और कपड़े धोने के लिए आमतौर पर गाँव की नदी या तालाब तक जाना होता था। खेत या कार्यालय जाना हो तो चलकर जाते थे। खेत दूर हो या गाँव बाहर का हाट करना हो, तब ही बैलगाड़ी का उपयोग होता था। शहरों में घर से कार्यालय की दूरी अधिक होने पर सार्वजनिक वाहनों से यात्रा होती थी। फिर बस स्टॉप तक भी पैदल ही जाना होता था। घर के ज्यादातर काम जैसे कपड़े धोना, अनाज पीसना आदि घर की महिलाएं ही करती थीं। झाड़ू-पोछा, लीपा-पोती से भी नियमित कसरत हो जाती थी। कई बार पुरुष और बच्चे भी मोहल्ले की चक्की से अनाज पिसवाने के लिए पैदल ही जाते थे।

गाँव और शहरों के अखाड़ों में भी शारीरिक सौष्ठव के लिए घी का गुणगान किया जाता था। कुश्ती हो या फिर कबड्डी या खो-खो के खिलाड़ी, सभी का भरोसा होता था घी पर। बच्चे भी पूरे गाँव या शहरों में अपने मोहल्ले के बाहर दूर जगहों तक भी खेलते थे। मैदानी खेलों और दौड़ा-भागी पर ही पूरा जोर होता था। रात में भोजन के बाद समूह में सभी आस-पास एक चक्कर लगाने अवश्य जाते थे। अब तो हर उम्र के लोगों का शारीरिक श्रम कम हो गया है। तो घी से डर भी लगने लगा है। घी के लाभों को देखते हुए परिश्रम को जीवन का अंग बनाने की आवश्यकता है, जिससे घी से डर के हौवे को भी भगाया जा सके।

उपभोक्ता का सजग रहना बहुत ज़रूरी

-राकेश दुबे

सर्व विदित है कि मुनाफाखोर,भ्रष्ट व्यापारी बाजार में लगातार भ्रामक प्रचार के जरिये पीतल को सोना बताकर बेच देता है, लेकिन अब व्यापारियों को साधु के चोले से ख्यात जमात मात कर रही है ।जैसे कि सब जानते है कि फलों के जूस के नाम पर जो बोतलबंद पेय पदार्थ मिल रहा है, उस लागत पर वह बाजार में बिकना संभव नहीं है। हम यह भी नहीं सोचते कि फलों से जूस तैयार करने, उसके प्रसंस्करण, ट्रांसपोर्ट व एजेंट से लेकर दुकानदार का मुनाफा भी अंतिम उत्पाद की कीमत में जुड़ता है। फिर भी हम खरीदते-पीते हैं और भ्रम में जीते हैं।

यह खेल प्राकृतिक उत्पादों के नाम पर बिकने वाले तमाम सामानों पर किसी संत का नाम या फ़ोटो चस्पाँ करने को लेकर भी चल रहा है। यह अच्छा है कि देर से ही सही, स्वास्थ्य पर शोध करने वाली शीर्ष संस्था भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद यानी आईसीएमआर ने एक रिपोर्ट में देश के लोगों की आंख खोलने का काम किया है।

आईसीएमआर का कहना है कि असली फलों का जूस बेचने के भ्रामक दावे की हकीकत यह है कि उसमें लगभग दस प्रतिशत ही वास्तविक फलों के जूस की मात्रा होती है। कमोबेश यही स्थिति तमाम खाद्य पदार्थों को लेकर होती है। डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों को लेकर पैक पर लिखी जानकारी भी भ्रामक हो सकती है। जिस खाद्य या पेय पदार्थ को शूगर फ्री बताकर बेचा जाता है, बहुत संभव है उसमें वसा की मात्रा अधिक हो। उसमें परिष्कृत अनाज यानी सफेद आटा या स्टार्च मिला हो सकता है।

आईसीएमआर के अंतर्गत काम करने वाली हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पोषण संस्थान यानी एनआईएन की तरफ से बनाये गये आहार संबंधी दिशा-निर्देशों में भी माना गया है कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई द्वारा उपभोक्ताओं के हितों के लिये निर्धारित कड़े मानदंड दिखाने को लागू तो किये जाते हैं पर कंपनियां उपभोक्ताओं की आंख में धूल झोंकने के लिये कई तरकीबें निकाल लेती हैं। जिसमें उत्पाद को प्राकृतिक , शूगर फ्री, कम कैलोरी वाला होने का दावा किया जाता रहा है।

एक बड़ा संकट यह भी है कि सामान खरीदने वाला उपभोक्ता उत्पाद की पैकिंग पर छपी जानकारी को ध्यान से नहीं पढ़ता है। पहले तो कंपनी सचेतक जानकारी बहुत छोटे प्वाइंट साइज में लिखती है, फिर ऐसी जगह छापती है, जहां एकदम नजर ही नहीं जाती। उसमें तमाम तरह के पोषक तत्व होने के दावे तो किये जाते हैं, सवाल यह है कि किसी व्यक्ति को उपभोग के बाद वास्तव में कितना पोषण मिल रहा है। अकसर उत्पादों के जैविक होने का दावा किया जाता है। यहां भी देखना जरूरी है कि क्या इसको जैविक-भारत के लोगो से मंजूरी मिली है? कम कैलोरी, अधिक फाइबर व कम वसा का दावा क्या इसके उपयोग करने पर वास्तव में सही मिलता है?

आजकल खाद्य व पेय पदार्थों को प्राकृतिक उत्पाद बताने का फैशन बाजार में चला हुआ है। राष्ट्रीय पोषण संस्थान ने कई उदाहरणों के जरिये बताने का प्रयास किया है कि उपभोक्ता किसी उत्पाद को प्राकृतिक व पोषक बताने के दावे से भ्रमित न हों। किसी उत्पाद में एक-दो नाम के प्राकृतिक अवयव डालने से कोई उत्पादन प्राकृतिक नहीं हो जाता। एनआईएन ने पोषण संबंधी तथ्य और पोषक तत्वों संबंधी दावों में फर्क करने का आग्रह किया है। पोषण संबंधी तथ्य यह है कि किसी उत्पाद के उपयोग से वास्तव में शरीर को कितना पोषक तत्व मिलता है। विडंबना यह भी है कि तमाम डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों पर लगे लेबल पर सही जानकारी नहीं दी जाती ।किसी संत के नाम या फ़ोटो की आड़ ले लेना आम बात है।

वैसे इस संबंध में हाथी के दांत दिखाने के अलग और खाने के अलग वाली कहावत ही चरितार्थ होती है। जिसका खमियाजा आम उपभोक्ता को भुगतना पड़ता है। हाल ही में आईसीएमआर ने एक शोध के बाद कहा था कि देश में 56.4 प्रतिशत बीमारियां गलत खानपान की वजह से होती हैं। इसके अलावा आईसीएमआर व एनआईएन की निदेशक की अगुवाई वाली विशेषज्ञ समिति द्वारा तैयार आहार संबंधी दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि शारीरिक सौष्ठव के लिये इस्तेमाल होने वाले प्रोटीन सप्लीमेंट का प्रयोग नुकसानदायक हो सकता है। निस्संदेह उपभोक्ताओं को भी सजग होकर देखना चाहिए कि किसी खाद्य-पेय पदार्थ में कोई कृत्रिम रंग, फ्लेवर या पदार्थ न मिला हो।

चिम्मा ने सिखाया था पाक को सबक

कौशल किशोर चतुर्वेदी

आज पीओके के भारत में शामिल होने की बात हो रही है। इस बीच भारत के पहले फील्ड मार्शल करिअप्पा को याद करना जरूरी है। इनके नेतृत्व में ही 1947 में पाकिस्तान के खिलाफ कार्यवाही की गई थी।

फील्ड मार्शल कोडंडेरा मडप्पा करिअप्पा (चिम्मा), ओबीसी एमआईडी (28 जनवरी 1899 ङ्क 15 मई 1993) एक भारतीय सैन्य अधिकारी और राजनयिक थे जो भारतीय सेना के भारतीय कमांडर-इन-चीफ (सी-इन-सी) थे। उन्होंने 1947 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान पश्चिमी मोर्चे पर भारतीय सेना का नेतृत्व किया। उन्हें 1949 में भारतीय सेना का कमांडर-इन-चीफ नियुक्त किया गया था। वह फील्ड मार्शल की पांच सितारा रैंक रखने वाले केवल दो भारतीय सेना अधिकारियों में से एक हैं। दूसरे हैं फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ।

करिअप्पा का जन्म 28 जनवरी 1899 को कर्नाटक के कूर्ग प्रांत (वर्तमान कोडागु जिला) के शनिवारसंथे में कोडवा कबीले से संबंधित किसानों के एक परिवार में हुआ था। उनके पिता मडप्पा राजस्व विभाग में काम करते थे। चार बेटों और दो बेटियों वाले परिवार में करिअप्पा दूसरी संतान थे। वह अपने रिश्तेदारों के बीच चिम्मा के नाम से जाने जाते थे। 1917 में मदिकेरी के सेंट्रल हाई स्कूल में अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद, उन्होंने अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए चेन्नई के प्रेसीडेंसी कॉलेज में दाखिला लिया। कॉलेज के दौरान, उन्हें पता चला कि भारतीयों को सेना में भर्ती किया जा रहा है, और उन्हें भारत में प्रशिक्षित किया जाना है। चूंकि वह एक सैनिक के रूप में सेवा करना चाहते थे इसलिए उन्होंने प्रशिक्षण के लिए आवेदन किया। 70 आवेदकों में से, करिअप्पा 42 में से एक थे जिन्हें अंतत: डेली कैडेट कॉलेज , इंदौर में प्रवेश दिया गया था। उन्होंने अपने प्रशिक्षण के सभी पहलुओं में अच्छा स्कोर किया और अपनी कक्षा में सातवें स्थान पर स्नातक हुए।

1 मई 1945 को, करियप्पा को ब्रिगेडियर के रूप में पदोन्नत किया गया, वह पूरी तरह से रैंक हासिल करने वाले पहले भारतीय अधिकारी बन गए। अंतत: नवंबर में, करिअप्पा को वजीरिस्तान में बन्नू फ्रंटियर ब्रिगेड का कमांडर बनाया गया । इसी समय के दौरान कर्नल अयूब खान, बाद में फील्ड मार्शल और पाकिस्तान के राष्ट्रपति (1962-1969) ने उनके अधीन कार्य किया। पिछले

कमांडरों के विपरीत, जिन्होंने स्थानीय जनजातियों को बलपूर्वक नियंत्रण में रखने की कोशिश की थी, करिअप्पा ने उनके साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बढ़ाकर एक वैकल्पिक दृष्टिकोण अपनाया जो कहीं अधिक प्रभावी रणनीति साबित हुई।

स्वतंत्रता के बाद, करियप्पा को जनरल स्टाफ के उप प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया था । नवंबर 1947 में, लेफ्टिनेंट जनरल के पद पर पदोन्नत होने पर, उन्हें पूर्वी सेना कमांडर के रूप में नियुक्त किया गया था। जनवरी 1948 में, कश्मीर में बिगड़ती स्थिति के कारण , करिअप्पा को राजधानी वापस बुलाया गया और दिल्ली और पूर्वी पंजाब कमान के जीओसी-इन-सी के रूप में नियुक्त किया गया। जुलाई 1948 को, सेना मुख्यालय ने उसकी अनुमति के बिना कोई भी बड़ा ऑपरेशन करने के खिलाफ सख्त निर्देश जारी किए। करियप्पा ने इसका विरोध करते हुए कहा कि इस नीति से लेह, कारगिल और अंतत: कश्मीर घाटी को खतरा होगा, जिससे देश की सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। हालांकि करिअप्पा ने आक्रामक हमले जारी रखने के लिए दो ब्रिगेड की मांग की, लेकिन उन्हें केवल एक ब्रिगेड प्रदान की गई और कारगिल की ओर बढ़ने की अनुमति दी गई। उन्होंने आदेशों की अवहेलना की और लद्दाख क्षेत्र में हमले शुरू कर दिए, जिससे भारत इस क्षेत्र पर नियंत्रण स्थापित कर सके। करियप्पा ने पाकिस्तानियों के खिलाफ कई ऑपरेशन और आक्रामक हमले जारी रखे, जिनमें उच्च जोखिम शामिल था। उनमें से किसी की भी विफलता से भारतीय सेनाओं को खतरा हो सकता था। बाद में उन्हें कमांडर-इन-चीफ के सर्वोच्च पद पर नियुक्त किया गया।

करियप्पा द्वारा उठाए गए कई कदम, जैसे कि पूर्व भारतीय राष्ट्रीय सेना के कर्मियों को सेना में शामिल करने से इनकार करना, संगठन को राजनीतिक मामलों से दूर रखा और नेहरू द्वारा बहुत दबाव डाले जाने के बावजूद इसकी स्वायत्तता बनाए रखी। नेहरू तभी नरम हुए जब उन्होंने इस्तीफे की धमकी दी। हालाँकि आईएनए का नारा जय हिंद जिसका अर्थ है भारत की जीत, करियप्पा द्वारा अपनाया गया था और बाद में यह कर्मियों के बीच एक-दूसरे को बधाई देने के लिए एक औपचारिक वाक्यांश बन गया। उन्होंने अन्य सरकारी सेवाओं की तरह सेना में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए रिक्तियां आरक्षित करने के प्रस्ताव को भी ठुकरा दिया। सी-इन-सी के रूप में चार साल की सेवा के बाद, करियप्पा 14 जनवरी 1953 को सेवानिवृत्त हो गई थे।

करिअप्पा भारत की शान थे और हर भारतवासी को उन पर गर्व है। आज 15 मई को उन्हें हर भारतवासी श्रद्धांजलि अर्पित करता हैं। इन्हीं करिअप्पा यानि चिम्मा ने पाक को सबक सिखाया था।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

हलकी बरसात में ही अधजले रहगए पार्थिव शरीर

शहर में हुई हृदय विदारक घटना

विदिशा के मुक्तिधाम में बीते मंगलवार को हृदय विदारक दृश्य उस समय नजर आया जबकि बेमौसम हुई हलकी बरसात के कारण अंतिम संस्कार के बाद चिता की अग्नि बुझने लगी और पार्थिव शरीरों की अग्नि संस्कार प्रक्रिया अधूरी होती नजर आई। परिजनों ने सूचना मिलने पर पुनः प्रयास करके अग्नि संस्कार को पूरा किया।

सांध्य प्रकाश, विदिशा। बीते मंगलवार को अचानक आई हलकी बारिश ने जहां एक ओर तपते हुए शहर को थोड़ी सी राहत दी तो वहीं दूसरी ओर शहर के एकमात्र मुक्तिधाम पर इस हलकी बारिश की वजह से ऐसा हृदय विदारक दृश्य सामने आया, जिसे देखकर हर किसी का दिल विचलित हो गया।

मुक्तिधाम पर दोपहर के समय चार अंतिम संस्कार हो चुके थे। फिर अचानक 12 बजे के लगभग कुछ समय जोरदार बारिश हुई। जिसके चलते मुक्तिधाम में बिना शेड के खुले चबूतरों में जल रहीं चिताएं बुझ गईं और हृदय विदारक दृश्य सामने आने लगा। इसकी सूचना जब परिजनों तक पहुंची तो उन्होंने पुनः लकड़ी, कंडों का इंतजाम करके पार्थिव शरीरों के अंतिम संस्कार प्रक्रिया पूरी कराई।

इस मामले में मौके पर मौजूद पार्षद प्रतिनिधि अखलेश राजपूत कहते हैं कि वह अपने मित्र के परिजन की अंत्येष्टी में मुक्तिधाम आए थे और उन्होंने इस दुखद नजारे को देखकर अन्य जल रहीं चिताओं के परिवारजनों को सूचित किया और सभी का विधि विधान से अंतिम संस्कार करने में मदद की।

अव्यवस्थाओं का शिकार है मुक्तिधाम

शहर की लगभग दो लाख आबादी के लिए बेतवा नदी के किनारे स्थित एकमात्र मुक्तिधाम अव्यवस्थाओं का शिकार हो रहा है।

यहां अंतिम संस्कारके लिए उपयोग में आने वाली लकड़िया वर्षों से खुले मैदान में पड़ी हैं, जिसके कारण बरसात में मृत देह को जलाने में अच्छी खासी परेशानी खड़ी होती है।

इनका कहना है

मुक्तिधाम पर बने चबूतरों पर टीनशेड नहीं होने की वजह से हो रही परेशानी को दुरूस्त करने नगर पालिका सीएमओ को निर्देशित किया गया है। अतिशीघ्र अधूरे टीनशेड निर्माण कार्य को पूरा कराया जा रहा है।

- बुद्धेश कुमार वैद्य, कलेक्टर विदिशा

भुसावल मंडल ने अनधिकृत वेडिंग के खिलाफ चलाया बड़ा अभियान

खण्डवा। भुसावल मंडल में आरपीएफ़ और वाणिज्य विभाग को संयुक्त टीम बनाकर मेल/एक्सप्रेस गाड़ियो मे तथा भुसावल,खंडवा, बडनेरा, अकोला, मनमाड, नासिक रोड स्टेशन रेल्वे स्टेशनो पर आज दिनांक 14.05.2024 को अनधिकृत वेडिंग और बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियो के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया, जिसमे 35 आरपीएफ के स्टाफ तथा 52 वाणिज्य विभाग के स्टाफ (वाणिज्य निरीक्षक तथा ञ्झञ्झश्व) सामील थे। इस अभियान कुल 32 अनाधिकृत हॉकरो के ऊपर कार्यवाही की गई। और इस अभियान में 457 विना टिकट यात्रियो को यात्रा करते हुये तथा 49 व्यक्तियों को रेल्वे स्टेशन परिसर में गंदगी करते हुये तथा 10 व्यक्तियों को धूम्रपान करते हुये और 03 व्यक्तियों को रेल मार्ग पार करते हुए पकड़ा गया कुल मिलाकर 551 मामलों से 2,99,663/- रुपये का जुर्माना वसूला गया।रेल्वे प्रशासन ने चेतावनी दी है कि, रेल्वे परिसर या ट्रेनों मे अनाधिकृत वेंडिंग गतिविधियों में लिप्त पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्यवाही कि जाएगी। यात्रियों से किसी भी असुविधा से बचने और सम्मानपूर्वक यात्रा करने के लिए उचित और वैध रेलवे टिकट के साथ ही यात्रा करने की अपील करता है।

बिछड़ते परिवार को जोड़ने के लिए परामर्श जरूरी है: मनीष ठाकुर

नर्मदा पुरम// न्यायालय के आदेश पर विगत माह इटारसी थाने में परिवार परामर्श केंद्र बंद कर दिया गया जिसके बाद से थाने में सीधे रिपोर्ट दर्ज होने लगी है, जिसके चलते अब परिवारिक मामलों भी कोर्ट-कचहरी में काम अधिक होने से लंबे चलेंगे। परिवार परामर्श केंद्र में कई मामलों को तुरंत ही समझते हुए निपटा दिया जाता था, कुछ ही दिनों में परिवार के विवाद मामले में सीधे रिपोर्ट पर चिंता जताते हुए परामर्शदाता एवं सामाजिक कार्यकर्ता मनीष ठाकुर ने विधायक डॉक्टर शर्मा को ज्ञापन देकर मांग की है कि परिवारिक विवाद के प्रकरण में पहले दोनों पक्षों की एक बार काउंसलिंग आवश्यक है जिससे कि परिवार आपस में बैठकर विवाद सुलझा सके और सुखी दांपत्य जीवन प्रारंभ रह सके। ज्ञापन के उपरांत डॉ सीताराम शर्मा ने पुलिस अधीक्षक से बात को रखा । पुलिस अधीक्षक गुरुकरण सिंह द्वारा बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कारण ही परामर्श केंद्र बंद किया गया है। उपरोक्त ज्ञापन को हम अपने वरिष्ठ अधिकारियों को प्रेरित कर इस संदर्भ में दिशा निर्देश प्राप्त करेंगे इन दोनों जगह शासन द्वारा परामर्शदाता की नियुक्ति की गई है इन दोनों जगह में परामर्श के लिए प्रकरण को भेजा जाना उचित होगा, इसमें पुलिस विभाग को किसी भी प्रकार का खर्च वहन नहीं करना पड़ेगा और मामले भी ?सुलझ जाएंगे।

अग्नि दुर्घटना में पीड़ित परिवार से मिलने पहुंची कैबिनेट मंत्री उइके

मंडला--मध्य प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की

मंत्री मंडला विधायक श्रीमती संपतिया उइके महाराजपुर दादा धनीराम वार्ड में विगत दिनों हुई अग्नि दुर्घटना से पीड़ित राजेंद्र राय मनीष राय के परिवार से मुलाकात करने पहुंची, इस अवसर पर पीड़ित परिवार की समस्या को सुनकर भरोसा दिलाया गया कि पीड़ित परिवार को सरकार द्वारा हर संभव मदद निकट समय में दिया जाएगा।उन्होंने अग्नि दुर्घटना में क्षति ग्रस्त मकान में हुए नुकसान का जायजा लिया एवं परिवार के सभी सदस्यों से चर्चा कर प्रशासन को अवगत कराते हुए कहा कि अग्नि दुर्घटना में पीड़ित परिवार के पास कुछ भी नहीं बचा,सभी प्रकार के सरकारी दस्तावेज,अंकसूची अन्य महत्वपूर्ण डॉक्यूमेंट भी जलकर राख हो गए हैं,पीड़ित परिवार को मानवीय आधार पर शासकीय नियम के आधार पर यथाशीघ्र पूरी मदद की जाए।अग्नि दुर्घटना से प्रभावित परिवार को समाज सेवी,वैश्य महासम्मेलन के जिला अध्यक्ष नितिन राय,सत्य साई सेवा समिति के डॉक्टर श्री हर्ष कर्महे, भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी सुधीर कसार ने सहायता राशि प्रदान की।

जनजातीय एवं अनुसूचित जाति के छात्रावास तथा आश्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन एक जून तक

औबेदुल्लागंज संवाददाता -रायसेन जिले में संचालित जनजातीय एवं अनुसूचित जाति के छात्रावास, आश्रमों में शिक्षण सत्र 2024-25 में मॉड्यूल के माध्यम से संचालन किया जाएगा। जनजातीय कार्य विभाग के जिला संयोजक ने बताया कि जो छात्र-छात्राएं छात्रावास में प्रवेश लेना चाहते हैं वे छात्रावास में प्रवेश के पूर्व अपना प्रोफाईल पंजीयन अवश्य कराएं। छात्रावास में प्रवेश के लिए प्रोफाईल पंजीयन कराना अनिवार्य है।

इन संस्थाओं जूनियर/आश्रम, उत्कृष्ट/सीनियर एवं महाविद्यालय बालक/कन्या में बिना प्रोफाईल पंजीयन के छात्र-छात्राओं को छात्रावास में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। प्रोफाईल पंजीयन कराने हेतु विभागीय वेबसाईट पर जाकर नया हितग्राही प्रोफाईल पंजीयन करा सकते हैं। छात्र-छात्राएं जिस छात्रावास में प्रवेश लेना चाहते हैं, उस छात्रावास में जाकर निःशुल्क प्रवेश आवेदन फार्म प्राप्त करें एवं पूर्ण भरा हुआ आवेदन फार्म आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रवेश की अंतिम तिथि 01 जून 2024 तक संबंधित छात्रावास में अधीक्षक/अधीक्षिका के पास जमा कराना होगा। छात्र-छात्राओं को आवेदन के साथ प्रोफाईल पंजीयन, जाति, मूल निवासी, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, बैंक खाता एनपीसीआई एक्टिव/आधार लिंक, मार्कशीट, फेमिली समग्र आईडी एवं अन्य सभी की छायाप्रति संलग्न करना आवश्यक है।

बिजली की कटौती से नागरिक परेशान

ओबेदुल्लागंज संवाददाता -बिजली की कटौती से नागरिक महिलाएं ,छात्र, व्यापारी, चक्की वाले परेशान बिजली दफ्तर के कंट्रोल रूम का फोन बंद बिजली कटौती की सूचना देने की व्यवस्था नहीं है एक हफ्ते से भीषण गर्मी मै बिजली चली जाती है इससे नन्हे मुन्ने बालक बिलखते रोते रहते हैं वार्ड 10 अर्जुन नगर, वार्ड नंबर 11 वार्ड 14 एवं वार्ड 5 में बिजली कई बार आती जाती है व्यापार संघ संरक्षक अशोक मित्तल ने बताया कि बिजली गायब है बिजली दफ्तर का फोन नहीं लगता वार्ड नंबर 10 के पूर्व पार्षद मुकेश कहार ने बताया बड़े परेशान हैं बिजली कटौती से अर्जुन नगर में डॉक्टर सुनील गुप्ता विनोद प्रजापति ने बताया अर्जुन नगर वासी परेशान है बिजली नहीं है गर्मी और मच्छरों से परेशान है रात में बिजली की कटौती के चलते छोटे-छोटे नन्हे बच्चे सो नहीं पा रहे हैं

अवैध उत्खनन के प्रकरण में बंसल कंस्ट्रक्शन पर 21.53 करोड़ रुपये का अर्थदंड

बैतूल । अवैध उत्खनन के दो अलग-अलग प्रकरणों में एडीएम कोर्ट बैतूल द्वारा बंसल कंस्ट्रक्शन ग्रुप भोपाल पर 21 करोड़ 53 लाख 43 हजार 600 रुपये का अर्थदंड के आदेश दिए गए है। इनमें ग्राम खेड़ीसांवलीगढ़ भूमि से मुरूम का अवैध उत्खनन करने पर 3 करोड़ 28 लाख 86 हजार 600 रूपए एवं गोधना जलाशय के जल भराव क्षेत्र से गौण खनिज मिट्टी / मुरम का अवैध उत्खनन के दोषी पाए जाने पर एडीएम जयप्रकाश सैय्याम की कोर्ट से अर्थदंड से दंडित किया गया है। एडीएम न्यायालय से दोनों ही प्रकरणों में 9 मई 2024 को एडीएम के हस्ताक्षर में आदेश जारी किए गए है। खेड़ी सांवलीगढ़ में मुरम का अवैध उत्खनन उल्लेखनीय है। कि 1.12.21 को ग्राम खेड़ी सांवलीगढ़ में निजी भूमि पर बंसल कंस्ट्रक्शन ग्रुप द्वारा बैतूल से चिचोली फोरलेन मार्ग पर सडक़ बनाने का काम कर रही बैतूल कंस्ट्रक्शन ग्रुप भोपाल द्वारा 10.962 घन मीटर मुरूम अवैध उत्खनन करना खनिज निरीक्षक की रिपोर्ट पर प्रकरण पर अधिकारियों द्वारा किए निरीक्षण मं अवैध उत्खनन पाया गया। एडीएम न्यायालय में प्रस्तुत साक्ष्य में कंस्ट्रक्शन कंपनी सडक़ निर्माण का कार्य कर रही है। और मुरूम को सडक़ निर्माण के उपयोग से इंकार नहीं किया जा सकता। उत्खनन स्थल पर समतली करण की बात में अनुमति ना होने का हवाला देते हुए। असहमति व्यक्त की गई। न्यायालय द्वारा उपरोक्त तथ्यों के आधार पर 3 करोड़ 28 लाख 86 हजार 600 की शास्ति अधिरोपित की गई।

गोधना जलाशय के जल भराव क्षेत्र से अवैध उत्खनन इसी प्रकार एक अन्य आदेश में दूसरे प्रकरण में बंसल पाथवे के विरूद्ध जल संसाधन एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम द्वारा गोधना जलाशय के जल भराव क्षेत्र से बंसल पाथवे द्वारा अवैध उत्खनन किए जाने पर शासन पक्ष के उपरोक्त साक्ष्यों के आधार पर यह तथ्य निर्विवादित रूप से प्रमाणित होता है । कि कंपनी द्वारा गोधना जलाशय के जल भराव क्षेत्र में उत्खनित क्षेत्र की भराई की गई है। यदि कंपनी द्वारा गोधना जलाशय के जल भराव क्षेत्र से मुरूम व मिट्टी का अवैध उत्खनन नहीं किया जाता तो निश्चित रूप से उनके द्वारा उत्खनि क्षेत्र में भराई करने से भी इंकार कर दिया जाता। कंपनी द्वारा जलाशय के उत्खनित क्षेत्र में भराव करने से इंकार नहीं करना उनकी मौन स्वीकारोक्ति को दर्शाता है। यदि कंपनी द्वारा गोधना जलाशय के जलभराव क्षेत्र से अवैध उत्खनन नहीं किया जाता तो उनके द्वारा जांच दल के समक्ष गोधना जलाशय समिति जनपद पंचायत चिचोली जिला बैतूल का अनापत्ति प्रमाण पत्र दिनांक 25-4-2022 प्रस्तुत नहीं किया जाता। अना .कंपनी द्वारा जांच दल के समक्ष उक्त अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के तथ्य का खण्डन नहीं किया गया है। इसके अतिरिक्त प्रकरण में यह तथ्य निर्विवादित है। कि अना. कंपनी द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 47 बैतूल से चिचोली का निर्माण किया गया है।और सडक़ निर्माण कार्य में मुरूम/मिट्टी की आवश्यकता व उपयोग होने के तथ्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। कंपनी की ओर से यह नहीं बताया गया है । कि राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 47 बैतूल से चिचोली के निर्माण कार्य में लगने वाला मुरूम/मिट्टी खनिज उनके द्वारा कहा से लाया गया है। और किस अनुमति या अनुज्ञा के अधीन उत्खनन किया गया है। अना .पर रुपये 18,24,57,000/- (रुपये अठारह करोड़ चौबीस लाख सत्तावन हजार केवल) की शास्ति अधिरोपित की गई है।

नैनपुर मे बाबा हरदेव सिंह स्मृति में समर्पण दिवस मनाया गया

मानवता के मसीहा बाबा हरदेव सिंह जी की याद में मनाया गया समर्पण दिवस

सदुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी की असीम कृपा से ÷हृदय सम्राट बाबा हरदेव सिंह जी की पावन स्मृति में÷ समर्पण दिवस का आयोजन किया गया, बाबा हरदेव सिंह जी प्रेम एवं करुणा की सजीव मूरत थे। उन्होंने अपनी सादगी और दिव्य मुस्कुराहट से न केवल भक्तों को निहाल किया अपितु समस्त मानव जाति को कल्याण का मार्ग अपनाकर एक सार्थक एवं संतुष्ट जीवन जीने की कला सिखाई। यही कारण रहा कि वह प्रत्येक वर्ग के लोगों के सदैव प्रिय बने रहे। बाबा जी ने एक पथप्रदर्शक बनकर हर भक्त का हाथ थामा ताकि वह एक सहज एवं सशक्त जीवन जी पाए। आध्यात्मिक जागरूकता के अतिरिक्त समाज कल्याण की गतिविधियों में बाबा जी ने अपना सकारात्मक योगदान दिया जिसमें रक्तदान,स्वच्छताअभियान,वृक्षारोपण स्वास्थ्य जांच शिविर,महिला सशक्तिकरण,शिक्षा,इत्यादि जैसी परियोजनाएं अहम है। बाबा हरदेव सिंह जी ने सदुरु रूप में 36 वर्षों तक निरंकारी मिशन की बागडोर संभाली उनके अथक प्रयासों का ही सकारात्मक परिणाम है कि मिशन विश्व के प्रत्येक महाद्वीप में 60 राष्ट्रों तक पहुंच चुका है जिसमें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संत समागम, युवा सम्मेलन एवं समाज की कल्याणकारी सेवाओं का आयोजन निरंतर हो रहा है। उनके अमूल्य योगदान के फलस्वरुप मिशन को विश्व स्तर पर ख्याति के साथ-साथ अनेक पुरस्कारों द्वारा भी सम्मानित किया गया। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निरंकारी मिशन को सामाजिक एवं आर्थिक परिषद के सलाहकार रूप में मान्यता भी प्राप्त हुई। संसार में अमन, शांति कायम करने के लिए युगदृष्टा बाबा हरदेव सिंह जी ने ÷एकत्व में सद्भाव÷, ÷वसुदेव कुटुंबकम÷, और ÷एक को जानो, एक को मानो, एक हो जाओ÷ इत्यादि जैसे अनेक दिव्य संदेश दिए जिसमें निसंदेह लोक कल्याण की भावना निहित है। इसके अतिरिक्त अपने परस्पर प्रेम और मिलवर्तन के भावों को सुदृढ़ करने के लिए ÷दीवार रहित संसार÷ की सुंदर कल्पना को भी साकार रूप प्रदान किया ।

वर्तमान में सदुरु माता सुदीक्षा जी महाराज, युगदृष्टा बाबा हरदेव सिंह जी के इसी सत्य संदेश को जनमानस तक पहुंचाने हेतु प्रयासरत है, जिनसे निरंकारी मिशन का प्रत्येक भक्त प्रेरणा लेते हुए अपने जीवन को सार्थक बना रहा है। ब्रांच नैनपुर मीडिया प्रभारी कैलाश कटियार ने बताया कि निरंकारी भवन नैनपुर में भी बाबा हरदेव सिंह जी की याद में समर्पण दिवस मनाया गया, जिसमे कासपुर से पधारे संत नेहरु लाल बघेले जी ने बाबा हरदेव सिंह जी की सिखलाइयो व उपकारों को अपने पावन वचनों में बताया, मंच संचालन मोनू महलवंशी व सत्संग की सुन्दर व्यवस्था गोपाल ठाकुर व हरिओम कहार ने किया,।

सौम्या बनना चाहती है डाक्टर डीपीसी स्कूल ने मारी बाजी

सिवनी- केवलारी विकासखंड के ग्राम छुई के रहने वाले रजनीश ठाकुर की पुत्री सौम्या न विद्यालय में ही अध्यायन करते हुए अशासकीय शाला डीपीसी रोल मॉडल में कक्षा दसवी में 95.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। डारेक्टर डॉ. केके चतुवेदी ने बताया कि लोग अध्यायन के लिए महानगरों में पलायन कर रहे है मगर छोटे नगरों में भी अध्यायन को लेकर महानगरों जैसी सुविधा मिलने से विद्यार्थी प्रदेश में नाम रोशन कर रहे है सौम्या भविष्य में डाक्टर बनकर गांव में अपनी सेवा देना चाहती है अपनी सफलता का श्रेय अध्यापक माता पिता एवं शिक्षकों को देना चाहती है जिनका मार्ग दर्शन में उन्होंने कडी मेहनत कर जिले का नाम रोशन किया।

भाजपा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर ने मतदान के दूसरे दिन देव दर्शन कर विधानसभा विस्तारको से चर्चा की

धार - धार महू लोकसभा क्षेत्र में मतदान के बाद 14 मई को भाजपा प्रत्याशी श्रीमती सावित्री ठाकुर ने अपने दिन की शुरुआत मंदिर में देव दर्शन कर की उसके बाद कार्यकर्ताओ से संपर्क कर अपने अपने शक्ति केंद्र पर हुए मतदान की जानकारी ली और कार्यकर्ताओ की चुनाव में जीतोड़ मेहनत की सराहना की ओर सभी का आभार माना । उसके बाद दोपहर को जिला कार्यालय में भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विश्वास पांडे, लोकसभा विस्तारक ओमप्रकाश धय्या तथा सातो विधानसभा के विस्तारक के साथ बैठक कर चुनाव परिणाम के बारे में चर्चा की ओर इस चर्चा में जिले की सातों विधानसभा एवं महू से जो आंकड़े आए उसमे 2 लाख 51 हजार से अधिक मतों से भाजपा प्रत्याशी को लोकसभा चुनाव में विजयश्री प्राप्त

करेगी । इस दौरान भाजपा जिला कार्यालय पर जिला कार्यालय मंत्री जगदीश जाट जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष पूनम चंद फकीरा मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर नितेश अग्रवाल दीपक सिंह रघुवंशी विवेक गौड़ राजेश डाबी, सन्नी होड़ा सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

आजीविका स्वाद संगम केंटीन का शुभारंग

सिवनी- जिला मुख्यालय स्थित राज?य परिवहन बस स्टैंड सिवनी में कलेक?टर क्षितिज सिंघल द्वारा ÷आजीविका स?वाद संगम÷ केंटीन का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख?य कर्यापालन अधिकारी जिला पंचायत सिवनी नवजीवन विजय एवं सीएलएफ के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। जिला प्रशासन द्वारा आजीविका स?वाद संगम केंटीन को संचालित करने वाली स?वसहायता समूहों की 05 महिलाओं का भोपाल में विविध व?यंजन बनाने का 15 दिवसीय प्रशिक्षण करवाया गया, उपरांत मातृशक्ति संकुल स?तरीय संगठन द्वारा बस स्टैंड सिवनी में ÷आजीविका स्वाद संगम÷ केंटीन संचालन हेतु संपूर्ण व?यवस?था की गई। ग्रामीण आजीविका मिशन जिला इकाई द्वारा निरंतर स?वसहायता समूहों के सदस्यों को आत्मनिर्भर बनाने एवं उनकी आमदनी को बढ़ाने के उद्देश्य से निरंतर नवीन गतिविधि के संचालन हेतु सहयोग प्रदान किया जाता है। उक्त केंटीन के माध्यम से यात्रियों, बस संचालकों एवं आमजनो को बस स्टेण्ड परिसर में ही विविध व्यंजनों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। कलेक्टर श्री सिंघल एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिवनी श्री विजय द्वारा आजीविका स्वाद संगम संचालन कर्ता दीदीयों के द्वारा बनाया गया नाश्ता, जूस आदि स्वल्पाहार किया गया ।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया फिर विवादों में उलझा

जिम्मेदारों के संरक्षण से लापरवाही बढ़ती जा रही

मण्डला/अजीत पटेल--जिले में स्वास्थ्य विभाग दिनों-दिन विवादों में उलझता जा रहा है।विगत समय जब से स्वास्थ्य विभाग की बागडोर के जिम्मेदारी में बदलाव हुआ है स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है,वहीं शासन-प्रशासन के जिम्मेदारों की लापरवाही और भ्रष्टाचारी की खुली खिताब जब आला-अधिकारियों के समक्ष रखा गया तो जिम्मेदार स्वयं मामले को नजरंदाज करते नजर आए।स्वास्थ्य विभाग के इस पूरे खेल के जो मुख्य खिलाड़ी हैं वो राजनीति की आड़ में स्वास्थ्य विभाग को खुलेआम राजनीति का अड्डा बना लिया है जिसके साक्ष्य को लेकर जब अखबारों में इन राजनीतिक चिकित्सकों की पोल खोली गई तो इन राजनीतिक खिलाड़ियों द्वारा नेता-मंत्री, अध्यक्ष-उपाध्यक्ष, सदस्य से लेकर ऐंडी-चोटी का जोर लगाने की ड्यूटी शुरू कर दी गई नतीजा मरीजों की स्वास्थ्य व्यवस्था को दरकिनार कर सामूदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया में तेजी से राजनीति फल-फूलने लगा मामले की खुली किताब को जब आमजन के समक्ष प्रकाशित किया गया तो मामले में शामिल राजनीतिक डॉक्टरों द्वारा स्वयं को बचाने को लेकर महिलाओं एवं जातिवाद को ढाल बनाकर पत्रकारों के खिलाफ झूठे शिकवा-शिकायत की आड़ में राजनीति का खेल-खेला गया।

खुलेआम शासन के नियमों की उड़ाई जा रही धज्जियां

सामूदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया में शासन-प्रशासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों को लेकर जिम्मेदारों की लापरवाहियों को अनेकों दफा वेनकाब किया गया,परन्तु आला-अधिकारियों के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है जिसके चलते लापरवाहों के हौंसले बुलंद होते जा रहे हैं।इसके पहले भी एमपीडब्ल्यू द्वारा बीएमओ के आंखों के सामने शासकीय चिकित्सक आवास में वर्षों फर्जी रूप से जांच अधिकारी बनकर कब्जा करने के मामले को सीएमएचओ डॉ कीर्ति चन्द्र सरोते के समक्ष रखा गया,परन्तु आपसी सांठ-गांठ के चलते आला-अधिकारियों द्वारा वैधानिक कार्यवाही करने के बजाय दोषियों को खुलेआम संरक्षण प्रदान किया जाने लगा नतीजा बीएमओ स्वयं एमपीडब्ल्यू को अपने साथ जांच अधिकारी बनाकर फील्ड वर्क कराने लगे।

मण्डला एक आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है जहां क्षेत्र के विकास के साथ-साथ शिक्षा-स्वास्थ्य को लेकर शासन द्वारा अनेकों योजनाएं कार्यन्वित की जा रही है।इसी तारतम्य में सरकार ने जहां जन्म से लेकर अठारह वर्ष तक के बच्चों का स्क्रीनिंग कर स्वास्थ्य परीक्षण करने एवं उनके बेहतर इलाज के लिए राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम योजना अंतर्गत चिकित्सकों की नियुक्ति की गई है आरबीएसके के उन्ही चिकित्सकों को यह दायित्व सौंपा गया है कि सभी बच्चों के घरों में जाकर उनकी स्क्रीनिंग रिपोर्ट तैयार कर उसको बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जावे,परन्तु जिम्मेदारों की लापरवाही और संरक्षण इस कदर हावी हो चुकी है कि आरबीएसके के चिकित्सकों द्वारा सीएचसी में बैठे -बैठे मासूम बच्चों की स्क्रीनिंग तैयार कर स्वास्थ्य रिपोर्ट तैयार की जा रही है जिसमें शासन-प्रशासन के नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है चिकित्सकों को शासन द्वारा प्रदाय की गई वाहन,स्क्रीनिंग डाटा रिपोर्ट,चिकित्सकों की फील्ड रिपोर्ट,लॉग बुक रिपोर्ट कागज के बंडल में मनमानी तैयार की जा रही है,इसके पहले भी उक्त मामले को लेकर जिला कलेक्टर,एन एच एम डायरेक्टर, सहायक संचालक जबलपुर, सीएमएचओ को मामले की जानकारी दी गई है मामले को लेकर जब आरबीएसके प्रमुख डॉ प्रियंका सिंग से दैनिक सांध्य प्रकाश भोपाल द्वारा बात की गई तो डॉक्टर प्रियंका सिंग ने मामले की पूरी जांच कर दोषियों के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही का आश्वासन दिया है।वाहन घोटाला, फर्जी स्क्रीनिंग रिपोर्ट,रिफर के नाम पर मासूमों की जिंदगी से सौदेबाजी को लेकर पहले भी समाचार प्रकाशन किया गया था जिसमें कुछ राजनीतिक दलों से जुड़े चिकित्सकों ने नेता मंत्रियों के साथ कुछ महिलाओं को ढाल बनाकर जातिवाद और रुपए मांगने को लेकर बगैर साक्ष्य के पत्रकारों के खिलाफ बेबुनियाद झूठे शिकवा-शिकायत कर आत्महत्या करने की धमकी दी जाने लगी जो स्पष्ट करता है कि आखिर सच्चाई क्या है,क्योंकि महिलाओं की आड़ लेकर जातिवाद और आत्महत्या जैसे झूठे शिकवा-शिकायत वही कर सकता है जो इस लापरवाही और भ्रष्टाचार के खेल में शामिल होगा।

वर्किंग जर्नलिस्ट ऑर्गेनाइजेशन संघ सौपेगा ज्ञापन

सामूदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया के कुछ कर्मचारियों द्वारा विगत दिनों वर्किंग जर्नलिस्ट ऑर्गेनाइजेशन पत्रकार संगठन के जिला अध्यक्ष के खिलाफ बेबुनियाद शिकवा-शिकायत की गई थी उसी मामले को लेकर शिकायत में दर्ज किए गए सभी आरोपों के साक्ष्य प्रस्तुत किए जाने को लेकर वर्किंग जर्नलिस्ट ऑर्गेनाइजेशन संघ ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन निर्देशक भोपाल के नाम मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मण्डला को ज्ञापन सौंपने का निर्णय किया है।वर्किंग जर्नलिस्ट ऑर्गेनाइजेशन संघ का कहना है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया के कर्मचारियों द्वारा उनके जिला अध्यक्ष के खिलाफ झूठा आरोप लगाया गया है साथ ही उन्होंने एक महिला की आड़ में जातिवाद,रुपए मांगने, आत्महत्या करने जैसे आरोप लगाकर दबाव बनाया है जो बेबुनियाद एवं निराधार है जिससे उनके जिला अध्यक्ष मानसिक रूप से पीड़ित हैं इसलिए संबंधित शिकायकर्ताओं को यह चाहिए होगा कि उनके अध्यक्ष के खिलाफ उनके द्वारा लगाए गए सभी आरोपों के साक्ष्य प्रस्तुत किया जाना होगा।

इनका कहना है----------

अभी वाहन ऑन कॉल वेसेस में बुलाया जाता है और जिले की स्क्रीनिंग रिपोर्ट पोर्टल में भी कम्पलीट बता रहा है।

अर्जुन सिंह
डी.सी. आरबीएसके मण्डला।

OUR PREDICTION CAME TRUE
WHISPERSINTHECORRIDORS.COM
MP CM Mohan Yadav asked to campaign in othe states after May 13
(WE SAID THIS ON APRIL 29, 2024)
Mohan Yadav to campaign only in Bihar and UP after May 13
It is said that Madhya Pradesh Chief Minister Dr Mohan Yadav will be asked by the party to campaign in UP and Bihar after May13.

आईआईटी मद्रास बीएस इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स के तीसरे बैच के लिए आवेदन आमंत्रित

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) ने अपने इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम प्रोग्राम में बैचलर ऑफ साइंस (बीएस) के तीसरे बैच के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। प्रोग्राम चार वर्ष का है जिसमें एक्जिट के कई विकल्प दिए गए हैं। छात्र फाउंडेशन स्तर का सर्टिफिकेट, डिप्लोमा या फिर बीएस डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रोग्राम में वर्तमान में 1,000 से अधिक छात्र शामिल हैं। यह उन्हें इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम में कौशल प्रदान कर उद्योग के लिए तैयार करता है। यह प्रोग्राम भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स और एम्बेडेड मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में कौशल प्राप्त ग्रैजुएट्स का एक विशाल समूह तैयार करने के महत्वपूर्ण लक्ष्य की ओर अग्रसर है। भारत के सेमीकंडक्टर मिशन के अनुरूप कार्यरत यह प्रोग्राम भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग और डिजाइन का वैश्विक केंद्र बनाएगा। प्रोग्राम की शुरुआत मार्च 2023 में की गई थी। इसमें शिक्षा को सर्वसुलभ, सस्ता बनाने और सभी के समावेश पर जोर दिया गया था। मई 2024 टर्म के लिए उम्मीदवार 26 मई 2024 तक आवेदन कर सकते हैं।

प्रोग्राम की विशिष्टताएं बताते हुए प्रोफेसर बॉबी जॉर्ज, फैकल्टी कॉर्डिनेटर, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम में बीएस प्रोग्राम, आईआईटी मद्रास ने कहा, यह प्रोग्राम ऑनलाइन थियरी पढ़ने के साथ खुद लैब में काम कर सीखने का अनुभव देता है और फिर छात्रों को व्यक्तिगत उपस्थिति दर्ज कर परीक्षाएं देनी होती है। इस अभूतपूर्व प्रक्रिया से सीखने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए उच्च गुणवत्ता की शिक्षा सुलभ बनाने में बड़ी कामयाबी मिली है और इस प्रोग्राम के माध्यम से आईआईटी मद्रास ने सीखने का अत्याधुनिक और कारगर अवसर देने की प्रतिबद्धता दर्शायी है।''

द डायमंड बाज़ार की रानियों ने इस सीरीज़ में काम करने के अपने अनुभव के बारे में बताया

मुंबई। सनी और बॉबी के शानदार प्रदर्शन वाले बेहतरीन एपीसोड के बाद द ग्रेट इंडियन कपिल शो में इस शनिवार को नज़र आएँगी हीरामंडी- द डायमंड बाज़ार की रानियाँ। हाल ही में लॉन्च हुई इस सीरीज़ ने सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर के दर्शकों का दिल जीत लिया है और लॉन्च के पहले हफ़्ते में ही ये सबसे ज़्यादा देखी जाने वाली भारतीय सीरीज़ बन गई है। ज़बरदस्त भव्यता से लेकर शानदार पटकथा और कलाकारों के बेहतरीन प्रदर्शन तक, नेटफ्लिक्स पर संजय लीला भंसाली की पहली पेशकश को नज़रअंदाज करना मुश्किल है। मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, ऋचा चड्ढा, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सहगल और संजीदा शेख ने परदे के पीछे के अपने कुछ किस्से साझा किये, जिसमें लेखक-निर्देशक संजय भंसाली के साथ काम करने और सीरीज़ के निर्माण की तैयारियों के साथ-साथ उनके व्यक्तिगत जीवन के किस्से भी शामिल हैं। अपने अनुभव साझा करते हुए इन महिलाओं ने सेट पर संजय लीला भंसाली द्वारा बेहद बारीकी और परफ़ेक्शन के साथ काम करने के बारे में बताया। सेट पर इस्तेमाल किए जाने वाले हर प्रॉप का एक कैरेक्टर और कहानी है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि उन्हें उनके काम के लिये पहचाना जाता है ! सोनाक्षी ने सही कहा, जो वो (संजय लीला भंसाली) देखते हैं, मुझे नहीं लगता कि कोई और देख पाता है !सेट पर अपने सबसे अच्छे और बुरे दिनों के बारे में बताते हुए मनीषा कोइराला कहती हैं, हमें कभी नहीं लगा कि हम थक गए हैं। मेरा मतलब है कि हम सब थके भी होते थे, लेकिन हमेशा एक संतुष्टि रहती थी। हमें महसूस होता था कि हमने अच्छा काम किया है मुझे नहीं लगता कि घर लौटते वक़्त मैंने कभी यह महसूस किया हो कि आज काम अच्छा नहीं हुआ। ऋचा चड्ढा कहती हैं, मेरा जो सबसे अच्छा दिन था, वही मेरा सबसे ख़राब भी था ! मेरा सबसे ख़राब दिन ही मेरा शूटिंग का सबसे अच्छा दिन बन गया। वो इस बारे में आगे बताती हैं,जब रीटेक की बात आती है तो डांस सीक्वेंस के दौरान सबसे ज़्यादा रीटेक मेरे नाम पर हैं- 99 ! मैं सेंचुरी मारते-मारते रह गई। ये आसान नहीं है जब आप 200-300 एक्स्ट्रा कलाकारों के साथ डांस कर रहे हों, जो आपको देख रहे हैं और आप नहीं कर पा रहे हैं, लेकिन जब आप कर लेते हैं तो वास्तव में ऐसा लगता है अरे वाह, मुझे नहीं पता था कि मैं ये कर सकती हूं और ये एक बहुत अच्छा एहसास है !

एसवीयू मुंबई ने अपने प्रोग्रामों के लिए आवेदन आमंत्रित किए

मुंबई। सोमैया विद्याविहार युनिवर्सिटी, जिसे अपनी अकादमिक उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है, वर्तमान में सोमैया विद्याविहार युनिवर्सिटी एंट्रैंस टेस्ट के माध्यम से अंडरग्रेजुएट प्रोग्रामों जैसे बीबीए, बी डेस प्रोडक्ट डिज़ाइन, बीए मास कम्युनिकेशन एण्ड जर्नलिज़्म ,बी.एससी आईटी, बीएससी कम्प्यूटर साइंस, बीएससी डेटा साइंस, बीएससी इकोनॉमिक्स, बीएससी साइकोलोजी, बीएससी स्पोर्ट्स एण्ड एक्सरसाइज़ साइंस के लिए आवेदन स्वीकार कर रही है। किसी भी स्ट्रीम के छात्र इन प्रोग्रामों के लिए आवेदन कर सकते हैं। इन प्रोग्रामों को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि ये छात्रों को सफल करियर के लिए तैयार करते हैं। उम्मीदवार ऑफिशियल लिंक के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा विभिन्न इंजीनियरिंग विषयों में भी बी.टेक प्रोग्रामों के लिए आवेदन खुले हैं। बी.टेक प्रोग्रामों के लिए वैद्यता जॉइंट एंट्रैंस टेस्ट (जेईई) या महाराष्ट्र राज्य इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा एमएचटी-सीईटी के स्कोर पर आधारित होगी। बी.टेक प्रोग्रामों के लिए आवेदन ऑफिशियल लिंक के माध्यम से किया जा सकता है। सोमैया विद्याविहार युनिवर्सिटी एंट्रैंस टेस्ट एक ऑनलाईन प्रोक्टर्ड टेस्ट है, जिसे अकादमिक वर्ष 2024-25 के दौरान 3 सैशन्स में लिया जाएगा। पहले सैशन के बाद युनिवर्सिटी ने अगले दो सैशन्स के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है जो क्रमशः 19 मई 2024 और 9 जून 2024 को होंगे। परीक्षा का समय सुबह 10 बजे से रात 11 बजे के बीच होगा।

हुंदै ने नेपाल में वेन्यू का उत्पादन शुरू करने के लिए लक्ष्मी समूह के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। हुंदै मोटर इंडिया ने लक्ष्मी समूह के सहयोग से नेपाल में अपनी कॉम्पैक्ट एसयूवी वेन्यू को स्थानीय स्तर 'असेंबल करना शुरू कर दिया है। 'असेंबल से तात्पर्य वाहन के निर्मित कलपुर्जों को जोड़ने से है। यह संयंत्र नेपाल में पहली मोटर वाहन 'असेंबली सुविधा है। इसकी वार्षिक स्थापित क्षमता 5,000 इकाई है। हुंदै मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनसू किम ने बयान में कहा, ''हुंदै वेन्यू संयंत्र में स्थानीय स्तर पर 'असेंबल किया गया पहला मॉडल होगा। मैं इस उपलब्धि के लिए नेपाल के लोगों को हार्दिक बधाई देना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल और नेपाल सरकार के सुविधा स्थापित करने में समर्थन की कंपनी आभारी है। किम ने कहा, ''स्थानीय स्तर पर वाहन 'असेंबल करने के अनुकूल परिवेश विकसित करने के लिए हम नेपाल सरकार से और अधिक उत्साहजनक नीतियों व प्रोत्साहनों की उम्मीद करते हैं... हुंदै ने 'असेंबल संयंत्र के लिए नेपाल स्थित लक्ष्मी समूह के साथ साझेदारी की है। वाहन विनिर्माता के अनुसार, लक्ष्मी समूह एचएमसी कोरिया और हुंदै मोटर इंडिया के उत्पादों तथा प्रौद्योगिकी पर निरंतर सहयोग व समर्थन के साथ नेपाल में कार का विनिर्माण व बिक्री करेगी।

खदान में 1875 फीट नीचे फंसे 15 में से 3 अफसर निकाले, 12 घंटे से रेस्क्यू जारी

झुंझुनू. राजस्थान के खेतड़ी में बड़ा हादसा हुआ है. हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड के खदान में लिफ्ट की चेन टूटने से 15 अधिकारी खदान में घंटों से फंसे हुए हैं. उन्हें निकालने के लिए घंटों से राहत एवं बचाव कार्य चलाया जा रहा है, लेकिन अभी तक सफलता नहीं मिली है. हालात को देखते हुए कॉपर माइन में फंसे लोगों के लिए खाने के पैकेट अंदर भेजे गए हैं. फूड पैकेट्स के साथ जरूरी दवाइयां भी भेजी गई हैं, ताकि फंसे हुए लोगों को किसी तरह की कठिनाई न हो. वहीं, डॉक्टरों और एंबुलेंस की टीम को अलर्ट पर रखा गया है. बता दें कि हिन्दुस्तान कॉपर के कोलिहान खदान में 13 मई 2024 से निरीक्षण का काम चल रहा है.

जानकारी के अनुसार, हिन्दुस्तान कॉपर के खदान में फंसे 15 अधिकारियों में से 3 को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है. उन्?हें एंबुलेंस से तत्?काल अस्?पताल भेजा गया है. बता दें कि खेतड़ी कॉपर खदान में 13 मई से निरीक्षण का काम चल रहा है. कोकाता से आई विजिलेंस की टीम हिन्दुस्तान कॉपर माइन का निरीक्षण कर रही थी. टीम के सदस्य 14 मई को खदान के अंदर गए थे. तमाम तरह के काम को पूरा करने के बाद टीम लिफ्ट से वापस लौट रही थी. बताया जाता है कि देर शाम 8-10 बजे जब सभी लोग वापस लौटरहे थे तो उसी वक्त लिफ्ट की चेन अचानक से टूट गई. हादसे की वजह से सभी लोग खदान के अंदर ही फंस गए.

लागातर चल रहा रेस्क्यू ऑपरेशन

कॉपर के खदान में हादसे की सूचना मिलते ही हर तरफ हड़कंप मच गया. स्?थानीय प्रशासन को तत्?काल इसकी सूचना दी गई. इसके बाद राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया. पिछले 10 घंटे से भी ज्?यादा के समय से बचाव कार्य चलाया जा रहा है. इसमें बुधवार को पहली सफलता तब मिली जब खदान में फंसे 15 में से तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया. इन तीनों को तत्काल नजदीकी अस्?पताल में भेजा गया है. बता दें कि हालात को देखते हुए राहत एवं बचाव दल के सदस्यों ने खदान के अंदर जरूरी दवाइयों के साथ फूड पैकेट्स भी भिजवाए थे, ताकि न्यूनतम जरूरतों को पूरा किया जा सके.

1875 फीट नीचे हादसा

झुंझुनू के कोलिहान में हिन्दुस्तान कॉपर की खदान है. यह खदान काफी महत्वपूर्ण है. खेतड़ी के इसी कोलिहान खदान में मंगलवार देर शाम को बड़ा हादसा हो गया. बताया जा रहा है कि जमीन के 1875 फीट नीचे कॉपर खदान में लिफ्ट की चेन अचानक से टूट गई. इस वजह से कोलकाता से आई विजिलेंस की टीम अंदर ही फंस गई. हादसे की गंभीरता को देखते हुए मौके पर एंबुलेंस की टीम को अलर्ट पर रखा गया. दूसरी तरफ, डॉक्?टरों को भी अलर्ट पर रखा गया, ताकि खदान में फंसे लोगों को तत्?काल मेडिकल सुविधाएं मिल सकें.

चयष्ट यूनिट के प्रमुख भी फंसे

हादसे की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की टीम तत्?काल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया. देर रात को ही एसडीआरएफ की टीम खेतड़ी कोलिहान खदान में पहुंच गई थी. बताया जा रहा है कि लिफ्ट को सपोर्ट करने वाली रस्सी के टूटने से यह हादसा हुआ. खदान में फंसे लोगों में से खेतड़ी कॉपर कॉम्प्लेक्स (चयष्ट) यूनिट के प्रमुख जीडी गुप्ता भी शामिल हैं. इनके अलावा मुख्य सतर्कता अधिकारी (दिल्ली) उपेंद्र पांडे, कोलिहान खदान के उप महाप्रबंधक एके शर्मा भी फंस गए. इनके अलावा खदान हादसे में फंसने वालों में विकास पारीक, विनोद सिंह शेखावत, एके बैरा, अर्णव भंडारी, यशोराज मीणा, वनेंद्र भंडारी, निरंजन साहू, करण सिंह गहलोत, प्रीतम सिंह, हरसीराम और भागीरथ के नाम शामिल हैं.

टेलिकॉम कंपनियों द्वारा टैरिफ में बढ़ोतरी की तैयारी ,चुनाव बाद बढ़ेगा मोबाइल बिल

लोकसभा चुनाव के बाद मोबाइल बिल महंगा हो जाएगा। टेलिकॉम कंपनियों की ओर से टैरिफ में बढ़ोतरी की तैयारी पूरी कर ली गई है। यह बढ़ोतरी शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में देखने को मिलेगा।

प्राप्त जानकारी अनुसार पोस्टपेड के साथ प्रीपेड प्लान में इजाफा देखने को मिलेगा। साथ ही इंटरनेट प्लान भी पहले से महंगा हो सकता है।

क्यों हो रही है बढ़ोतरी

मोबाइल रिचार्ज में करीब कम से कम 25 फीसद की बढ़ोतरी होगी। टेलिकॉम कंपनियां का कहना है कि ऐसा कदम प्रति यूजर औसत रेवेन्यू (ॅ़क्क) को बढ़ावा देने के मकसद से किया जा रहा है। साधारण शब्दो में कहें, तो हर एक यूजर पर जितना खर्च आ रहा है, उसके मुकाबले में कमाई कम हो रही है, जिसकी वजह से टैरिफ प्लान में इजाफा किया जा रहा है।

कितने रुपये का होगा इजाफा

एक्सिस कैपिटल का अनुमान है कि टैरिफ प्लान में 25 फीसद का इजाफा हो सकता है। ऐसे में 200 वाला रिचार्ज 50 रुपये महंगा हो जाएगा। ऐसे ही 500 वाला रिचार्ज 125 रुपये महंगा हो जाएगा।

भारती एयरटेल के लिए बेस प्राइस में 29 रुपये का इजाफा होगा। साथ ही छ्वद्बश रीचार्ज का बेस प्राइस 26 रुपये बढ़ सकता है। छ्वद्बश ने मार्च तिमाही में 181.7 रुपये ॅ़क्कआंकी है, अक्टूबर-दिसंबर 2023 के दौरान भारती एयरटेल का ॅ़क्क 208 रुपये थी, जबकि वोडाफोन आइडिया (ङ्क्षद्ब) के लिए ॅ़क्क145 रुपये थी।

इस कैलेंडर वर्ष के आखिर तक ॅ़क्कमें 10-15 फीसद की बढ़ोतरी होगी। टेलिकॉम कंपनियों ने साल 2019 और 2023 के बीच दरों में करीब तीन गुना का इजाफा किया है।

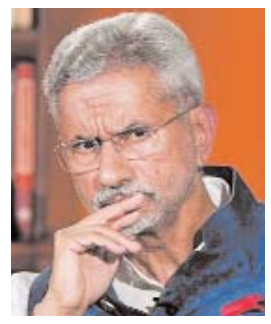

जैसे-जैसे चुनावी चरण समाप्त होंगे, बाजार का उतार-चढ़ाव कम होगा, विदेश मंत्री ने जताया भरोसा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बारे में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को भरोसा जताया कि चुनाव नतीजों के बाद बाजार स्थिर हो जाएंगे। उन्होंने कहा, मेरे लिए यह स्पष्ट है कि चुनाव कहां जा रहे हैं, लोग सटीक चुनाव संख्याओं पर बहस कर सकते हैं, लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि बाजार के बाद दौर कम और कम अस्थिर होगा। विदेशी मंत्री एस जयशंकर एनएसई के एक सेमिनार इंडियाएन कैपिटल मार्केट्स- विकसित भारत के लिए रोड मैप में बोल रहे थे। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, शेयर बाजार के निवेशकों के बीच मौजूदा अनिश्चितता भारत में चल रहे संसदीय चुनावों के कारण है। पिछले सप्ताह से बाजार में बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

जयशंकर ने चुनाव परिणामों के बाद निवेश को और मजबूत करने की बात कहकर निजी निवेश के लिए विश्वास दिखाया। उन्होंने कहा, मुझे निश्चित रूप से अधिक विदेशी निवेश आने की संभावना दिख रही है, लेकिन अभी निवेशक चार जून के नतीजे का इंतजार कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने भविष्य की व्यापार प्राथमिकताओं पर भी प्रकाश डाला, उन्होंने यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को प्राथमिकता देने के लिए भारत की प्रतिबद्धता के बारे में बताया।

उन्होंने इस तरह के समझौते की जटिलताओं को स्वीकार करते हुए कहा, यूरोपीय संघ के साथ एक एफटीए सबसे कठिन एफटीए है, सबसे जटिल एफटीए है क्योंकि एफटीए में बहुत सारे गैर-व्यापारिक मुद्दे शामिल हैं। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद यह है कि अगर हमारी बातचीत में सबकुछ ठीक होता है, तो यह निश्चित रूप से हमारी व्यापार प्राथमिकताओं में से एक होगा।

म्यूचुअल फंड एसेट में पूर्वोत्तर की हिस्सेदारी बढ़कर 40,324 करोड़, इसमें सिक्किम के आंकड़े शामिल नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में कुल म्यूचुअल फंड परिसंपत्तियों (एसेट) में पूर्वोत्तर की हिस्सेदारी चार साल में दोगुनी से अधिक होकर मार्च, 2024 में 40,324 करोड़ रुपये पहुंच गई। इक्रा एनालिटिक्स की रिपोर्ट में कहा गया है, यह आंकड़ा छोटे शहरों व कस्बों के निवेशकों के बीच म्यूचुअल फंड में निवेश करने की बढ़ती चाहत का संकेत मिलता है। रिपोर्ट के मुताबिक, म्यूचुअल फंड उद्योग की प्रबंधन के तहत कुल औसत संपत्तियों (एएयूएम) में अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड व त्रिपुरा की संयुक्त हिस्सेदारी मार्च, 2020 में 0.67 फीसदी थी। यह मार्च, 2024 में बढ़कर 0.73 फीसदी हो गई।

टाटा प्ले और अमेज़न प्राईम ने दर्शकों को टीवी और ओटीटी में प्राईम के फायदे प्रदान करने के लिए गठबंधन किया

मुंबई, एजेंसी। अग्रणी कंटेंट वितरण मंच, टाटा प्ले ने टाटा प्ले डीटीएच और टाटा प्ले बिंज के ग्राहकों को प्राईम वीडियो का ब्लॉकबस्टर कंटेंट पेश करने के लिए अमेज़न प्राईम के साथ गठबंधन किया है। टाटा प्ले डीटीएच के सदस्य अब 199 रु. प्रतिमाह के शुरुआती शुल्क में अपने पसंदीदा टीवी चैनलों के साथ टाटा प्ले पर प्राईम लाईट भी देख सकेंगे। साथ ही, टाटा प्ले बिंज के सदस्य विभिन्न मूल्यों में 30 से ज्यादा लोकप्रिय ऐप्स के साथ प्राईम लाईट देख सकेंगे। 199 रुपये प्रतिमाह में ग्राहक 33 ऐप्स की सूची में से प्राईम लाईट सहित 6 ओटीटी ऐप्स की सदस्यता पा सकते हैं, या फिर प्राईम लाईट के साथ सभी 33 ऐप्स की सदस्यता 349 रुपये प्रतिमाह में प्राप्त कर सकते हैं।

टाटा प्ले की इस नई मूल्य योजना ने दर्शकों को अपना खुद का ओटीटी संग्रह बनाने की स्वतंत्रता दे दी है। टाटा प्ले बिंज पर उपलब्ध 30 से ज्यादा राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय ऐप्स में प्राईम वीडियो को शामिल करने का उद्देश्य सभी भाषाओं, शैलियों और उपकरणों को एक ही जगह उपलब्ध करवाकर दर्शकों का मनोरंजन प्राप्त करने का अनुभव और ज्यादा बेहतर बनाना है।

टाटा प्ले और प्राईम वीडियो के बीच यह विस्तृत सहयोग दर्शकों को व्यापक मनोरंजन प्रदान करने के लिए समर्पित है। टाटा प्ले के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, हरित नागपाल ने अपनी तरह की इस पहली साझेदारी के बारे में कहा, एक तरफ टाटा प्ले के मजबूत वितरण नेटवर्क से नए ग्राहकों के बीच अमेज़न प्राईम की पहुँच का विस्तार हो रहा है, तो दूसरी तरफ प्राईम वीडियो के कारण टाटा प्ले बिंज बहुत ही आकर्षक प्रस्ताव बन गया है। प्राईम वीडियो के वाईस प्रेसिडेंट, एपैक और मेना, गौरव गांधी ने कहा, प्राईम वीडियो में हमारा उद्देश्य ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ मनोरंजन प्रदान करना है, और हम निरंतर अपने वितरण को मजबूत करने के तरीके तलाशते हैं, ताकि हमारी पसंदीदा फिल्मों और सीरीज़ की उपलब्धता बढ़े। नई योजनाओं के अलावा, डीटीएच के ग्राहक टाटा प्ले डीटीएच द्वारा अमेज़न प्राईम की वार्षिक सदस्यता सीमित अवधि के आकर्षक ऑफर के साथ ले सकते हैं, जिसमें उन्हें प्राईम वीडियो, मुफ्त शिपिंग/खरीददारी के फायदे, अमेज़न म्यूज़िक, प्राईम रीडिंग, प्राईम गेमिंग आदि मिलेंगे, जो वो 5 उपकरणों पर चला सकेंगे।

मनाक्सिया कोटेड मेटल्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड का वित्त वर्ष 24 का

मुंबई, एजेंसी। मनाक्सिया कोटेड मेटल्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एनएसईः मनाककोट , बीएसई- 539046) दोनों कॉईल एवं स्टील फॉर्म्स में प्री पेंटेड गेलवेनाइज्ड स्टील और प्लेन गेलवेनाइज्ड स्टील में स्पेशलाइजिंग रखने वाली प्रमुख कोटेड मेटल प्रोडक्ट्स निर्माता और निर्यातक, ने वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 24 के अपने आडिटेड वित्तीय परिणामों की रिपोर्ट दी है.

प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए मनाक्सिया कोटेड मेटल्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड के पूर्णकालीन डायरेक्टर, श्र करण अग्रवाल ने कहा, मैं सहर्ष मनाक्सिया कोटेड मेटल्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड के लिए उल्लेखनीय ग्रोथ ट्रांजेक्ट्री की रिपोर्ट देता है .मेटल की कीमत में वृद्धि के साथ हमारे प्रोडक्ट्स की डिमांड में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे फायदा हुआ है. वित्त वर्ष 22 में क्षमता विस्तार किया गया था, जो बढ़ी मांग पूरी करने में सहायक रहा है. मेटल्स प्रोडक्ट्स पर हमारे व्यूहात्मक से हमारी परिचालन कार्य कुशलता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है.

हमारा वित्तीय परिणाम शुद्ध लाभ में 133 प्रतिशत की उल्लेखनीय वार्षिक वृद्धि के साथ इस सकारात्मक मोमेंटम को प्रदर्शित करता है. दोनों कुल आय और एबिटडा में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है , जो हमारी टिकाऊ परिचालन क्षमता और लाभप्रदता को रेखांकित करती है.

आगे देखने पर हम ग्रोथ सुअवसर को सीज करने और हमारे स्टेकहोल्डरों को टिकाऊ वैल्यू डिलीवर करने के प्रति प्रतिबद्ध हैं. इन सुअवसरों का दोहन करने के लिए हमने चरणबंद ढंग से विभिन्न प्रोडक्ट लाइन में हमारी क्षमता में क्रमिक वृद्धि करने की योजना बनाई है. इस व्यूहात्मक कदम का उद्देश्य कंपनी के लिए आगामी वर्षों में ग्रोथ की गति को बढ़ावा देना है.

हल्दीराम पर ब्लैकस्टोन सहित दिग्गज कंपनियों की नजर, हजारों करोड़ की होगी डील

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे चर्चित कंपनियों में से एक हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड में मालिकाना हक खरीदने के लिए दुनिया की दिग्गज कंपनियों की निगाह है। इकोनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया की सबसे बड़ी प्राइवेट इक्विटी फंड ब्लैकस्टोन अबु धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी और जीआईसी सिंगापुर ने मिलकर हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड में कंट्रोलिंग हिस्सेदारी खरीदने के लिए पिछले हफ्ते कंपनी को प्रस्ताव भेजा था। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड की वैल्यूएशन 8 बिलियन से 8.5 बिलियन डॉलर (66,400 करोड़ रुपये से 70,500 करोड़ रुपये) तक आंकी गई है। बता दें, यहां हल्दीराम के दिल्ली और नागपुर बिजनेस में हिस्सेदारी खरीदने की बात हो रही है।

मिंट की रिपोर्ट के अनुसार ब्लैकस्टोन और उनके सहयोगियों के अलावा बेन कैपिटल की निगाह भी हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड पर है। बेन कैपिटल ने हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड से कई बार को लेकर बात भी की है। लेकिन अभी तक बात नहीं बन पाई।

रिपोर्ट के अनुसार ब्लैकस्टोन और उनके सहयोगी मिलकर हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड में 74 प्रतिशत से 76 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदना चाहते हैं। लेकिन ब्लैकस्टोन के सहयोगी अबुधाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी और

जीआईसी की हिस्सेदारी बहुत अधिक नहीं रहेगा। बता दें, अगर यह डील सफल रही तो ब्लैकस्टोन की भारत में यह सबसे हिस्सेदारी की खरीद होगी।

87 साल पुरानी स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड में हिस्सेदारी खरीद के मामले में अभी तक कुछ आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। वहीं, स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड ने भी पूरे मामले में बयान जारी नहीं किया है।इस पूरी डील की सफलता इस बात पर भी निर्भर करेगी कि हल्दीराम के नागपुर और दिल्ली बिजनेस का सफलता पूर्वक मर्जर हो जाए। इस मर्जर को सीसीआई ने अप्रैल में अप्रूव कर दिया था। बता दें, ब्लैकस्टोन इस डील को लेकर कितना उत्साहित इसका अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि फंड कंपनी ने कनाडा और एशिया के अपने सहयोगियों से भी इसपर बात की है।

कैसे होगा मर्जर के बाद की स्थिति

हल्दीराम परिवार मौजूदा समय में 3 हिस्सों में बंटा हुआ है। मौजूदा समय में नागपुर बिजनेस (हल्दीराम फूड्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड) और दिल्ली बिजनेस (हल्दीराम स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड) के मर्जर की बात हो रही है। दोनों कंपनियों के विलय के हल्दीराम स्नैक्स फूड्स प्राइवेट लिमिटेड नाम से एक नई कंपनी अस्तित्व में आएगी। इस विलय के बाद दिल्ली के मनोहर अग्रवाल और मधु सुदन अग्रवाल की कंपनी में हिस्सेदारी 55 प्रतिशत होगी। जबकि नागपुर के कमलकिशन अग्रवाल की हिस्सेदारी 45 प्रतिशत होगी। बता दें, इस मर्जर से हल्दीराम के पूर्वोत्तर में बिजनेस दे रही कंपनी दूर है।

खाटू श्याम कीर्तन18 मई को एसडी लॉन में

छिंदवाड़ा। सुप्रसिद्ध भजन गायका अधिष्ठा भटनागर और अनुष्का भटनागर मंदसौर मध्यप्रदेश से और गायका तनुश्री वैष्णव चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) से श्री श्याम परिवार चंदनगाव के तत्वधान में होने जा रहे 18 मई को श्याम 6 बजे से छिंदवाड़ा नागपुर रोड स्थित एसडी लॉन में एक अर्जी मेरे श्याम से भव्य कीर्तन संपन्न होगा जिसमे महिलाओं की बैठने की उचित व्यवस्था रहेगी गायका सुप्रसिद्ध भजनों की प्रतुति देगी जिसमे सभी भक्तों को खाटू श्याम जी के सुंदर दरबार के दर्शन होंगे साथ ही श्याम रसोई, अलौकिक श्रृंगार ,भव्य दरबार, अखण्ड ज्योत , पुष्प वर्षा, आकर्षक लाइट एवम साउंड की एवम अन्य व्यवस्था श्री श्याम परिवार चंदनगाव ने की है समस्त सनातन धर्म प्रेमियों से समिति ने आग्रह किया है की कार्यक्रम में उपस्थित हो कर पुण्य लाभ अर्जित करें।

वरुण राजपूत 90.4 प्रतिशत अंक से उत्तीर्ण

छिदंवाडा। फर्स्ट स्टेप सीनियर हाई सेकेंडरी स्कूल छिदंवाडा में कक्षा बायो संकाय के होनहार विद्यार्थी छिंदवाड़ा के वरिष्ठ पत्रकार रामकुमार राजपूत बडे बेटे वरुण राजपूत ने 90.4 प्रतिशत अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय एवं राजपूत समाज को गौरवान्वित किया।उन्होंने आपनी सफलता का श्रेय पूरी विनम्रता के साथ अपने गुरुजनों एंव माता पिता को समर्पित किया ! वरुण की इस दिलखुश उपलब्धी पर स्वजनों ,मित्रों एंवम परिजनों ने वरुण को आत्मीय शुभाशीष देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

पढ़ाई के साथ रोजगार के लिए प्रशिक्षण ले रही छात्राएं

बिछुआ। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिछुआ में व्यवसायिक शिक्षा के अंतर्गत 20 दिवसीय प्रशिक्षण छात्राओं को दिया जा रहा है। छात्राओं को 20 दिवसीय ट्रेनिंग ओजीटी समीक्षा ब्यूटी पार्लर एवं ट्रेनिंग सेंटर संस्था बिछुआ के मुख्य ब्यूटी थेरेपिस्ट् श्रीमति ज्योति माहोरे के द्वारा छात्राओं को सैलून के विभिन्न सेवाओं की जानकारी दी जा रही है। छात्राएं ट्रेनिंग के माध्यम से कक्षा 10वीं और 12वीं के बाद किसी भी प्राईवेट ब्यूटी पार्लर, सैलून संस्था में कार्य कर सके। जिसमें वह अपनी पढ़ाई के साथ-साथ अपना भविष्य भी उज्जवल बना? सकें। छात्राओं को रोजाना तरह तरह की चीज सिखाई जा रही है। आन जाब ट्रेनिंग से छात्राओं को? सीधे प्रोफ़ेशनल तरीके से सीखने को मिल रहा है। कार्यक्रम में बीईओ लक्ष्मीकांत मिश्रा, संस्था प्राचार्य एम. के. इवने, नोडल अधिकारी जितेंद्र नागरे, गणेश घागरे, रामप्रसाद परतेती, मोनिका पलवार, वोकेशनल ट्रेनर रानी चौरिया उपस्थित रहीं।

शादी में दिया समिति ने बेटी का मन पसंद उपहार

दमुआ। लायंस सेवा समिति दमुआ की ओर से गरीब बेटी के परिवार द्वारा बेटी के दहेज में बेटी की मन पसंद आलमारी देने में असमर्थ परिवार ने लायंस सेवा समिति दमुआ से आग्रह किया समिति ने अतिशीघ्र निर्णय लिया क्यों न बेटी को उसके मन पसंद उपहार भेंट किया जाय समिति अध्यक्ष रविशंकर साहू, उपाध्यक्ष डॉ आर के विश्वकर्मा, सचिव ब्रजलाल प्रजापति, सदस्य मदन कुमार सोनी कमलाकर ज्वेलर्स, सुरेन्द्र कथुरिया आस्था ज्वेलर्स, हरीश अरोरा अरोरा किराना, श्रीमति माला सोनी समिति सदस्या के विशेष सहयोग से बेटी को मनपसंद उपहार भेंट किया। बेटी उपहार पाकर बहुत खुश हुई तथा परिवार ने समिति को दिल से दुआ व धन्यवाद देकर आभार प्रकट किया।

गाड़ी में चाबी फसाई और ले उड़ा बाइक,

दिन दहाड़े चोरी की वारदात, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

छिंदवाड़ा। इन दिनों चोरों के हौसले तीसरे आसमान पर हैं। जिसका ताजा उदारहण सोमवार सुबह देखने को मिला। यहां कोतवाली थाना अंतर्गत न्यू मिश्रा कालोनी में एक घर के सामने खड़ी होंडा शाइन मोटर साइकिल एक चोर ने बड़ी ही आसानी से चोरी करके रफूचक्कर हो गया। उक्त घटना घर मे लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना सुबह 11 बजे की बताई जा रही है।वाहन मालिक सरल सिंगारे ने बताया कि इस तरह की वारदात पहले भी कॉलोनी में हो चुकी है दिन दहाड़े ही चोर बड़ी आसानी से चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं। दरअसल उक्त चोर दो से चार दिनों तक कॉलोनी में घर के सामने खड़े वाहनों पर नजर रख रहा था, लेकिन कॉलोनी वासियों ने उसे नजर अंदाज कर दिया। फिलहाल मोटरसाइकिल चोरी होने की शिकायत सरल सिंगारे ने कोतवाली थाने में दर्ज कर दी है। साथ हुँ पुलिस को सीसीटीवी फुटेज मुहैया करवा दिए हैं।

मासिक पूजन अनुष्ठान कार्यक्रम का आयोजन

दमुआ। भगवान भोले शंकर नाथ जी, शिवलिंग महाराज ,गणेश जी हनुमान जी सहित अन्य देवी देवताओं के धार्मिक स्थल मंदिर दमुआ बाजार मोहल्ला वार्ड क्रमांक 14 नदी किनारे मंदिर में हर माह की 15 तारीख को मासिक पूजन का आयोजन कार्यक्रम किया जाता है यह संपूर्ण धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन पंडित आचार्य श्री शंभू पांडे जी के सानिध्य में हवन पूजन अनुष्ठान कार्यक्रम पूर्णाहुति आरती के पश्चात सभी भक्तजनों को प्रसादी वितरण भी किया जाता है। जिसमे मंदिर समिति अध्यक्ष श्रीमती उषा जी मॉलोनिया और सदस्य गण समिति शिव मंदिर दमुआ बाजार और सभी भक्तगण का योगदान रहता है।

आंधी के साथ हल्की बारिस होने की संभावना

छिंदवाड़ा। भोपाल द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले 120 घंटो के दौरान (15 मई -19 मई 2024) घने बादल रहने एवं दिनांक 15.05.2024 को बिजली गिरने, तेज़ हवा, ओलावृष्टि और आंधी के साथ हल्की बारिस एवं दिनांक 16.05.2024 से 17.05.2024 को बिजली गिरने, तेज़ हवा और आंधी के साथ हल्की बारिस होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 39-42 डिग्री सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 23-26 डिग्री. सेन्टीग्रेट के मध्य रहने की संभावना है।

रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ाया पटवारी

सीमांकन कराने मांगे थे 15 हजार, लोकायुक्त पुलिस ने की कार्रवाई

छिंदवाड़ा। लोकायुक्त की लगातार कार्रवाई के बाद भी भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। जिले में कई मामले लोकायुक्त की छापामार कार्रवाई में सामने आए लेकिन रिश्वत लेना बंद नहीं हो रहा है। अधिकारी, कर्मचारी अभी भी पकड़े जा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला कलेक्ट्रेट परिसर में सामने आया जहां लोकायुक्त पुलिस ने एक पटवारी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया पटवारी ने सीमांकन कराने के नाम पर रिश्वत मांगी थी। जिसे रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार एसडीएम कार्यालय के पास पटवारी भवन छिंदवाड़ा में सीमांकन कराने के नाम पर 12 हजार की रिश्वत लेते लोकायुक्त की टीम ने पटवारी को रंगे हाथों दबोचा है। पटवारी के पास से नगद जप्त कर भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है जानकारी अनुसार आवेदक चार गांव प्रहलाद निवासी को नक्शा दुरस्त करवाना था। जिसके एवज में पटवारी रोहित मालवी ने 12 हजार की मांग की थी। इस बात से परेशान आवेदक ने जबलपुर लोकायुक्त में लिखित शिकायत की थी लोकायुक्त ने मामले की जांच करते हुए पटवारी को रंगे हाथों रिश्वत लेते हुए दबोच लिया रिश्वत में लिए गए नोट के बाद पटवारी के हाथ धुलाई गए जिससे पानी का रंग गुलाबी हो गया। ट्रैप दल में स्वप्निल दास डीएसपी लोकायुक्त, निरीक्षक एवं ट्रैप दल के अन्य सदस्य शामिल रहे।

धूमधाम से मनाया श्रीश्री का जन्मदिन

छिंदवाड़ा। गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी के जन्मदिन समारोह को धूमधाम से समस्त साधकों ने मनाया । उक्ताशय की जानकारी आर्ट ऑफ लिविंग की डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर श्रीमती श्वेता चड्ढा एवं जोन कोऑर्डिनेटर मनीष शर्मा ने देते हुये बताया कि श्री श्री रविशंकर के जन्मोत्सव पर सेवा प्रोजेक्ट के साथ पूरे सप्ताह भर साधकों ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें मेघा फॉलोउप गांधीगंज दीनदयाल रसोई में भोजन प्रसाद की व्यवस्था की साथ ही गुरुदेव के जन्मदिन पर बेंगलुरु आश्रम से पधारे सुमेर संध्या सिंगर आदित्य तिवारी एवं मनस्वी शर्मा द्वारा अपने भजनों की शानदार प्रस्तुति दी । जिसमें शहर के सैकड़ो साधक उपस्थित हुए और श्री श्री के जन्मोत्सव पर यह संकल्प लिया कि आने वाले सावन माह में वृक्षारोपण कार्यक्रम किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती दीप्ति शर्मा, रंजना टांडेकर, बृजेश काली पवार, रमेश मिगलानी, नंदकिशोर तिवारी, कृष्णकांत राजपूत, सुरेश पवार, राम सोनी, लवली चड्ढा एवं छिंदवाड़ा के समस्त साधकों का विशेष सहयोग रहा ।

6 हितग्राहियों की संबल योजना की राशि का गबन

ईपीईओ जारी होने के बाद भी हितग्राहियों के खाते में राशि क्यों नहीं आई

सौंसर। पांढुर्णा जिला के सौंसर जनपद पंचायत से जहां संबल योजना की राशि को लेकर बड़ा भ्रष्टाचार सामने आ है पांच से अधिक समय होगा लेकिन अभी तक छैहितग्राहियों जिनकी मृत्यु होने पर प्रदेश सरकार संबल योजना के अंतर्गत आने वाले हितग्राहियों को पांच हजार रुपए की अंत्येष्टि राशि तुरन्त दी जाती है फिर बाद में केस तैयार होने पर और अचानक हुई मृत्यु की चार लाख और सामान्य मृत्यु होने पर दो लाख की राशि जनपद पंचायत द्वारा सीधे हितग्राहियों के मुखिया के बैंक खाते में प्रदान की जाती है, इन हितग्राहियों को अंत्येष्टि पांच हजार रुपए दी गई और पंचायत द्वारा स्वीकृत पत्र भी दिया गया लेकिन पांच साल बीत गए इनको संबल योजना की दो लाख और चार लाख वाली राशि आज तक प्रदान नहीं हुई, बेचारे हितग्राहियों सरकारी दफ्तर और जनप्रतिनिधियों के पास पांच साल से चक्कर ही लगा रहे हैं, सीएम हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज की तो जनपद पंचायत के अधिकारी ने डरा धमकाकर शिकायत भी वापस करवा ली, सौंसर विधायक विजय चौरे ने इन हितग्राहियों की बात जब भोपाल विधानसभा पटल पर रखी तो श्रम कल्याण मंडल ने एक लेटर में ज़बाब दिया की इन सभी हितग्राहियों की राशि जनपद पंचायत सौंसर के बैंक खाते में जमा कर दी गई है लेकिन जनपद पंचायत द्वारा आज तक इन हितग्राहियों को राशि प्रदान नहीं की गई जबकि इन सभी हितग्राहियों को स्वीकृति लेटर के साथ-साथ ईपीईओ नंबर बैंक खाता नंबर आईएफसी कोड नंबर सहित सारे दस्तावेज जनपद पंचायत द्वारा इनको दे दिया गया है,और हितग्राहियों को बोला गया की आप बैंक में राशि चेक करें आपके खाते में राशि जमा कर दिए लेकिन आज तक इनके खाते में राशि जमा नहीं हुई वहीं छिंदवाड़ा श्रम पदाधिकारी का भी कहना है की इन हितग्राहियों की राशि जनपद पंचायत सौंसर में जमा कर दिए अब जनपद पंचायत के अधिकारी का काम है इनको राशि दें श्रम कल्याण मंडल में अब पीछे इन हितग्राहियों की कोई राशि बकाया नहीं है हमने पुरी राशि जनपद पंचायत सौंसर के बैंक खाते में जमा कर दिए हैं, आज सौंसर एसडीएम से इन हितग्राहियों ने मुलाकात की और अपनी पुरी समस्या से अवगत भी कराया है एसडीएम महोदय ने पंचायत इंस्पेक्टर डोंगरे सहित कम्प्यूटर आपरेटर संदीप सिरसे किनकर को बुलाकर जनपद पंचायत सौंसर के बैंक खाते की स्टेटमेंट तीन चार दिन में उपलब्ध कराने को कहा है, सौंसर जनपद पंचायत का यह बहुत बड़ा भ्रष्टाचार है अगर प्रशासनिक अधिकारी इसकी सभी जांच करेंगे तो कई अधिकारी इस मामले में निलंबित हो सकते हैं।

अब जंगल ठेकेदारों के हाथों में

छिंदवाड़ा। प्रदेश सरकार ने वन विभाग के सभी काम ठेकेदारो को दे दिये है अब ठेकेदार जंगल में ट्रेक्टर, जेसीबी एवं अन्य उपकरण ले जा सकेंगे। मशीनों के उपयोग से मजदूरों की भी मजदूरी मारी जावेगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी बढेगी। अब जंगलों में ठेकेदारों का राज होगा, यह दर्दएक सेवा निवृत अधिकारी का है प्रदेश के वन मंत्री नाहर सिंह चौहान इस ओर ध्यान देवे।

2 माह से क्रिकेट स्टेडियम की लाइट बन्द

चार्जेबल्ब लाईट लगाकर खेल रहे खिलाड़ी

गोविन्द चौरसिया

छिंदवाड़ा। इंदिरा गांधी क्रिकेट स्टेडियम का बिजली का बिल एक लाख रूपये के आसपास है जिला खेल युवा कल्याण विभाग के पास इतना रूपया नहीं है कि बिजली का बिल दे सकें। स्टेडियम में जिम और टेबिल टेनिस का संचालन हो रहा है। टेबिल टेनिस के खिलाड़ी चार्जेवल बल्ब लगाकर प्रैक्टिस कर रहे हैं। स्कूलों की छुट्टी लग गई है, बच्चों को आशा रहती है कि समर कैम्प लगेंगे और उन्हें खेलने का मौका मिलेगा। क्रिकेट के खिलाड़ियों की संख्या बहुत है एवं सांसद कप क्रिकेट प्रतियोगिता एवं अन्य क्रिकेट प्रतियोगिता में छिंदवाड़ा जिले का नाम बहुत है। छिंदवाड़ा जिले को विकास का मॉडल कहा जाता है किन्तु हालात यह है कि यहां पर बिजली का बिल पटाने के लिए खेल युवा कल्याण विभाग के पास रूपया नहीं है।

जिला खेल युवा कल्याण विभाग के अधिकारी रामाराव नागले ने बताया कि फंड के अभाव में बिजली का बिल नहीं पटा है व्यवस्था कर रहे हैं इसके लिए विभाग के डायरेक्टर श्री गुप्ता से चर्चा हुई है।

समर सीजन में बिजली के नहीं रहने से लगभग सभी प्रकार के खेल बंद हो जाते हैं,प्रधानमंत्री एक ओर चाहते हैं कि खेल आगे बढ़े हमारे खिलाड़ी ज्यादा से ज्यादा मेडल जीत लाये किन्तु विभागीय अधिकारियों की निष्क्रीयता का परिणाम है कि पिछले दो माह से बिजली बंद है और कब चालू होगी इसका पता नहीं है।

क्रिकेट स्टेडियम का मेन्टनेस क्रिकेट एसोसियेशन करता है क्रिकेट एसोसिएशन कमलनाथ के कब्जे में है उन्हीं के कारण जिले में क्रिकेट के खिलाड़ी बढ़े हैं क्योंकि वहां नियमित प्रैक्टिस होती है। पिच का सुधार भी क्रिकेट एसोसिएशन करता है।

सांसद नकुलनाथ सांसद कप क्रिकेट प्रतियोगिता कराते हैं,जिसमें जिले भर के खिलाड़ियों की टीम भाग लेती है और एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी नकुलनाथ के साथ पुरूस्कार वितरण करता है। समय समय की बात है क्रिकेट एसोसियेशन में अध्यक्ष जे.पी.सिंह हैं जब कमलनाथ की सरकार थी जब वे पावर में थे तो जिला खेल अधिकारी एवं अन्य अधिकारी जे.पी.सिंह के आगे पीछे घूमते थे। एक ओर जहां बिजली विभाग का लाखों रूपए बाकी होगा वहीं अधिकारियों ने बकाया बिल के लिए बिजली काट दी जबकि खिलाड़ियों के हित में बिजली नहीं काटनी थी और बिल पटाने अधिकारियों पर दबाव डालना था। खेल युवा कल्याण विभाग का काम है खिलाड़ियों के हित में काम करना ।

खेल युवा कल्याण विभाग के प्रभारी जिले के एसपी कहलाते हैं और संचालन जिला खेल अधिकारी करते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों को भी इस ओर ध्यान देना चाहिए।

खेल युवा कल्याण विभाग द्वारा छुट्टी में समर कैम्प लगाया जाता है किन्तु चुनाव के कारण इसे भी रोक दिया गया कहा गया है कि आचार संहिता लगी है। हलांकि ग्रीष्मकालीन शिविर लगाने को लेकर चर्चा चल रही है। खेल पदाधिकारियों का कहना है कि सरकार के पास रूपए की कमी है तो खिलाड़ियों से एन्ट्री फीस ले लें जिससे खेलों का संचालन हो सके। राज्य शासन इस ओर ध्यान देवे। जिससे प्रधानमंत्री मोदी का सपना ज्यादा से ज्यादा मेडल लाने का सफल हो सके। क्योकि गांव और शहरों से खिलाड़ी निकलकर आगे बढ़ते हैं।

धर्मनाथ गुप्ता का पता नहीं लगा पाई पुलिस

परासिया। कोयलांचल क्षेत्र में परासिया रहने वाले व्यक्ति सोनू उर्फ धर्मनाथ गुप्ता पिता अर्जुन गुप्ता उम्र 38 वर्ष निवासी वार्ड नं. 4 सरकारी अस्पताल के पीछे सोनू गुप्ता ने बताया कि परासिया निवासी ड्राईवर है जो गुप्ता की गाड़ी क्र. एल एक्स एमपी 28 जेड एफ 2637 को 11-4-2024 को गाड़ी बुकिंग में लेकर गाढरवाडा जिला सिवनी बोल कर ले गया था और दूसरे दिन गाड़ी लाया जिसमें की गाड़ी भाड़ा व पेट्रोल के रुपये नही दिया एवं गाड़ी की ऐन आर सी वैक्यूम क्लीनर भी चोरी करके ले गया मागने पर टाला मटोली किया उसके बाद गली गलोंच कर धमकी देने लगा था तो जिसकी रिपोर्ट 29 तारिख को थाना परासिया में दर्ज करायी गयी थी लेकिन बताया यह भी गया कि पुलिस कार्रवाई तो कर रही है पर उचित कार्रवाई अभी तक नही कर पाई।

स्वच्छ सुंदर शहर के लिए शहरवासियों ने चलाया स्वच्छता अभियान

शहर की सुंदरता छोटा तालाब, को पालीथिन सहित अन्य गन्दगी डालकर कर रहे प्रदूषित

छिंदवाड़ा। इंदौर की तर्ज पर छिंदवाड़ा को भी स्वच्छता में प्रथम स्थान पर लाना है तो नगर निगम के प्रयासों के साथ साथ आम जनों को भी अपनी आदतों में बदलाव लाना होगा उक्त बाते गत दिवस छोटा तालाब में साप्ताहिक स्वच्छता अभियान चलाते हुआ जन अभियान परिषद छिंदवाड़ा की टीम के साथ साथ शहर के समाजसेवीयो ने भी छोटा तालाब में स्वच्छता अभियान चलाकर उक्त चिन्ता जहीर की।इस अवसर पर नगर निगम के कमिश्नर महोदय ने भी श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया।जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक अखिलेश जैन के कुशल मार्गदर्शन में जन अभियान परिषद के माध्यम से सीएमसीएलडीपी पाढयक्रम के समाजसेवा में स्नातक एवम स्नातकोत्तर कर रहे विद्यार्थीयो ,जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था,प्रस्फुटन समितियां जन अभियान परिषद के परामर्शदाताओं में राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षा विद विनोद तिवारी,मेंटर्स श्रीमती लता नागले, श्रीमती तृप्ति सिंह, अशीष साहू,के साथ में छोटा तालाब में शहर वासियों द्वारा पालीथिन सहित अन्य फेकी गई गंदगी को नगर निगम की टीम के साथ साफ सफाई कार्य किया गया। सप्ताह में एक दिन सुबह 7 बजे से शहर की खुबसूरती के लिए चलाए जाने वाले छोटा तालाब सफाई कार्य में सभी बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू के स्टूडेंट,मेंटर्स,नवांकुर संस्था ,नगर विकास प्रस्फुटन समितियां सहित शहर के पर्यावरण प्रेमी स्वच्छता दूतो ने चंद समय में दो ट्राली पालीथिन सहित अन्य गंदगी हाथो हाथ साफ कर दी।इस समय जन अभियान परिषद की टीम के कुछ लोग काम करो काम करो गीत गुनगुनाते हुए सभी स्वच्छता दूतो का उत्साह वर्धन कर रहे थे।इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त ने सभी से आव्हान किया की तालाब में पालीथिन सहित अन्य गंदगी न डाले एवम तालाब को स्वच्छएवम सुंदर रखे। नगर निगम में ब्रांड एम्बेसडर एवम जन अभियान परिषद के परामर्शदाता विनोद तिवारी ने इस अवसर पर सभी से कहा की हमे यदि अपने शहर को स्वच्छ एवम प्रदूषण मुक्त बनाना है तो सार्वजनिक स्थानों में तालाब ,पार्क सहित अन्य जगहों पर गंदगी न स्वयं करे न किसी को करने दे।इस शहर का एक एक व्यक्ति स्वच्छता दूत बनकर अपना कर्तव्य का निवाहन करे और शहर को स्वच्छ सुंदर रखने में अपना योगदान दे। एमएसडब्ल्यू के स्टूडेंट समाजसेवी रविंद्र नाफडे ने कहा की हम सभी शहरवासी स्वच्छता के अग्रदूत बनकर शहर को स्वच्छता में आगे लायेगे। उनके नेतृत्व में युवाओं के साथ स्वच्छता कसंदेश देते एवम जल संरक्षण पर नुक्कड़ नाटक का प्रभावी मंचन भी किया गया।जन अभियान परिषद की परामर्शदाता श्रीमती लता नागले एवम श्रीमती तृप्ति सिंह ने जन चेतना गीत के माध्यम से जल संरक्षण एवम स्वच्छता का संदेश दिया।इस अवसर पर विशेष रूप से जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था बहुउद्देशीय शैक्षणिक विकास समिति के अध्यक्ष एवम् टीम,मैत्री नगर विकास प्रस्फुटन समिति परतला,सिद्धि विनायक नगर विकास समिति, अपूर्वा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था,सहित बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू के स्टूडेंटजन अभियान परिषद के सीएमसीएलडीपी पाठ्यक्रम के बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू के स्टूडेंट श्रीमती ज्योति कुशवाह,प्रदीप डेहारिया, मनोज तेलंग, अमित बरखानिया, कामेश सूर्यवंशी, ज्योति चोकसे, सुरुचि, लेखेश्वर वर्मा ,श्रीमती बबिता वंदेवार, देवांश साहू, , सुनीता कोचे, सहित बड़ी संख्या में बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू के स्टूडेंट ने जल संरक्षण एवम स्वच्छता की शपथ ली।

किसी भी काम को पूरी लगन और मेहनत से करने के साथ ही स्मार्ट वर्क करने पर सफलता जरूर मिलती है: कलेक्टर

13 दिवसीय जूट निर्माण उद्यमी के प्रशिक्षण का कलेक्टर ने किया शुभारंभ

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के मुख्य आतिथ्य में आज सेन्ट्रल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (सेंट आरसेटी) इमलीखेड़ा छिन्दवाड़ा में 13 दिवसीय जूट निर्माण उद्यमी के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से छिन्दवाड़ा जिले के सभी विकासखंडों से ग्रामीण क्षेत्र की 35 महिला प्रतिभागी इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता कर रही हैं। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत पार्थ जैसवाल, जिला परियोजना प्रबंधक एनआरएलएम श्रीमती रेखा अहिरवार, अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक अजय कुमार तथा जिला प्रबंधक (कौशल) सुक्कन कुमार कवडे उपस्थित थे। कलेक्टर द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत में सर सोराबजी पोचखानावाला की फोटो पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्जवलन किया गया। अग्रणी जिला प्रबंधक द्वारा पुष्प गुच्छ प्रदान कर कलेक्टर श्री सिंह का स्वागत किया गया तथा आरसेटी निदेशक अरविन्द कुमार द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी का पुष्प गुच्छ प्रदान कर स्वागत किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कलेक्टर श्री सिंह ने सभी प्रतिभागियों से बातचीत की और समूह में चल रही गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। अलग-अलग तरह की गतिविधियों के बारे में जानने के बाद उन्होंने सभी प्रतिभागियों को मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि गाँव के लोगों के पास जमीन भी ज्यादा होती है और वे मेहनत भी ज्यादा करते हैं, लेकिन फिर भी शहर के लोग ज्यादा पैसा कमाते हैं। इसके पीछे का कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी काम को पूरी लगन और मेहनत से करने के साथ ही स्मार्ट वर्क करने पर सफलता जरूर मिलती है। बहुत सारे काम एक साथ करने से अच्छा है कि एक या दो काम को ज्यादा अच्छे से सीखें और करें। सफलता तभी मिलेगी जब एक ही काम को मन लगाकर लम्बे समय तक करते रहें। कोई भी नया काम करते हैं, तो बहुत ज्यादा छोटे रूप में ना करें, काम इतना करें कि आपको अच्छी आमदनी मिल सके। किसी भी प्रकार का काम सीखकर उसे छोड़ना नहीं है, करते रहना है तब ही सफलता मिलेगी। जब तक खतरा नहीं उठाएंगे तब तक सफलता नहीं मिलेगी। अपने अन्दर आत्मविश्वास पैदा करें कि हम ये काम कर सकते हैं। महिलाएं किसी से कम नहीं हैं, महिलाएं शक्ति का स्वरूप हैं और हर काम कर सकती हैं।

कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने पूरे संस्थान का भ्रमण किया एवं प्रतिभागियों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली और मार्गदर्शन प्रदान किया। भ्रमण के बाद संस्था प्रांगण में कलेक्टर श्री सिंह एवं सीईओ जिला पंचायत श्री जैसवाल द्वारा पौध रोपण भी किया गया। शुभारंभ कार्यक्रम में सीईओ जिला पंचायत श्री जैसवाल द्वारा सभी प्रतिभागियों को मार्गदर्शन दिया गया कि वे कैसे इस नए तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाभ उठाकर जूट से बनने वाली विभिन्न प्रकार की चीजों को बनाना सीखकर इसे अपनी आजीविका का माध्यम बना सकते है।

संक्लेश का अंत ही समाधि है: सुमतप्रकाश जैन

वीतराग भवन में चल रहा समाधि साधना प्रशिक्षण शिविर एवं निर्यापक सम्मेलन

छिंदवाड़ा(नगर के अहिंसा स्थली गोल गंज स्थित वीतराग भवन में मुमुक्षु मंडल एवं अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन के तत्वावधान में 9 दिवसीय समाधि साधना प्रशिक्षण शिविर एवं निर्यापक सम्मेलन चल रहा है। जिसमे मुख्य वक्ता बाल ब्रह्मचारी सुमतप्रकाश जैन खनियाधाना द्वारा जीवन को समाधिमय बनाने की कला सिखाई जा रही रही है, जिसका लाभ ब्रह्मचारी भाई बहनों के साथ सकल जैन समाज के श्रावक-श्राविकाएं ले रहे हैं।शिविर के दूसरे दिन ब्रह्मचारी सुमतप्रकाशजी जैन ने निर्यापक का अंतरंग स्वरूप बताया उन्होंने कहा कि आभार निर्भार यह श्रेष्ठ कार्य होते हैं निर्यापक का भार सर्वश्रेष्ठ कार्य है, निर्यापन धर्म का मूल सम्यक दर्शन है, जिनदर्शन जीवन का मूल और मोक्ष मार्ग का मूल सम्यक दर्शन है। इस हेतु तत्व अभ्यास अर्थात आप में आप अपने का श्रद्धान का अभ्यास करना चाहिए। निर्यापक को सात भय नहीं होने चाहिए, इह लोक का भय- अर्थात क्या कहेंगे लोग यह नहीं होता। अंजन चोर, कमठ जैसे जीवों को हम क्षमा के बल पर भगवान बनाएंगे, कमठ ना बनेंगे न बनने देंगे। संयम तोड़ने का अभिप्राय ना होने पर अतिचार लगने पर भी प्रतिज्ञाएं नहीं टूटती हैं उन्हें प्रायश्चित देकर शुद्ध किया जाता है, निर्यापक में उपगुहन प्रमुख गुण होता है, मानो कुछ हुआ ही नही ऐसे दोषों को पी जाते हैं।निर्यापक को अतिक्रम, व्यतिक्रम, अतिचार एवं अनाचार का ज्ञान अवश्य होना चाहिए, निर्यापक पहले आत्म निर्यापन करें फिर अन्य का निर्यापन कर सकता है, ज्ञानी श्रेष्ठ कार्य करने के लिए अज्ञानियों से पूछते नहीं है और उनकी सहमति की अपेक्षा भी नहीं रखते इसलिए उन्हें लोक भय या लोक संज्ञा नहीं होती।निर्यापक को कर्ता कर्म का स्वरूप हृदय में होना चाहिए क्योंकि अकर्ता ही प्रकर्ता होते हैं। निर्यापक को स्व पर को आत्म ग्लानि से बचाना चाहिए, उन्होंने कहा कि त्यागियों को सामग्री के नही संक्लेश के त्यागी होना चाहिये क्योंकि संक्लेश का अंत ही समाधि है, दुनिया मे कोई चीज अचानक नही होती - अनेक बार पाप भाव होने पर एक बार पाप क्रिया होती है, इसलिए सतत सावधान रहना चाहिए।सर्वज्ञ बनना हो तो दुनिया को सर्वज्ञ की तरह देखना सीखो दुनिया से आंख मत चुराएं

डॉक्टर उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 के दायरे से बाहर हो सकते हैं?

अधिवक्ता उपभोक्ता सरंक्षण अधिनियम की परिधी में नहीं आएंगे

त्वरित टिप्पणी
जी.के. छिब्बर

सर्वोच्च न्यायालय की पीठ न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मित्तल ने बार ऑफ इंडियन लॉयर्स बनाम डी. के. गांधी एवम अन्य की याचिका के निर्णय कहा है की उपभोक्ता सरंक्षण अधिनियम 1986 के अंतर्गत चिकित्सक को सेवाओं की कमी के लिए जिम्मेदार ठहराय जाने वाले 1995 के निर्णय इंडियन मेडिकल एसोसिएशन बनाम वी पी शांता के निर्णय पर पुनर्विचार हो और तीन न्यायाधिशों की पूर्ण पीठ इस पर पुन: विचार करे इसका कारण बताते हुवे जस्टिस बेला त्रिवेदी और जस्टिस पंकज मित्तल ने निर्णय में कहा की अधिवक्ता की सेवाएं व्यापार और व्यवसाय नही है आती है यह व्यवसाय, व्यापार नही पेशा है इसलिए उपभोक्ता सरंक्षण अधिनियम 1986 की परिधी में नहीं माने जा सकते इसी तरह चिकित्सा व्यवसाय , व्यापार नहीं पेशा है इसलिए डॉक्टर भी इस अधिनियम की दायरे में नहीं आने चाहिए।

प्रस्तुत याचिका के तथ्यों के अनुसार 2007 में राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग ने निर्णय देकर अधिवक्ता की सेवाओं को भी उपभोक्ता सरक्षण अधिनियम 1986 की परिधी में ला दिया था जिसको सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी। सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय को पलटते हुवे कहा कि अधिवक्ता एक प्रोफेशन है यह व्यवसाय और व्यापार नही है अधिवक्ता बनने के लिए विशेष डिग्री लेना होती है यह विशेष कौशल और प्रशिक्षण से प्राप्त होती है अधिवक्ता मानसिक कौशल से वकालत करते हैं इसलिए व्यापार और व्यवसाय की श्रेणी में नहीं माना जा सकता अधिवक्ता अपने पक्षकार के निर्देश पर पैरवी करता है वह स्वयं कोई अपनी साक्ष्य नहीं देता मुकदमे के निपटारे का भी कोई प्रस्ताव नहीं देता फीस लेकर विधिक प्रतिनिधित्व करना सेवा की श्रेणी में नहीं माना जा सकता इसलिए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 के प्रावधान 2(1) ओ के दायरे में अधिवक्ता की सेवाएं नही मानी जा सकती।

यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है की मुकदमे में एक पक्ष विजय होता है एक पराजीत तो हर परजीत पक्षकार सेवाओ की कमी का आधार बनाकर मुकदमा लगाने लग जाए तो अधिवक्ताओं का पेशा ही मुकदमेबाजी में चलता रहेगा जो किसी भी तरह से तर्कपूर्ण और विधिसम्मत नहीं कहां जा सकता यदि अधिवक्ता पक्षकारो की उचित पैरवी नहीं कर रहा है अनुचित व्यवहार कर रहा है तो बार काउंसिल में पक्षकार शिकायत कर सकता है।

इसीलिए सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में यह भी कहा की चिकित्सक की सेवाएं भी पेशा है जो विशेष प्रशिक्षण और डिग्री उपरांत की जाती है इसे विशेष दक्षता से किया जाता है इसलिए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन बनाम वी पी शांता के पूर्व निर्णय की पुनर्विचार की आवश्यकता है।

इस निर्णय से अब चिकित्सकों के पेशे को भी भविष्य में राहत की संभावना है लेकिन यह विचारणीय प्रश्न है की नर्सिंग होम ओर निजी अस्पताल व्यवसायिक तौर पर स्थापित होते हैं जो उद्योग और संस्थान की परिभाषा में आते हैं उन पर तो उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम1986 लागू होना विधिसम्मत है निजी चिकित्सक भले ही उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 के दायरे से बाहर हो सकता है लेकिन फिलहाल 1995 का सुप्रीम कोर्ट का इंडियन मेडिकल एसोसिएशन बनाम वी पी शांता का निर्णय प्रभावी है।

15 दिनों में नाले नालियों की साफ सफाई की दी हिदायत

कलेक्टर ने गंदगी और पानी के जाम की स्थिति पर जताई नाराज़गी

उज्जैन। कलेक्टर उज्जैन नीरज कुमार सिंह ने बुधवार सुबह शहर का सघन भ्रमण कर सफाई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने नगर के प्रमुख नाले नालियों की साफ सफाई कार्य का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान कुछ नालों में गंदगी और पानी के जाम होने की स्थिति पाए जाने पर असंतोष व्यक्त करते कहा कि बारिश को ध्यान में रखते हुए आगामी 15 दिनों में सभी प्रमुख नाले नालियों की वास्तविक रूप से सफाई की जाए। ताकि वर्षा के दौरान जल भराव की स्थिति निर्मित ना हो। साथ ही ऐसे अनाधिकृत निर्माण जिनके कारण नालों की निकासी बाधित हो रही है उन्हें भी चिन्हित कर संबंधित को नोटिस देकर आवश्यक कार्रवाई की जाए। सबसे पहले कलेक्टर श्री सिंह जोन 6 अंतर्गत आदर्श नगर पहुंचे उन्होंने यहां स्थित नाले से निकासी की स्थिति देखीं। उन्होंने शिप्रा विहार का भी भ्रमण कर यहां स्थित नाले की सफाई कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर को एकता नगर और लोहरपट्टी स्थित नाले में गंदगी और पानी के जाम की स्थिति मिली, जिस पर कलेक्टर श्री सिंह ने नाराजगी व्यक्त करते हुए नालों की अच्छे से सफाई कराने के निर्देश दिए

कलेक्टर श्री सिंह ने लो लाइन एरिया डाबरी पीठा से पैदल भ्रमण कर लोहे के पुल तक जल की निकासी देखी। उन्होंने वार्ड नंबर 24 में नाले का चैंबर खुलवाकर नाले में पानी के बहाव का अवलोकन किया। उन्होंने बेगम बाग के नाले से लेकर रुद्र सागर तक भी जल निकासी का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने वर्षा पूर्व नाली नालियों की व्यवस्थित ढंग से साफ सफाई किए जाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने वार्ड नंबर 23 और 24 के रहवासियों से चर्चा भी की। रहवासियों द्वारा निम्न गुणवत्ता के पानी मिलने की समस्या बताई, जिस पर कलेक्टर श्री सिंह ने नगर निगम के अमले को टीम भेजकर पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बनते- बनते रह गए स्पेशल-120, बेरोजगारों से नौ करोड़ की ठगी

भोपाल। भोपाल में पुलिस की वर्दी पहनकर 9 करोड़ रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। ठग पुलिस अफसर की वर्दी पहनकर घूमता था और फिर लोगों को अपनी ठगी का शिकार बनाता था। ठग 120 लोगों को इंटेलीजेंस ब्यूरो (आईबी) में जॉब का ज्वाइनिंग लेटर देकर 8 से 9 करोड़ की ठगी करके भागा है। ज्यादातर लोगों को उसने आईबी में नौकरी का ज्वाइनिंग लेटर और आई कार्ड दिया था। लोग जब ज्वाइनिंग के लिए पहुंचे तो खुलासा हुआ कि उनके साथ ठगी हुई है। इस मामले की जांच शुरू हो गई हैं।

दरअसल ठगी का शिकार कुछ लोग जब न्याय की गुहार लेकर पुलिस कमिश्नर के पास पहुंचे तो वह उनके हाथ में सामान देखकर हैरान रह गए। किसी के हाथ में पुलिस की टोपी, किसी के हाथ में शर्ट, किसी के पास पेंट, किसी के हाथ में जूते, किसी के पास छड़ी तो कोई वर्दी के स्टार लिए था। पता चला कि ठग ये सब पहनकर लोगों को अपने झांसे में लेता था।

नौकरी के नाम पर ठगे 7-7 लाख: जानकारी के मुताबिक 8 युवक पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्रा के पास ठगी की शिकायत लेकर पहुंचे थे। किसी के पास पुलिस की टॉपी थी, किसी के पास शर्ट, सबके पास पुलिस की वर्दी का अलग-अलग सामान था। पीड़ितों ने बताया कि ठग ने उनके साथ आईबी समेत अन्य सरकारी विभाग में नौकरी के नाम पर सात-सात लाख रुपए लिए थे। उन्हें ज्वाइनिंग लेटर और आई कार्ड भी दिए थे।

पीड़ितों ने पकड़ा तो कपड़े उतारकर भागा

बाद में जब वह संबंधित विभाग में ज्वाइनिंग के लिए पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उनकी कोई नौकरी नहीं लगी है। बताया गया है कि ज्वाइनिंग लेटर और आई कार्ड फर्जी हैं। मामले की पड़ताल करने पर खुलासा हुआ कि ठग ने अब तक 120 लोगों के साथ ठगी की है। उसने लोगों से सात-सात लाख रुपए में ज्वाइनिंग लेटर दिए थे। लोगों को जब ठगी का पता चला तो उन्होंने भोपाल में ठग को घेर लिया। उसके साथ मारपीट हुई तो वह अपने जूते, वर्दी, टोपी सब सामान छोड़कर चड्डी बनियान में भाग गया। रातीबड़ पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आरोपी की हैं तीन पत्नियां

युवक दो महीने रातीबड़ इलाके में किराए का मकान लेकर भी रहा है। दावा किया जा रहा है कि आरोपी की तीन पत्नियां है। हालांकि पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

फर्जी बिल घोटाले में नगर निगम के 4 ऑडिट अफसर सस्पेंड

इंदौर। नगर निगम में उजागर हुए 100 करोड़ से ज्यादा के फर्जी बिल घोटाले मामले में वित्त विभाग ने ऑडिट शाखा के चार वरिष्ठ अफसरों को निलंबित कर दिया। पिछले दिनों निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने शासन को इनके खिलाफ कार्रवाई के लिए पत्र लिखा था।

लोकल फंड ऑडिट की तरफ से इंदौर नगर निगम में पदस्थ संयुक्त संचालक अनिल कुमार गर्ग, डिप्टी डायरेक्टर समर सिंह, असिस्टेंट ऑडिटर रामेश्वर परमार के अलावा सीनियर ऑडिटर जे एस ओहरिया के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई। प्रदेश शासन के वित्त विभाग के अवर सचिव विजय क्ठाने ने ऑडिट विभाग के इन चारों अफसरों के निलंबन आदेश जारी किए।

उल्लेखनीय की निगम का यह फर्जी बिल महाघोटाला 125 करोड़ रुपए पार हो गया। इसमें अन्य फर्मों के मामले भी खुल रहे हैं। पुलिस गिरफ्त में आए निगम अभियंता अभय राठौर से भी लगातार पूछताछ जारी है। आज महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने भी इसमें लिप्त दोषी अफसरों पर कार्यवाही होने के साथ निगम की कार्यप्रणाली को बेहतर करने का दावा किया।

इनामी ठेकेदार सिद्दिक को पकड़ा, 2 फरार ठेकेदारों की तलाश: फर्जी बिल घोटाला मामले में लंबे समय से फरार चल रहे ठेकेदार मोहम्मद सिद्दिक को भंवरकुआ क्षेत्र से मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। उसकी गिरफ्तारी पर 5 हजार

रुपए का इनाम रखा गया था। वह बाहर जाने के लिए बस का इंतजार कर रहा था, तभी पुलिस ने उसे दबोच लिया। इसके साथ ही दो अन्य फरार ठेकेदार इमरान (फर्म क्रिस्टल इंटरप्राइजेस) निवासी जूनी कसेरा बाखल और मौसम व्यास (फर्म ईश्वर इंटरप्राइजेस) की सरगर्मी से तलाश की जा रही है। दोनों ठेकेदारों ने बगैर काम किए फर्जी बिल लगाकर करीब साढ़े चार करोड़ रुपए हासिल कर लिए थे।

अभय 15 मई तक रिमांड पर

मामले के मास्टर माइंड निलंबित कार्यपालन यंत्री अभय राठौर से पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है। अभय 15 मई तक रिमांड पर है। आज 15 मई को उसे कोर्ट में पेश कर घोटाले से संबंधित अन्य मामले में पूछताछ के लिए पुलिस दोबारा

रिमांड मांगेगी। जोन 3 के पुलिस आयुक्त पंकज पांडे ने बताया कि पूर्व में पकड़े गए सभी आरोपियों, जिसमें ठेकेदार, निगम कर्मचारी शामिल है, को जेल भेज दिया गया है। अभय राठौर ने पूछताछ में ड्रेनेज विभाग के कार्यपालन यंत्री सुनील गुप्ता सहित कई अधिकारियों, कर्मचारियों पर आरोप लगाए हैं। इन आरोपों की जांच के लिए अलग से टीम गठित की गई है। टीम जांच के बाद नए आरोपियों पर कार्रवाई करेगी। मास्टर माइंड आरोपी के कुछ दिन पहले पुलिस ने उत्तरप्रदेश के एटा से पकड़ा था। आरोपी यहां अपने रिश्तेदार के यहां फरारी काट रहा था।

सुनील गुप्ता से भी पूछताछ होगी: अभय राठौर ने कार्यपालन यंत्री सुनील गुप्ता सहित जिन अधिकारियों, कर्मचारियों की सूची पुलिस को सौंपी है। उन सभी को जल्द ही थाने बुलाया जाएगा। थाने में अलग-अलग पूछताछ होगी। इसके बाद तय होगा कि अभय राठौर ने जिन पर आरोप लगाए हैं, वे सही है या गलत। आरोप साबित होने पर गिरफ्तारी भी की जाएगी। उधर, जिनके नाम सामने आए हैं, वे खुद को पुलिस से बचने की जुगत में लग गए हैं।

वसूली के लिए संपत्ति की जांच

पुलिस के मुताबिक फर्जी तरीके से हथियाए पैसों को खुर्दबुर्द कर दिया गया है। चल अचल संपत्तियां क्रय की गई। जिस दिन से ठेकेदारों ने फर्जी बिल लगाकर लेखा विभाग से राशि आहरित की, उसके बाद से ठेकेदारों ने जो संपत्तियां खरीदी है, उनकी जांच के बाद उन्हें जब्त किया जाएगा। बैंक खातों में तीन साल में हुए सारे ट्रांजेक्शनों की इंट्री भी मांगी गई है। आरोपियों के परिवार के सदस्यों के बैंक खाते, संपत्ति की जानकारी भी जुटाई जाएगी।

नई एफआईआर का आवेदन तैयार

सस्पैंड किए गए कार्यपालन यंत्री अभय राठौर पर शीघ्र ही एमजी रोड थाने में एक ओर एफआईआर हो सकती है। इसके लिए निगम ने आवेदन तैयार कर लिया है। यह एफआईआर अवैध तरीके से नल कनेक्शन और निगम का पानी बेचकर शासन को चूना लगाने के मामले में होने की संभावना है। नई एफआईआर होने से अभय की मुसीबत ओर बढ़ जाएगी।

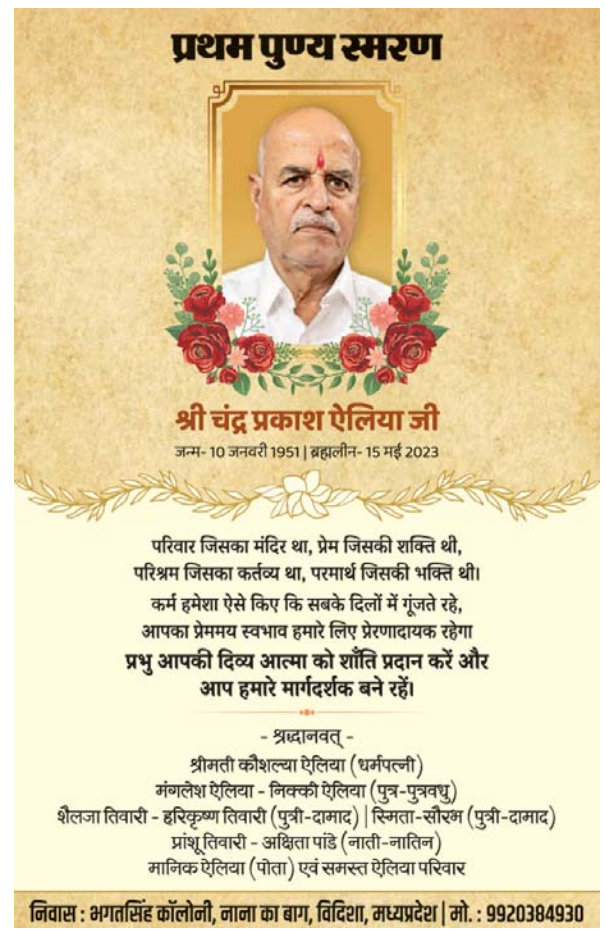

स्थाई कर्मियों की मांगों का ज्ञापन मुख्य सचिव को सौंपा

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने आज प्रदेश के स्थाई कर्मियों की प्रमुख पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन मुख्य सचिव को सोपा।

मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि प्रदेश के 48 हजार स्थाई कर्मियों की मांगो को सरकार पिछले 8 वर्षों से संज्ञान में नहीं ले रही है वर्ष 2016 में सरकार ने दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नियमित नियुक्ति देने के स्थान पर स्थाई कर्मी बना दिया था लेकिन किसी प्रकार की सरकारी सुविधा देने के आदेश प्रसारित नहीं कर थे जिस कारण स्थाई कर्मियों का नौकरशाही शोषण कर रही है स्थाईकर्मियों को किसी प्रकार की सरकारी सुविधा का लाभ नहीं मिल रहा है आज मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंप कर मांग करी है कि स्थाई कर्मियों को सातवें वेतनमान का लाभ दिया जाए स्थाई कर्मियों के लिए स्थानांतरण नीति बनाई जाए स्थाई कर्मियों को अनुकंपा नियुक्ति का लाभ दिया जाए स्थाई कर्मियों को शासकीय कर्मचारियों के समान मेडिकल सुविधा एवं अवकाश सुविधा का लाभ दिया जाए स्थाई कर्मियों को सेवानिवृत होने पर 10 लख रुपए की ग्रेजुटी दी जाए।

लॉ कॉलेज के प्रिंसिपल पर हुई एफआईआर सुप्रीम कोर्ट ने की खारिज

इंदौर। इंदौर के शासकीय लॉ कॉलेज के प्रिंसिपल के खिलाफ हुई एफआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान खारिज कर दिया है. साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने तीखी टिप्पणी करते हुए विवादित किताब को लेकर कहा है कि यह किताब तो सुप्रीम कोर्ट की लाइब्रेरी में भी मिल सकती है। दरअसल, पूरा मामला दिसंबर 2022 का है. जहां शासकीय लॉ कॉलेज में प्रोफेसर पर धार्मिक कट्टरता फैलाने का आरोप लगाया गया था. मामला पुलिस तक पहुंच गया. छात्रों ने आरोप को लेकर सबूत पेश किया. साथ ही थाने में आवेदन भी पुलिस को दिया. जिसमें किताब के लेखक डॉक्टर फरहत खान इंदौर

शासकीय लॉ कॉलेज के प्राचार्य इनामुरहमान के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की।

पुलिस को दिए गए आवेदन के साथ किताब सामूहिक हिंसा और दंड न्याय पद्धति का लेखन संकलन किया गया. आरोप लगाया की किताब में लेखक ने जानबूझकर सत्य और बिना किसी साक्ष्य के आधार पर हिंदू धर्म के विरुद्ध झूठी टिप्पणी की है. विषयगत पुस्तक को लेकर शासकीय विधी महाविद्यालय के मुस्लिम शिक्षा को द्वारा जानबूझकर छात्रों को यह किताब पढ़ाई जा रही है। लेखक ने राष्ट्रीय विरोधी मुहिम के तहत पुस्तक में धर्म और आरएसएस के विरुद्ध सत्य और झूठे तथ्यों को लिखा है. बाद में चारों के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर प्रिंसिपल रहमान को निलंबित कर उच्च शिक्षा विभाग ने विभागीय जांच बैठा दी. तब से रहमान निलंबित हैं और सुप्रीम कोर्ट से अग्रिम जमानत पर हैं।